जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 154 प्रभात जालोर, बुधवार 10 सितम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

विपक्ष व सत्ता पक्ष, दोनों के लिए चेतावनी हैं, उपराष्ट्रपति के चुनाव के नतीजे

विपक्ष के लिए कष्टदायक बात यह है कि, नवीन पटनायक की बीजेडी, तेलंगाना की बी. आर. एस. व पंजाब का अकाली दल अभी भी भाजपा की ''बी'' टीम जैसे ही काम कर रहा है

- रेनु मित्तल -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 9 सितम्बर। भाजपा के सी. पी. राधाकृष्णन भारत के नए उपराष्ट्रपति बने हैं। उन्होंने जगदीप धनखड की जगह ली है, जिन्होंने रहस्य और सस्पेंस के बीच अज्ञात कारणो से पद छोड़ दिया था।

एनडीए बनाम इंडिया गठबंधन की इस चुनावी जंग में एनडीए के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को 452 वोट मिले, जबकि विपक्षी खेमे में क्रॉस वोटिंग की खबरें रहीं।

विपक्षी सांसद पूरी तरह मौजूद रहे और सभी 315 सांसदों ने वोट डाला।

लेकिन विपक्ष को केवल 300 वोट मिले। 15 वोट अमान्य हो गए और क्रॉस वोटिंग की चर्चा भी रही।

शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, कम से कम 15 विपक्षी सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की।

फिर भी विपक्ष के लिए अच्छी खबर यह रही कि उसे किसी भी उपराष्ट्रपति चुनाव में अब तक के सबसे ज्यादा वोट मिले, जबकि पिछले चुनाव में विपक्ष (मार्गरेट अल्वा) को सबसे कम और एनडीए (जगदीप धनखड़) को सबसे ज्यादा वोट मिले थे।

नवीन पटनायक की बीजेडी, तेलंगाना की बीआरएस और पंजाब के अकाली दल ने मतदान से दूरी बनाई। इस वजह से उन पर आरोप लगा कि वे भाजपा की 'बी टीम' हैं और पहले की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इन पार्टियों ने, पहले की भांति वोट न करने का निर्णय लेकर, भाजपा को मूक समर्थन दिया है।
- भाजपा के लिए भी चिन्ता का विषय है कि, कई पार्टियां एन. डी. ए. से दूर होती जा रही हैं, और जो भाजपा के साथ बनी हुई हैं, वे मन से साथ नहीं, किसी न किसी मजबूरी के कारण जुड़ी हुई हैं।
- चर्चा है कि, भाजपा और तेलुगुदेशम पार्टी के बीच सम्बंध ''ठीक'' नहीं है और कभी भी विस्फोट हो सकता है।
- विपक्ष, पर इस बात से खुश है, कि उसके उम्मीदवार को इस बार जितने वोट मिले,अब तक किसी उपराष्ट्रपति चुनाव में नहीं मिले। पिछले उपराष्ट्रपति चुनाव में उनकी उम्मीदवार मारग्रेट अल्वा, अब तक के सबसे कम वोट मिले, तथा एन. डी. ए. के उम्मीदवार धनखड़ को अब तक के अधिकतम वोट मिले थे।
- हालांकि, भाजपा ने अपने प्रत्याशी को जिता तो लिया, पर गत चुनाव की तुलना में उसके प्रत्याशी को मिले वोट कम हुए हैं।

ब्लूटूथ से नकल करने वाले को जमानत नहीं

जयपुर, 9 सितंबर। अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-1 महानगर द्वितीय ने राजस्व अधिकारी और अधिशाषी अधिकारी भर्ती-2022 परीक्षा में नकल करने वाले आरोपी ओमप्रकाश कस्वां को जमानत पर रिहा करने से इन्कार कर दिया है। पीठासीन अधिकारी बीएल चंदेल ने अपने आदेश में कहा कि परीक्षा के समय आरोपी ने ब्लूटूथ के जरिए नकल कर परीक्षा की दी थी। वर्तमान में ऐसे प्रकरण बढ़ ते जा रहे हैं और इससे मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। ऐसे में आरोपी को जमानत पर रिहा करना उचित नहीं है।

जमानत अर्जी में कहा गया कि उसे प्रकरण में झूठा फंसाया गया है। वह इस परीक्षा में परीक्षार्थी ही नहीं था और ना ही यह परीक्षा उसने पास की थी। इसके अलावा किसी अभियुक्त की सूचना मात्र के आधार पर प्रार्थी को घटना में लिप्त किया जाना उचित नहीं है। प्रकरण के कई आरोपियों को हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है, ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- ओमप्रकाश कस्वां पर राजस्व अधिकारी व अधिशासी अधिकारी भर्ती-2022 परीक्षा में नकल करने का आरोप है।

नेपाल में जन आक्रोश का विशेष लक्ष्य ''कम्युनिस्ट'' नेता हैं

प्र.मंत्री के. पी. शर्मा ओली, जो चीन के पिछलग्गू माने जाते हैं, को चोरी छिपे भागकर बचना पड़ा, और अंत में इस्तीफा देने के लिए मजबूर हुए

- अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 9 सितम्बर। श्रीलंका और बांग्लादेश की पुनरावृत्ति भारत के तीसरे पड़ोसी देश नेपाल में देखने को मिल रही है। नेपाल में बड़े पैमाने पर हुई हिंसा ने सरकार को उखाड़ फेंका है और स्थिति अब भयावह होती जा रही है।

नेपाल की स्थिति भारत के लिए विशेष रूप से चिंताजनक है, क्योंकि उत्तर में नेपाल की सीमा चीन से लगती है। कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्यों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया है। यदि स्थिति और बिगड़ती है, तो भारत को हस्तक्षेप के उपाय करने पड़ सकते हैं।

प्रधानमंत्री ओली, जिन्हें चीनी समर्थक माना जाता है, अब छिप गए हैं। यह भी खबर है कि कुछ प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय शक्तियाँ इन जनविद्रोहों के पीछे सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

यह विरोध सत्ता में बैठे और पूर्व राजनीतिक नेताओं के प्रति गुस्से और घृणा का तीव्र जनप्रदर्शन है। अब यह जनक्रोध सत्ता और अधिकार के हर प्रतीक को नष्ट करने में लगा है।

हालाँकि, यह आंदोलन नेताविहीन है और पूरी तरह से जनता का स्वत:स्फूर्त आक्रोश है। अभी यह पूर्ण रूप से अनिश्चित है कि इस वैकल्पिक सरकार का नेतृत्व कौन करेगा।

देश अब अराजकता की ओर बढ़ रहा है, और काठमांडू की सड़कों पर जो दृश्य सामने आ रहे हैं, वे पूर्ण अराजकता और कानून के अभाव को दर्शाते हैं।

एक पूर्व मंत्री की पत्नी को ज़िंदा जला दिया गया। नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता पुष्प कमल दहाल के घर को आग के हवाले कर दिया गया। प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को गुपचुप ढंग से देश छोड़कर भागना पड़ा। नेपाल के वित्त मंत्री को पकड़ कर सड़कों पर घसीटा गया। अन्य नेताओं को भी खदेड़ दिया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- पुष्प कमल दहल, जो कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं, का मकान जला दिया गया। नेपाल के वित्त मंत्री को पकड़ कर, सड़क पर मार-मार कर दौड़ाया गया।
- युवा पीढ़ी (जनरेशन ज़ैड), यह देखकर काफी कुंठित और आक्रोश में थी कि कैसे मुट्ठी भर परिवार व स्थापित राजनीतिज्ञ, स्विट्जरलैंड, इंग्लैंड और दुबई में गुलछर्रे उड़ा रहे हैं।
- हालांकि, लगता तो ऐसा है कि, यह विद्रोह नेतृत्व विहीन व दिशा विहीन है पर, इतने बड़े आंदोलन को हवा देने व पनपाने के पीछे विश्व की बड़ी-बड़ी ताकतें हैं।

एन. डी. ए. के प्रत्याशी सी पी राधाकृष्णन भारत के नए उपराष्ट्रपति निर्वाचित

राधाकृष्णन को 452 और विपक्ष के प्रत्याशी सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 9 सितम्बर। तीन दलों के बारह सांसदों ने उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान से दूरी बनाए रखी।

मंगलवार को उप-राष्ट्रपति पद के लिए मतदान चल रहा था, जिसमें सांसदों को एनडीए के सी.पी. राधाकृष्णन (महाराष्ट्र के राज्यपाल) और इंडिया ब्लॉक के जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी (सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश) के बीच चयन करना था।

ज्ञातव्य है कि तीन राजनीतिक दलों ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वे इस चुनाव का बहिष्कार करेंगे। यह चुनाव जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के कारण हुआ।

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अगुवाई वाली बीजू जनता दल (बीजेडी) ने घोषणा की कि उनके सांसद उप-राष्ट्रपति चुनाव में मतदान नहीं करेंगे।

पार्टी ने कहा कि यह निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए और कांग्रेस-नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक, दोनों से ''समान दूरी बनाए रखने'' की नीति के तहत लिया गया है। बीजेडी के पास राज्यसभा में सात सांसद हैं - निरंजन बिशी, सुलता देव, मुजीबुल्ला खान, सुभाशीष खुन्टिया, मानस रंजन मंगराज, सस्मित पात्रा, और देबाशीष सामंतराय। लोकसभा में पार्टी का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है।

तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- चर्चा रही कि 19 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की है। क्रॉस वोटिंग की चर्चा ने विपक्ष की एकजुटता के दावों की हवा निकाल दी
- बीजू जनता दल, बी आर एस और शिरोमणि अकाली दल के 12 सांसदों ने मतदान का बहिष्कार किया।
- बीजू जनता दल के पाले में 7, बी आर एस के चार और अकाली दल के खेमे में एक सांसद हैं।

एयर इंडिया व इंडिगो ने नेपाल की उड़ानें रद्द की

नयी दिल्ली, 09 सितंबर। नेपाल में बिगड़े हालात के मद्देनजर भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने काठमांडू के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं।

टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि एयरलाइंस ने दिल्ली और काठमांडू के बीच आज की अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि एयरलाइंस स्थिति पर नजर रखे हुये है और आगे अपडेट साझा किये जायेंगे। एयर इंडिया की दिल्ली से काठमांडू के लिए आज चार उड़ानें थीं, जिन्हें रद्द कर दिया गया। वापसी की उड़ानें भी रद्द कर दी गयी हैं।

किफायती विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में बताया कि उसने काठमांडू में मौजूदा स्थिति और वहां

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- काठमांडू की कानून व्यवस्था की स्थिति तथा हवाई अड्डा बंद किए जाने के कारण यह कदम उठाया गया।

नेपाल के प्र.मंत्री ने इस्तीफा दिया, सेना के हैलीकॉप्टर में भागे

नेपाल के मंत्रियों ने भी इस्तीफे दिए और कहा, सरकार के साथ खड़े रहना संभव नहीं

- जाल खंबात -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली 9 सितम्बर। नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली ने मंगलवार को घातक भ्रष्टाचार-विरोधी प्रदर्शनों के बीच इस्तीफा दे दिया है, क्योंकि देश की सड़कों पर अराजकता फैल गई थी।

सैकड़ों लोग प्रशासन में भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद (यानी शक्तिशाली पदों पर बैठे लोगों के बच्चों को अनुचित लाभ दिए जाने) के खिलाफ नारे लगाते हुए सड़कों पर उतर आए।

यह घटनाक्रम गत दो दिनों की हिंसक झड़पों के बाद सामने आया, जिनमें 19 लोग मारे गए। जैनरेशन ज़ी द्वारा शुरू किए गए इन प्रदर्शनों की शुरुआत सोशल मीडिया पर प्रतिबंध के विरोध से हुई थी, लेकिन बाद में इनका केंद्र भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोध और ओली के इस्तीफे की मांग बन गया। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी इमारतों के साथ ही प्रधानमंत्री ओली और राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के निजी आवासों को भी आग के हवाले कर दिया।

प्रधानमंत्री ओली के सहयोगी प्रकाश सिलवाल ने रॉयटर्स को बताया कि प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दे दिया है। ओली को एक सैन्य हेलीकॉप्टर से काठमांडू छोड़ते हुए देखा गया।

मंगलवार सुबह ओली ने सभी नेपाली राजनीतिक दलों की एक बैठक की अध्यक्षता की और कहा, ''हिंसा राष्ट्र के हित में नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''हमें शांतिपूर्ण संवाद के ज़रिए इस समस्या का समाधान सुनिश्चित करना होगा।''

आन्दोलनकारी प्रधानमंत्री ओली का इस्तीफा मांग रहे थे।

हालांकि, नेपाल में प्रधानमंत्री का इस्तीफा देने का मतलब यह नहीं है कि सरकार स्वत: गिर गई है। ओली नेपाल के कार्यकारी प्रमुख थे, लेकिन सरकार के प्रमुख राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल हैं। एन.टीवी को सूत्रों ने बताया कि अब देखना यह है कि राष्ट्रपति पौडेल भी इस्तीफा दें और सरकार पूरी तरह से गिर जाए।

फिलहाल, नेपाल सरकार का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है।

नेपाल के मंत्रियों ने यह कहते हुए इस्तीफा देने शुरू कर दिया कि- ''सरकार के साथ खड़ा रहना अब संभव नहीं।''

नेपाल के मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुङ ने मंगलवार को कहा था कि प्रधानमंत्री ओली इस्तीफा नहीं देंगे, हालांकि काठमांडू में लगातार दूसरे दिन बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे थे - पहले सोशल मीडिया ऐप्स पर प्रतिबंध और फिर भ्रष्टाचार के खिलाफ। इस बीच कुछ मंत्रियों ने कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया।

हालांकि बाद में दिन में ओली ने जनता के दबाव में आकर इस्तीफा दे दिया।

प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए सार्वजनिक सभा पर लगी रोक को नज़रअंदाज़ किया और सुबह से ही कालनकी इलाके में टायर जलाकर सड़कों को जाम कर दिया। उन्होंने नारे लगाए ''केपी चोर, देश छोड़'' ''भ्रष्ट नेताओं पर कार्रवाई करो''।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सोमवार को ही ओली की तरफ से कहा गया था वे इस्तीफा नहीं देंगे और सोशल मीडिया से बैन भी नहीं हटाएंगे, इसके बाद जनाक्रोश और भड़क गया। उग्र युवाओं ने राष्ट्रपति पौडेल और प्रधानमंत्री ओली के निजी आवासों में आग लगाई।
- कई मंत्रियों को पीटा गया, पूर्व मंत्रियों व नेताओं को भी जनता बख्श नहीं रही है।

मोदी के बाद राहुल भी पंजाब, हिमाचल का दौरा करेंगे

नयी दिल्ली, 09 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बाद अब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी बाढ़ ग्रस्त हिमाचल और पंजाब का दौरा करेंगे।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, गांधी की यात्रा का समय अभी निश्चित नहीं हुआ है, लेकिन वे इसी सप्ताह हिमाचल प्रदेश और पंजाब जाएंगे और वहां बाढ़ पीड़ितों से भी मुलाकात करेंगे।

सूत्रों ने बताया कि गांधी बाढ़ की स्थिति पर बराबर नजर रखे हुए हैं और उनका कहना है कि वे पीड़ितों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर खड़े हैं। उनका कहना था कि गांधी बाढ़ की स्थिति को लेकर बराबर हिमाचल सरकार के संपर्क में है। यह पूछने पर कि क्या गांधी बाढ़ पीड़ित उत्तराखंड भी जाएंगे। सूत्रों ने कहा कि इसकी अभी उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

- दौरे की तिथि अभी तय नहीं है, पर यह इसी सप्ताह होगा।

'धर्म परिवर्तन कराया तो 7 से 14 साल की जेल और 5 लाख रु. का जुर्माना देना होगा'

राजस्थान विधानसभा में धर्मान्तरण के विरोध में बेहद सख्त बिल पारित हुआ

जयपुर, 9 सितंबर । राजस्थान विधानसभा में मंगलवार को, जबरन, छलपूर्वक या प्रलोभन देकर कराए जाने वाले धर्म परिवर्तन को रोकने के उद्देश्य से लाया गया, राजस्थान विधिविरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक 2025, विपक्ष के विरोध और हंगामे के बीच पारित हो गया। सत्ता पक्ष को इस विधेयक को पारित कराने में निर्दलीय विधायकों का भी समर्थन मिला, जबकि कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने चर्चा से किनारा करते हुए सदन में शोर-शराबा किया और बाद में वॉकआउट कर दिया।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़ म ने विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए इसे समाज में समरसता बनाए रखने और खासकर कमजोर तबकों की सुरक्षा के लिए एक ''जरूरी और समयानुकूल कदम'' बताया। उन्होंने कहा कि यह कानून न केवल धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा करेगा, बल्कि उन सुनियोजित प्रयासों पर भी लगाम लगाएगा, जिनके माध्यम से वर्षों से गरीब, वंचित और अशिक्षित लोगों को डर, लालच, या झूठे वादों के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य किया जाता रहा है।

विधेयक में जबरन धर्म परिवर्तन के लिए दोषियों को 7 से 14 साल तक की सजा और 5 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं, यदि पीड़ित अल्पवयस्क, महिला, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या दिव्यांगजन है, तो सजा 10 से 20 साल और जुर्माना 10 लाख रुपये तक हो सकता है। सामूहिक धर्म परिवर्तन कराने पर दोषियों को आजीवन कारावास और कम से कम 25 लाख रुपये जुर्माना देना होगा।

इसके अलावा यदि कोई व्यक्ति विदेशी या अवैध संस्थाओं से धर्मांतरण के लिए धन प्राप्त करता है, तो उसे 10 से 20 साल की कठोर सजा और 20 लाख रुपये जुर्माना भुगतना होगा। विवाह, धमकी या अन्य छलपूर्ण साधनों से धर्म परिवर्तन कराने वालों के लिए भी आजीवन कारावास और 30 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। विधेयक के अनुसार, दोहराव करने वाले दोषियों को 50 लाख रुपये तक का जुर्माना और आजीवन कारावास की सजा दी जा सकती है।

धर्म परिवर्तन करने वाले व्यक्ति को धर्म बदलने से 90 दिन पहले जिला मजिस्ट्रेट को सूचित करना होगा। इसके उल्लंघन पर 7 से 10 साल की सजा और 3 लाख रुपये का जुर्माना लगेगा। वहीं धर्म परिवर्तन कराने वाले धर्माचार्य को दो महीने पहले जिला प्रशासन को सूचना देनी होगी, अन्यथा उन्हें 10 से 14 साल की सजा और कम से कम 5 लाख रुपये का जुर्माना भुगतना होगा।

विधेयक पर बहस के दौरान सत्ता पक्ष के विधायकों ने इसे सामाजिक संतुलन बनाए रखने वाला कदम बताया, जबकि विपक्ष ने आशंका जताई कि इसका दुरुपयोग कर अल्पसंख्यकों और कमजोर वर्गों को निशाना बनाया जा सकता है।

विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों में विदेशी ताकतें बड़े पैमाने पर धर्म परिवर्तन करवा रही हैं, जिसे रोकना आवश्यक है। विधायक थावरचंद ने आदिवासियों की पारंपरिक धार्मिक मान्यताओं की बात करते हुए कहा कि शिक्षा की कमी के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

विपक्ष के विधायक सुभाष गर्ग ने कहा कि यह विधेयक पुलिस को अनुचित शक्तियां देकर भ्रष्टाचार और दमन का उपकरण बन सकता है। उन्होंने इसे सामाजिक ध्रुवीकरण को बढ़ ावा देने वाला बताया।

विधेयक पर मतदान से पहले कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने सदन में हंगामा करते हुए कार्यवाही में व्यवधान डाला और बाद में चर्चा से दूर रहते हुए बहिर्गमन कर दिया। इस दौरान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विधेयक के अनुसार अल्पसंख्यक, दिव्यांग, महिला या अनुसूचित जाति व जनजाति का धर्मान्तरण कराने पर 10 से 20 साल की सजा और 10 लाख जुर्माना का प्रावधान है, सामूहिक धर्मान्तरण पर आजीवन कारावास और 25 लाख रु. के जुर्माना देना होगा।
- विपक्ष के भारी हंगामे के बीच भाजपा सरकार ने विधेयक पारित कर दिया।

पीटीआई महेन्द्र विश्नोई गिरफ्तार

जयपुर, 9 सितंबर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2022 में अपनी जगह डमी परीक्षार्थी बैठाकर अनुचित साधनों से सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले एक आरोपित पीटीआई को गिरफ्तार किया है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षा में अपनी जगह डमी परीक्षार्थी बैठाकर अनुचित साधनों से सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले एक आरोपी, महेन्द्र कुमार विश्नोई (26) निवासी कापरड़ा, जिला जोधपुर, वर्तमान में (पीटीआई) राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय चाडिया नाडी, हनुवंतनगर, शेरगढ़ जिला जोधपुर, को गिरफ्तार किया है।

- डमी परीक्षार्थी बैठा कर शारीरिक शिक्षक परीक्षा पास की थी।

विचार बिन्दु

जिसने स्वयं को समझ लिया हो, वह दूसरों को समझाने नहीं जायेगा। –धम्मपद

इतिहास का सच अब फिल्म बनाने वाले बताने लगे हैं!

एक कल सिनेमाघरों की जगह मल्टीप्लेक्स आ जाने तथा सिनेमा के डिजिटल हो जाने के साथ उसके बड़े परदे से सिमट कर स्मार्टफोन की स्क्रीन आ जाने और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म के प्रादुर्भाव से न केवल दर्शकों का सिनेमा देखने का अनुभव बदला है बल्कि फिल्मों का कलेवर भी बदल गया है। इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में फिल्मों का एक नया दौर शुरू हुआ है जिससे निःसंदेह भारतीय सिनेमा में फिल्मों के कथानक तथा उनके प्रस्तुतिकरण में भी विविधता आई है। ऐसे विषय जो कभी वर्जनाओं की श्रेणी में आते थे अब फिल्मों में आम हो चले है, वे चाहे यौन सम्बन्ध हों, नग्नता हो या हिंसा हो। पिछली सदी के हिन्दी सिनेमा के स्वर्णकाल की मासूमियत का स्थान वैचारिक बौद्धिकता ने ले लिया है। अब साइकोलॉजिकल थ्रिलर, बायोपिक, डार्क कॉमेडी, क्राइम ड्रामा, पैन-इंडियन ऐक्शन और नजदीकी समय के इतिहास का एक खास मकसद से प्रस्तुतिकरण चलन में है। कभी बुद्धिजीवियों को बड़ी शिकायत रहती थी कि भारत में राजनीतिक सिनेमा नहीं बनता। ऐसी बातें करने वाले लोग अधिकतर वाम पक्ष की ओर झुकाव रखने वाले होते थे। फिर धीरे-धीरे समांतर सिनेमा आया और उसके आगे की शृंखला में राजनीतिक सिनेमा का उद्भव हुआ। उनके एक तरह के नज़रिये वाली खूब फिल्में बनी। फिर देश में अचानक सत्ता की राजनीति में उलटफेर हो गया। भारत के मतदाताओं ने उन्हें चुन लिया जो वैचारिक धरातल पर प्रतिगामी माने जाते रहे थे। ध्रुवीकरण की राजनीति में जब वाम पक्ष के सामने वाला दूसरा ध्रुव अपनी जड़ें जमा गया है और अब उसके नजरिये वाला राजनीतिक सिनेमा ताल ठोक रहा है। साथ ही सिने माध्यम प्रचार का उद्यम बन गया है। प्रतिद्वंद्वी चुनावी राजनीति के मौजूदा दौर में सिने-निर्माता और निर्देशक समकालीन इतिहास की कहानी को एक खास नजरिए में पिरो कर प्रस्तुत करके जन भावनाओं को उभारने के व्यापार में लगे हैं। ऐसे ही एक निर्माता, निर्देशक और लेखक है विवेक रंजन अग्निहोत्री जिन्होंने देश के हाल के इतिहास की फ़ाइलें खोली है। 'द ताशकंद फाइल्स' और 'द कश्मीर फाइल्स' के बाद अग्निहोत्री अब अपनी तीसरी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' लेकर आए हैं। अपनी तीनों फिल्मों के बारे में उनका दावा है कि वे समकालीन इतिहास का नया सच सामने लेकर आए हैं। फिल्में बनाने वाले इतिहासकार नहीं होते हैं। वे मनोरंजन के सौदागर होते हैं। वे जो ऐतिहासिक घटनाओं की कहानियां कहते हैं वह उनका अपने नज़रिये से लिखी होती हैं। हालांकि दर्शक इतिहास सीखने के लिए फिल्में देखने नहीं जाता, लेकिन सिनेमा एक ऐसा माध्यम है जिसमें मासूम दर्शक भावना में बह कर सिनेकार के दिखाए गए चुनिंदा वर्सन को सम्पूर्ण इतिहास मान लेता है। फिल्मी कथानक में कल्पना और हकीकत के बीच आम-दर्शन फ़र्क नहीं करता। ध्रुवीकृत राजनीति के माहौल में ऐसी फिल्मों को केप्टिव दर्शक मिल जाते हैं। आज का बाज़ार भी ऐसी फिल्मों को बढ़ावा देता है।

समीक्षकों का कहना है कि 'द बंगाल फाइल्स' इतिहास की संपूर्ण तस्वीर पेश नहीं करती बल्कि एक विशेष दृष्टिकोण को तीखे अंदाज़ में प्रस्तुत करती है। इसलिए उसमें इतिहास की पूरी सच्चाई नहीं है। 'द बंगाल फाइल्स' में जिन घटनाओं को केंद्र में रखा गया है उनके बारे में यह बेतुका दावा किया गया है कि अब तक ये घटनाएं दबा दी गई थी। बंगाल में 1946 में मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व में मुस्लिम लीग के 'डायरेक्ट एक्शन' के आव्हान पर बंगाल में हुई हिंसा के सारे पहलू हमेशा ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहे हैं। उस दौर और उन घटनाओं पर समकालीन अखबारों में भरपूर कवरेज के अलावा अब तक सैकड़ों किताबें और असंख्य लेख ही नहीं लिखे जा चुके हैं बल्कि विश्वविद्यालयों में अकादमिक अध्ययन भी हो चुके हैं। यदि कोई यह कहता है कि ये जानकारियां छुपा के रखी गई थी, सच नहीं है। अग्निहोत्री अपनी फिल्मों में इतिहास की घटनाएं लेते हैं मगर उतना ही सच दिखाते हैं जो एक विशेष वैचारिक राजनीति के अनुकूल होता है। सिनेकार एक विशिष्ठ वर्ग की भावनाओं को उभार कर वहीं से अपना दर्शक वर्ग बनाना चाहता है। कोई सिनेकार यदि ऐतिहासिक घटनाक्रम को अपनी फिल्म के कथानक में पिरोता है तो यह उसका विशेषाधिकार होता है कि वह कितना कहे और कैसे कहे! मगर उससे यह अपेक्षा जरूर होती है कि वह ऐतिहासिक संदर्भों में हर-फेर नहीं करे। ऑडियोविजुअल की शक्ति का उपयोग राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक जगत में हमेशा किया जाता रहा है। एडॉल्फ हिटलर जैसे नेताओं ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फिल्मों को प्रचार उपकरण के रूप में सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया। रूसी क्रांति के बाद रूस में वामपंथी विचारधारा के अनुरूप समाज बनाने के लिए सिनेमा का उपयोग किया गया। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी परवान चढ़ती गई, राजनीतिक और आर्थिक ताकतों ने लोगों के दृष्टिकोण को बदलने और आकार देने में सिनेमा का उपयोग किया, चाहे वह अपने फायदे के लिए हो या लोगों के फायदे के लिए। पिछले दौर की जिन फिल्मों पर पालयनवादी होने की तोहमत लगाई जाती थी वे दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ, उन्हें शिक्षित भी करती थी। हालांकि अनेक फ़िल्मकारों ने वर्ग संघर्ष और समाजवाद से प्रेरित कहानियां अपनी फिल्मों में कही किन्तु वे आज जैसी राजनीतिक फिल्में नहीं थी। उनमें मानवीय मूल्यों की बात थी। वे भी दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती थीं। उन्हें दयालु बनाती थी। वे दूसरों की मदद करने और मानवता के लिए अच्छा करने के लिए प्रेरित करती थी। अब हर तरफ नफरत की आंधी है, हिंसा है। सिनेमा का जो दौर सुनहरा कहा जाता है उसमें कैसी भी फिल्म हो अंत में बुराई पर अच्छाई की जीत ही दिखाई जाती थी। फिल्में हिंसा के उन्माद से बचने की शिक्षा देती थीं; भावनाओं को जगाती थी; रुलाती और हंसाती थी तो साथ ही जीवन को जीने लायक बनाती थीं। सुनहरे दौर की फ़िल्में ज़्यादातर सामाजिक मुद्दों पर होती थीं- गरीबी, वर्ग-संघर्ष, गांव-शहर का टकराव, प्रेम, बलिदान, पारिवारिक रिश्ते आदि। उनका उद्देश्य होता था समाज को जोड़ना और आदर्श प्रस्तुत करना। मगर फाइल्स फ़िल्में इतिहास के विवादित और राजनीतिक प्रसंगों पर केंद्रित हैं – जैसे शास्त्रीजी की रहस्यमय मृत्यु (ताशकंद), कश्मीरी पंडितों का पलायन (कश्मीर), और बंगाल में नरसंहार (बंगाल)। इनका ढांचा अर्ध-डॉक्यूमेंट्री जैसा होता है। इंटरव्यू, वास्तविक घटनाओं के हवाले, डॉक्यूमेंटेशन, और तीखे संवाद – यानी भावनात्मक मेलोड्रामे पर जोर होता है। सुनहरे दौर में संगीत फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण होता था। गाने ही कहानी को आगे बढ़ाते थे। अब फाइल्स फ़िल्मों में संगीत लगभग नगण्य या बैकग्राउंड स्कोर तक सीमित है। इनमें संगीत नहीं बल्कि संवाद और दृश्य कथा का मुख्य आधार होते हैं। पहले सिनेमा एक तरह से मनोरंजन और नैतिक शिक्षा का माध्यम था। दर्शक थिएटर छोड़कर जाते तो उनके दिल में उम्मीद, संवेदना या आदर्श जगते थे। फाइल्स फ़िल्मों का उद्देश्य झकझोरना और एक विशेष दृष्टिकोण से सोचने पर मजबूर करना है। ये मनोरंजन की जगह आलोचना और ऐतिहासिक कलह को सामने रखती हैं। तब का सिनेमा राष्ट्र निर्माण की परियोजना से जुड़ा था। नेहरू युग की समाजवादी सोच का असर फिल्मों पर जरूर था मगर वह चुनावी राजनीति के उपयोग के लिए नहीं था। फाइल्स जैसी फिल्में समकालीन राजनीति और पहचान की बहस से पूरी तरह प्रभावित हैं। वर्तमान ध्रुवीकृत माहौल में इनकी स्वीकृति भी राजनीतिक दृष्टि से होती है। इस तरह 'द ताशकंद फाइल्स,' 'द कश्मीर फाइल्स' और 'द बंगाल फाइल्स' हिन्दी सिनेमा के भावुक, आदर्शवादी और गीत-संगीत प्रधान सुनहरे दौर से बिलकुल अलग हैं। ये सिनेमा को एक पॉलिटिकल थ्रिलर और ऐतिहासिक विमर्श का मंच बनाती हैं, जहां संवेदना से ज्यादा तथ्य, विचार और विवाद अहम हो जाते हैं।

> **एडॉल्फ हिटलर जैसे नेताओं ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान फिल्मों को प्रचार उपकरण के रूप में सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया। रूसी क्रांति के बाद रूस में वामपंथी विचारधारा के अनुरूप समाज बनाने के लिए सिनेमा का उपयोग किया गया। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी परवान चढ़ती गई, राजनीतिक और आर्थिक ताकतों ने लोगों के दृष्टिकोण को बदलने और आकार देने में सिनेमा का उपयोग किया, चाहे वह अपने फायदे के लिए हो या लोगों के फायदे के लिए।**

फ़िल्में संस्कृति का आईना होती हैं हर फ़िल्म एक ख़ास संस्कृति में सेट और विकसित होती है। मुश्किल तब होती है जब छिछली राजनीति संस्कृति को व्याख्यायित करने लगती है। यह बाज़ार को मुफीद होता है। फिल्मों का उपयोग समुदायों के बीच संवाद और मेल-मिलाप की जगह नफरत और संघर्ष की भावनाएं उभारने में होने लगता है। हमारी संस्कृति की विविधता के बावजूद फिल्मों ने देशवासियों को एकजुट रहने में मदद की लेकिन अब फिल्में अलग-थलग करने लगी हैं। फिल्में आधुनिक दुनिया को पिछली पीढ़ियों से जोड़ती हैं। इसका एक अच्छा उदाहरण वियतनाम युद्ध की फिल्में हैं जो बताती हैं कि उस समय क्या हुआ था और आज की पीढ़ी को युद्ध के नकारात्मक महत्व को समझने में मदद करती हैं। कई सामाजिक मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि अब फ़िल्में हिंसा और दूसरे लोगों की पीड़ा को स्वीकार्य बनाकर लोगों में सहानुभूतिपूर्ण भावनाओं को खत्म कर रही हैं। दर्शकों की उदासीनता बढ़ रही है। नई पीढ़ी के दर्शकों को परदे पर खूनी हिंसा देखने में आनंद आता हैं क्योंकि प्रचार माध्यमों ने उन्हें इसी प्रकार तैयार किया है। पीड़ित की मदद न करने या हिंसा को सही ठहराने की यह प्रवृत्ति मीडिया द्वारा सहानुभूतिपूर्ण भावनाओं को असंवेदनशील बनाने के परिणामस्वरूप बढ़ी है। हालांकि फ़िल्मी भावुकता दर्शक को भीतर से नहीं हिलाती। लोग हॉल से बाहर निकल कर वही हो रहते। 'मेरे देश की धरती सोना उगले' गाना ख़ूब गाया गया। उपकार फिल्म सुपरहिट हो गई। उसे ढेर सारे अवार्ड मिले। पर उस भारत के गौरव-गान में सिनेमाई भावोत्तेजना काम न आई। किसानों के प्रति नज़रिया आज तक नहीं बदल पाया है। न लोगों का, न राज का। मगर फाइल्स जैसी फिल्में समकालीन इतिहास का जो बोध कराती है उससे सोशल मीडिया के जरिए इन्फ़्लुएन्सरों द्वारा बनाया जा रहा भ्रम जरूर पुख्ता होता चला जाता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

बाबा रामदेवजी ने सदियों पहले छुआछूत व सांप्रदायिकता मिटाने पहल की थी

जुगल किशोर बिस्सा

शक्ति, भक्ति, आध्यात्मिकता और निस्वार्थ सेवा भाव की कर्मभूमि रामदेवरा में लोकदेवता बाबा रामदेवजी का ऐतिहासिक मेला श्रद्धा और उत्साह के साथ आरंभ हुआ। यह मेला प्रतिवर्ष दो बार आयोजित होता है और केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।

करीब 600 वर्ष पूर्व बाबा रामदेवजी ने समाज से छुआछूत और सांप्रदायिकता जैसी कुरीतियों को मिटाने के लिए आंदोलन चलाया था। उन्होंने समानता, भाईचारा और एकजुटता का संदेश देकर समाज को नई दिशा दी। इसी कारण उन्हें जनसमस्या निवारक और अमरपुरुष के रूप में पूजा जाता है। हर वर्ष बाबा की सुदी दूज के अवसर पर समाधि पर गंगाजल व दुग्धाभिषेक किया जाता है और बाबा को स्वर्ण मुकुट अर्पित किया जाता है। सैकड़ों वर्षों से अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित है, जो सामाजिक समरसता और सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक बनी हुई है। इस बार भी लाखों श्रद्धालु दूर-दराज़ से रामदेवरा पहुंचे, वहीं देशभर के बाबा रामदेव मंदिरों में भी विशेष आयोजन किए जा रहे हैं। बाबा रामदेवजी को सनातन धर्म में भगवान श्रीकृष्ण का अवतार द्वारकाधीश और मुस्लिम समाज में पीरों के पीर रामापीर के रूप में मान्यता प्राप्त है। उन्हें निर्धन का धन, कोड़ियों को काया देने वाले, अंधों को आंखें देने वाले, निःसंतान को संतान देने वाले जैसी उपाधियों से सम्मानित किया गया है।

मंदिर परिसर और श्मशान भूमि का महत्व :–रामदेवरा का मंदिर परिसर मूलतः श्मशान भूमि क्षेत्र है, जहाँ स्वयं बाबा रामदेवजी ने समाधि ली थी। धार्मिक मान्यता है कि श्मशान भूमि में समाधि स्थल होना विशेष संदेश देता है, जीवन और मृत्यु के बीच समानता व अस्थिरता का बोध, जात-पांत और भेदभाव से परे होकर सबका एक ही धरती में विलीन होना, सांसारिक मोह-माया से परे निष्काम सेवा और परोपकार का महत्व। इसी कारण समाधि स्थल को मोक्ष और मुक्ति का प्रतीक माना जाता है, जहाँ हर धर्म, हर जाति और हर वर्ग का व्यक्ति बिना भेदभाव के दर्शन करने आता है। मेले के दौरान रामदेवरा में भजन संध्या, कथावाचन, लोकगीत-लोकनृत्य और भजन प्रतियोगिताएँ आयोजित की जा रही हैं। राजस्थान की लोक संस्कृति से जुड़े मांगणियार और लंगा कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर रहे हैं। इसके अलावा झांकी प्रदर्शन, रामापीर की शोभायात्रा और ध्वजा यात्रा मेले के प्रमुख आकर्षण हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए। समाधि परिसर में सीसीटीवी कैमरे और बैरिकेडिंग लगाई गई। पुलिस, होमगार्ड और स्वयंसेवकों की विशेष ड्यूटी लगाई गई। अस्थायी बस स्टैंड, पार्किंग स्थल और पेयजल स्टॉल की व्यवस्था की गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मोबाइल डिस्पेंसरी और प्राथमिक उपचार केंद्र स्थापित किए गए हैं। पंचायत समिति और स्वच्छ भारत मिशन की टीमें सफाई और स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित कर रही हैं।

बाबा रामदेवजी की समाधि और मेले की धार्मिक परंपराओं का संचालन परंपरागत रूप से गादीपति परिवार करता है। समाधि पर दुग्धाभिषेक, स्वर्ण मुकुट चढ़ाना, आरती और पूजा-अर्चना की मुख्य जिम्मेदारी गादीपति निभाते हैं। मेला अवधि में देशभर से आने वाले संत-महात्माओं, जनप्रतिनिधियों और श्रद्धालुओं का स्वागत भी गादीपति परिवार की देखरेख में किया जाता है। समाधि की धार्मिक अनुशासन और परंपराओं की निरंतरता बनाए रखना उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। गादीपति परिवार ही समाधि की ओर से धार्मिक कार्यक्रमों की अगुवाई और आशीर्वचन प्रदान करता है।

रामदेवरा में मौजूद बाबा की समाधि।

जुगल किशोर बिस्सा
वरिष्ठ पत्रकार

पाली कलैक्टर कार्यालय में यूज एंड थ्रो प्लास्टिक नहीं

पाली,(नि.सं.)। जिला कलैक्टर एलएन मंत्री की पहल पर जिला कलैक्टर कार्यालय में एक अभिनव पहल प्रारंभ की गयी है, जिसमें रामसेतु की गिलहरी कार्यक्रम के तहत जिला कलैक्टर कार्यालय में अब प्रथम तौर पर स्वैच्छिक रूप से 51 दिन तक यूज एंड थ्रो प्लास्टिक जिसमें यूज एंड थ्रो पैन, प्लास्टिक बोतल और डिस्पोजल का प्रयोग अब जिला कलैक्टर मंत्री के मार्गदर्शन में जिला कलैक्टर कार्यालय में नहीं होगा जिसके लिये सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने इसका त्याग का संकल्प लिया है।

इस प्रकार पाली जिला कलैक्टर कार्यालय संभवतः देश का पहला कार्यालय बन गया है जो यूज एंड थ्रो को ही थ्रो कर रहा है।

जिला कलैक्टर एलएन मंत्री के अनुसार त्रेतायुग में रामसेतु निर्माण के समय एक नन्ही गिलहरी ने अपने प्रयास से श्रीराम का ध्यान आकृष्ट किया तथा सभी को एक अमर संदेश दिया कि कितना ही मुश्किल कार्य हो पर हमें अपने सामर्थ्य के अनुसार अपना योगदान अवश्य देना चाहिए। आज यूज एंड थ्रो अपसंस्कृति अत्यधिक विकराल रूप धारण कर रही है समय रहते नहीं सम्भले तो समय बहुत विकट होगा आज हम सबको नहीं सुधार सकते लेकिन आत्म संयम द्वारा रामसेतु की गिलहरी के समान छोटे छोटे प्रयत्न कर अपना योगदान दे सकते है।

उन्होंने बताया कि कोई नागरिक/लोकसेवक/संस्था स्वेच्छापूर्वक इस मुहिम में शामिल होकर स्वयं तथा अपने कार्यस्थल को यूज एंड थ्रो रूपी वस्तुओं एवं विचार को 51 दिन, एक वर्ष अथवा आजीवन अवधि का संकल्प लेकर प्रकृति संरक्षण की दिशा में अपना योगदान दे सकता है। जिला कलैक्टर ने कहा कि पहले ये प्रथम तौर पर जिला कलैक्टर कार्यालय में इसका स्वैच्छिक रूप से ट्रायल किया जा रहा है तत्पश्चात अन्य कार्यालयों में भी इसे प्रारंभ किया जा सकता है। इसमें शीघ्र ही जिला प्रशासन द्वारा एक ई संकल्प पत्र भरवाया जाएगा इसमें उसको सिर्फ तीन कार्य करने है।

जीवन संकट को छोड़कर प्लास्टिक की बोतल (यूज एंड थ्रो) का प्रयोग नहीं करना है। उन्होंने इसके लिये अधिकारियों व कर्मचारियों की टीम बनाकर इसमें आगे बढ़ने के लिये कहा है। साथ ही इसमें तीन अवधि में से किसी एक अवधि का चयन कर ई-संकल्प पत्र सबमिट करेगा तो उसको यह ई सर्टिफिकेट जनरेटर होकर मिलेगा। जिसमें एक तरफ उसका फोटो भी होगा।

इसके लिये आज जिला कलैक्टर कार्यालय में जिला कलैक्टर मंत्री ने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से चर्चा की इस अवसर पर एडीएम डॉ बजरंग सिंह, एडीएम अश्विनी के पंवार, प्रशिक्षु आईएएस बिरजू गोपाल, सीईओ मुकेश चौधरी , आदि सभी अधिकारी व कार्मिक मौजूद रहे।

सुनार से ठगी का आरोपी बीकानेर से पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। सोशल मीडिया के जरिए जोधपुर के सुनार से संपर्क कर पीले धातु को असली सोना बताकर ठगी कर ली गई। खुद का नाम पता भी गलत बताया। जोधपुर के सुनार से बदले में 42 ग्राम असली सोने की 15 रखड़ियां ले गया। स्थानीय सुनार ने जब उसके दिए गए धातु को चेक करवाया तो वह नकली सोना निकला। इस पर पीड़ित महामंदिर थाने पहुंचा तथा रिपोर्ट दी गई। मामला सामने आते ही पुलिस हरकत में आई और आरोपी को बीकानेर से पकड़ लिया गया।

महामंदिर थाने के हैडकांस्टेबल शोभाराम ने बताया कि कायस्थों का मोहल्ला, रामदेव चौक, नवचौकियां निवासी नवीन सोनी पुत्र टीकमदास सोनी ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर एक व्यक्ति से संपर्क हुआ था। सामने वाले व्यक्ति ने खुद को योगेश उर्फ मोहित होना बताया। खुद के पास में सोने की बिस्किट होना बता कर बदले में सोने के जेवरात चाहे थे। उसने खुद के पास 42 ग्राम सोने की ईंट होना बताया। इस पर बाद में दोनों के बीच वार्तालाप होने पर आभूषण अर्जेंट में चाहिए होना कहा था। तब 22 अगस्त को योगेश उर्फ मोहित बने व्यक्ति ने खुद को अहमदाबाद से जोधपुर आना बताया और जल्दी से आभूषण देने की बात की थी। तब रात के समय में नवीन सोनी उससे पावटा स्थित सनसिटी अस्पताल के पास में मिला। उससे 42 ग्राम सोने की ईंट दी और बदले में इतने ही ग्राम की 15 सोने की रखड़ी ले ली। फिर वहां से चला गया।

नवीन सोनी ने जब ईंट को चैक करवाया तो पता लगा कि यह नकली थी। इस पर महामंदिर थाने में मामला दर्ज करवाया। हैड कांस्टेबल शोभाराम ने बताया कि धोखाधड़ी सामने आने पर आरोपी की तलाश आरंभ करते हुए उसे बीकानेर से दस्तयाब कर पकड़ा गया है। आरोपी मूल रूप से चूरू जिले के वार्ड नंबर 6 सुनारों की गली निवासी गौरव पुत्र रतनलाल सोनी है। उसे पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है।

आरंभिक पड़ताल में सामने आया कि धातु पर सोने का जोळ चढ़ाया हुआ था। उसने बताया कि पुलिस पूछताछ में बताया कि वह जोळ चढ़ा सोना किसी अन्य से लेकर आया था, मगर उसके बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे रहा है। उससे अब सोने की रखड़ियां बरामदगी के प्रयास जारी है।

आरोपी को यह जोळ चढ़ा धातु बेचना था, तब उसने सोशल मीडिया पर इंस्टाग्राम पर नंबर तलाशे और नवीन सोनी से संपर्क किया था।

अच्छाई को स्वर देना सीखो : सुमति मुनि

जोधपुर, (कासं)। चौरड़िया भवन में चातुर्मास प्रवास पर विराजित सुमति मुनि ने मंगलवार को अपने नित्य प्रवचन मे कहा कि अच्छाई को स्वर देना सीखो। अच्छे व्यक्ति की अच्छी बात करनी चाहिये। गुणों का अर्जन कर अगले भव में साथ ले जा सकते है,लेकिन वस्तु, धन आपके साथ नहीं जा सकते हैं। हम सुबह से शाम तक घन, परिठाह बढ़ाकर पाप कर रहे है। ऐसे पाप कर्म से खुद को बचा कर नेकी की राह पर चलना चाहिए।

मुनि ने कहा कि अच्छे व्यक्तियो में कमी- कमजोरी होना संभव है, मगर हमें इसका ढिंढोरा नहीं पीटना चाहिए। बुरे व्यक्ति की अच्छाई को जानकर उसका तिरस्कार नहीं करें। क्यों कि बुरे व्यक्ति में भी कोई अच्छाई हो सकती है। लेकिन उसकी प्रशंसा हर एक के सामने नहीं करे, प्रशंसा को पचाना उत्तम पुरुषार्थ है। मुनिश्री ने कहा कि आप एक नियमित आदत डाले कि आपके परिवार के सभी सदस्यों के गुणों की खोज करो, परिजन हमारी गलती बताकर हमारे ऊपर उपकार कर रहे है, उनको धन्यवाद दे। रेलगाड़ी में तरह तरह के डिब्बे होते है, मुसाफिर की यात्रा आरामदायक हो उसके लिए समय पूर्व आरक्षण कराना होता है, बिना आरक्षण यात्रा तकलीफ दायक होते है। हालांकि रेल अपने गंतव्य स्थान पर पहुंचती है लेकिन कोई कष्ट से तो कोई आराम से यात्रा करता है। मोक्ष हमारा गंतव्य स्थान है, इसके लिए हमे अभी से तैयारी करनी है।

साध्वी श्री ने इससे पूर्व अपने प्रवचन में कहा धर्म प्रवृत्ति करने में कोई संकोच नहीं करना चाहिए। पापी व्यक्ति के पाप से प्रभावित होकर धर्म कार्य छोड़ना मूढ़ता है। पुण्य की मंद भाव से करने पर उस उदय भी मंद भाव से होगा। अपने पुराने वस्त्र गरीब को देने से मंद भाव से मंद पुण्य बंधन होगा। दान का ढींढारा कभी नहीं पीटना चाहिए। अच्छे भावो से दान देकर उसका हर जगह ढींढोरा पीटते है तो तीव्र पुण्य का फल नहीं मिलता और आपको जो सफलता मिलनी चाहिये को नहीं मिलेगी।

परिवार में खाना खिलाते वक्त यह भाव आना चाहिये कि यह खाना मै श्रावक, व्रतधारी, तपस्वी को अहो भाव से खिला रही हूं। अहो भाव से परोसने पर तीव्र पुण्य बंधता है । आप गुणों का पोषण करें। कभी भी किसी का विश्वास, रिश्ता, वचन एवं दिल तोड़ने वाले कार्य नहीं करे। इनके टूटने से आवाज तो नहीं होती परन्तु दर्द अवश्य होता हे। संघ अध्यक्ष देवराज बोहरा ने बताया कि गजराज के 18 व मंजू गोगड़ ने 22की तपस्या धारण की। संचालन राजेन्द्र लुणिया ने किया।

वैदिक गणित कार्यशाला हुई

जोधपुर (कासं)। विधायक-शिक्षा का साथी योजनान्तर्गत मंगलवार का राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय, खाण्डा फलसा जोधपुर में वैदिक गणित कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला को शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के वैदिक गणित विषय के प्रान्त संयोजक व महात्मा गाँधी राजकीय विद्यालय पूंजला में कार्यरत अध्यापक गुलशन कुमार मदान ने सम्बोधित किया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को वैदिक गणित की सहायता से बड़ी बड़ी गणना को न्यूनतम समय में हल करना बताया व श्रीनिवास रामानुजन जी के जादुई वर्गों का अभ्यास करवाया। बालिकाओं में गणित के भय को मिटाकर गणित के जिज्ञासा उत्पन्न करने वाली विधियों से बिना किसी सहायता से ही मौखिक तीव्र गणनाओं की विधियों का आरंभिक अभ्यास कराया गया। जिसमें बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यशाला का संचालन योजना के विभागीय समन्वयक अनिल दाधीच ने भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व के बारे में छात्राओं को बताया और अपने भीतर छुपी प्रतिभाओं को पहचानने और अपने गुणों की वृद्धि करने का आव्हान किया। शिक्षकों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। फोलो-अप कार्यक्रम के तहत इस श्रृंखला में नियमित रूप से वैदिक गणित का अभ्यास करवाया जाएगा।

निरीक्षण किया

पाली, (नि.सं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) विक्रम सिंह भाटी ने रिद्धी सिद्धी सेवा संस्थान द्वारा संचालित मानसिक विमंदित पुनर्वास गृह, रामासिया का विजिट कर आवश्यक निर्देश दिए।

सचिव भाटी ने आश्रम में भोजन-पेयजल व्यवस्था, चिकित्सा व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, पुनर्वास करने की प्रक्रिया इत्यादि के संबंध में जानकारी ली। विजिट के दौरान रसोई की सफाई, कमरों की सफाई, स्नानघर एवं शौचालयों की साफ-सफाई, मौसम के अनुकूल व्यवस्था उचित पाई गई। पुनर्वास गृह में बालकों को संतुलित पौष्टिक आहार उपलब्ध करवाया जाता है। अध्यक्ष भैराराम ने बताया कि पुनर्वास गृह में मन्दबुद्धि बच्चों के आवास, भोजन, शिक्षण एवं योगा की निःशुल्क सुविधा उपलब्ध हैं। सचिव भाटी ने पुनर्वास गृह से मानसिक विमंदित बच्चों के पुनर्वास के संबंध में भी जानकारी ली। साथ ही पुनर्वास गृह में मिलने वाली सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं तक बालकों की पहुंच सुगम रखने, समय-समय पर बालकों की चिकित्सकीय जांच करवाने तथा बच्चों के रूचि अनुरूप गतिविधियां करवाने के निर्देश दिए गए। इस दौरान पुनर्वास गृह अध्यक्ष भैराराम, प्रबंधक निकी सागर, जीवनराम, दरिया देवी आदि उपस्थित रहे।

कब्रिस्तान मार्ग पर पानी भरा

जालोर, (नि.सं.)। जालोर शहर स्थित शाही ईदगाह मस्जिद और सिलावट समाज कब्रिस्तान जाने वाला रास्ता पानी भराव हटाने एवं रास्ता सही करने को लेकर मंगलवार को ऑल राजस्थान मुस्लिम सिलावट वेलफेयर संस्थान जालौर की ओर से नगर परिषद जालोर के आयुक्त के प्रतिनिधि राजस्व अधिकारी श्रवण कुमार जाट को ज्ञापन सौंपा गया। संस्थान के जिलाध्यक्ष शहजाद खान ने बताया कि विगत 15 – 20 दिन से गीटको होटल से ईदगाह जाने वाला रास्ता पानी भराव एवं सड़क टूटने के कारण बंद हो गया है। जिससे वहां जाने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसको लेकर नगर परिषद आयुक्त प्रतिनिधि को ज्ञापन सौंप कर पानी भराव सही करवाने एवं रास्ता सही करने की मांग की गई।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 10 सितम्बर, 2025

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, रेवती नक्षत्र सायं 4:03 तक, वृद्धि योग रात्रि 8:31 तक, विष्टि करण दिन 3:38 तक, चन्द्रमा आज सायं 4:03 से मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मीन, मंगल-कन्या, बुध-सिंह, गुरू-मिथुन, शुक्र-कर्क, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज भद्रा दिन 3:38 तक है। आज तृतीय और चतुर्थी का श्राद्ध है। आज चतुर्थी व्रत है। आज पंचक सायं 4:03 पर समाप्त होंगे। आज ईद-ए-मौलाद है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:19 तक, शुभ 10:51 से 12:24 तक, चर 3:29 से 5:02 तक, लाभ 5:02 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:14, सूर्यास्त 6:34

मेष – घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा। दिन मध्यान्ह पश्चात मानसिक तनाव से राहत मिल सकती है।

वृष – आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन – व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कर्क – नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह – चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

कन्या – परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

तुला – विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक – व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

धनु – घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मकर – परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

कुंभ – व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन – मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे

रजिस्ट्री सं. डी. एल.–33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.–आर.जे.–अ.–02092025–265880
CG-RJ-E-02092025-265880
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग II - खण्ड 3–उप–खण्ड (ii)
PART II-Section 3-Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 3826] नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 27, 2025/भाद्र 5, 1947
No. 3826] NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 27, 2025/BHADRA 5, 1947

रेल मंत्रालय
(उत्तर पश्चिम रेलवे) (निर्माण संगठन)]

अधिसूचना

जयपुर, 27 अगस्त, 2025

का.आ. 3931(अ).–केन्द्रीय सरकार, रेलवे अधिनियम (संशोधन) 2008 (2008 का 11वां) (जिसे इसमें इसके पश्चयात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 20 (क) की उप धारा (1) के अधीन जारी, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप) खण्ड–ii), दिनांक 11 जून 2025 में प्रकाशित भारत सरकार के रेल मंत्रालय (उत्तर पश्चिम रेलवे निर्माण विभाग) की अधिनियम संख्या का आ. 2558 (अ) दिनांक 04 जून 2025 (जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिसूचना कहा गया है), द्वारा उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि को, राजस्थान राज्य में लुणी – समदड़ी–भीलड़ी रेलवे लाईन के दोहरीकरण परियोजना (विशेष रेल परियोजना) के निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबन्धन और परिचालन के लिए अपेक्षित है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की गई थी;

और, उक्त अधिसूचना का सार अधिनियम की धारा 20 अ की उपधारा (4) के अधीन दैनिक समाचार पत्रों, अर्थात ष्राजस्थान पत्रिकाष और ष्राष्ट्रदूतष में तारीख 15 जून 2025 को प्रकाशित किया गया था;

और, सक्षम प्राधिकारी को इस परियोजना में तय समय में कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुए और सक्षम अधिकारी द्वारा तदनुसार आदेश पारित कर दिए गए ;

और, उक्त अधिनियम की धरा सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 20ड़ की उप–धारा (20) ड. की उप–धारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने अपनी रिपोर्ट कें द्रीय सरकार को सौंप दी है;

अतः, अब, केंद्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी से उक्त रिपोर्ट के प्राप्त होने पर और उक्त अधिनियम की धारा 20ई की उप– धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है की इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए अर्जित की जाएगी;

और यह की, केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 20ई की उपधारा (2) के अनुसरण में यह और घोषणा करती है की इस अधिनियम के राजपत्र में प्रकाशित होने पर इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर केंद्रीय सरकार में आत्यंतिक रूप से निहित हो जाएगी।

अनुसूची

राजस्थान राज्य के जोधपुर मण्डल में लूणी – समदड़ी–भीलडी दोहरीकरण परियोजना (विशेष रेल परियोजना) के लिए जालौर जिले के भीनमाल तहसील में आने वाली अवसंरचना सहित या रहित भूमि का संक्षिप्त विवरणः–

जिले का नाम – जालौर **तहसील का नाम – भीनमाल**

क्र. सं.	गाँव का नाम	खसरा नम्बर	भूमि की प्रकृति	भूमि का प्रकार	कुल रकबा (हेक्टेयर में)	अवाप्त रकबा (वर्ग मी. में)	अवाप्त रकबा हेक्टेयर में)	भूमि मालिक का विवरण	संरचनाओ का विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	खेड़ाबोरटा	47	बारानी प्रथम	निजी	1.1300	102.00	0.0102	1. आंबूदेवी पत्नि हटा हिस्सा– 1/4 जाति– रेबारी सा. देह खातेदार 2. भूरा पुत्र फता हिस्सा– 1/2 जाति– रेबारी सा. देह खातेदार 3. वीराराम पुत्र हटा हिस्सा– 1/4 जाति – रेबारी सा. देह खातेदार	
2	खेड़ाबोरटा	46	बारानी प्रथम	निजी	0.9200	96.00	0.0096	1. आंबूदेवी पत्नि हटा हिस्सा– 1/4 जाति– रेबारी सा. देह खातेदार 2. भूरा पुत्र फता हिस्सा – 1/2 जाति– रेबारी सा. देह खातेदार 3. वीराराम पुत्र हटा हिस्सा– 1/4 जाति – रेबारी सा. देह खातेदार	
3	खेड़ाबोरटा	45	बारानी प्रथम	निजी	0.1200	168.00	0.0168	1. तखतसिंह पुत्र अमरसिंह हिस्सा– 1/2 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 2.देवीसिंह पुत्र अमर सिंह हिस्सा– 1/2 जाति राजपुत सा. देह खातेदार	
4	खेड़ाबोरटा	44	बारानी प्रथम	निजी	0.9300	553.00	0.0553	1. ढपीदेवी पत्नि वचनाराम हिस्सा– 1/2 जाति– रेबारी सा. भीमपुरा खातेदार 2. सुकीदेवी पत्नि जामताराम हिस्सा– 1/2 जाति– रेबारी सा. भीमपुरा खातेदार	
5	खेड़ाबोरटा	43	बारानी प्रथम	निजी	0.1500	90.00	0.0090	1. ढपीदेवी पत्नि वचनाराम हिस्सा– 1/2 जाति– रेबारी सा. भीमपुरा खातेदार 2. सुकीदेवी पत्नि जामताराम हिस्सा– 1/2 जाति– रेबारी सा. भीमपुरा खातेदार	
6	खेड़ाबोरटा	471	बारानी दोयम	निजी	0.6400	500.00	0.0500	1. खेकीदेवी पत्नि परकाराम हिस्सा– 1/10 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 2. गोतमराम पुत्र परकाराम हिस्सा– 1/10 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 3. फाऊडाराम पुत्र मेगाराम हिस्सा– 1/2 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 4. रायमलराम पुत्र परकाराम हिस्सा– 1/10 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 5. श्रवणराम पुत्र परकाराम हिस्सा – 1/10 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 6. सुराराम पुत्र परकाराम हिस्सा– 1/10 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार	
7	खेड़ाबोरटा	472	बारानी दोयम	निजी	0.6900	527.00	0.0527	1. इन्द्राराम पुत्र तुलछाराम हिस्सा– 1/2 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार हिस्सा–1/2 (पूर्ण खाता) राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक शाखा मोदरान 2. घेवरचन्द पुत्र चौपाराम हिस्सा – 1/10 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 3. छगनाराम पुत्र चौपाराम हिस्सा– 1/10 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 4. नाबालिग दिनेशकुमार पुत्र चौपाराम सरंक्षक संरक्षक माता हंजादेवी हिस्सा – 1/10 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 5. लखमाराम पुत्र चौपाराम हिस्सा – 1/10 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 6. हंजादेवी पत्नि चौपाराम हिस्सा– 1/10 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार	
8	खेड़ाबोरटा	476	बारानी दोयम	निजी	0.7100	1610.00	0.1610	1. डूंगरसिंह पुत्र रामसिह हिस्सा– 1/5 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 2. पर्बतसिह पुत्र रामसिह हिस्सा– 1/5 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 3. भवरसिह पुत्र रामसिह हिस्सा– 1/5 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 4. मगनसिह पुत्र रामसिह हिस्सा– 1/5 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 5. मेहरसिह पुत्र रामसिह हिस्सा– 1/5 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार	
9	खेड़ाबोरटा	477	बारानी दोयम	निजी	0.7500	1162.00	0.1162	1. डूंगरसिह पुत्र रामसिह हिस्सा– 1/5 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 2. पर्बतसिह पुत्र रामसिह हिस्सा– 1/5 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 3. भवरसिह पुत्र रामसिह हिस्सा– 1/5 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 4. मगनसिह पुत्र रामसिह हिस्सा – 1/5 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 5. मेहरसिह पुत्र रामसिह हिस्सा– 1/5 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार	
10	खेड़ाबोरटा	473	गै.मु. नाला	सरकारी	0.2500	147.00	0.0147	राज. सरकार	
11	खेड़ाबोरटा	474	गै.मु. नाला	सरकारी	0.4400	624.00	0.0624	राज. सरकार	
12	खेड़ाबोरटा	475	गै.मु. नाला	सरकारी	0.1000	142.00	0.0142	राज. सरकार	
13	खेड़ाबोरटा	457	बारानी दोयम	निजी	1.9200	455.00	0.0455	1. मांगाराम पुत्र लाखाराम हिस्सा – पूर्ण जाति – भील सा. देह खातेदार	
14	खेड़ाबोरटा	463	बारानी दोयम	निजी	0.9600	570.00	0.0570	1. अणसी पुत्री मानाराम हिस्सा – 1/9 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 2. गोमाराम पुत्र होतीराम उर्फ सामतीराम हिस्सा– 1/18 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 3. जुठाराम पुत्र होतीराम उर्फ सामतीराम हिस्सा– 1 /18 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 4. जितेन्द्रकुमार पुत्र कुईयाराम हिस्सा– 1/27 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 5. देशाराम पुत्र टीकमा हिस्सा – 1/9 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 6. निरमाकुमारी पुत्री कुईयाराम हिस्सा– 1/27 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 7. पंखु पुत्री होतीराम उर्फ सामतीराम हिस्सा – 1/18 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 8. मुंगी पुत्री होतीराम उर्फ सामतीराम हिस्सा – 1/18 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 9. लाखाराम पुत्र होतीराम उर्फ सामतीराम हिस्सा – 1/18 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 10. वरजु पुत्री मानाराम हिस्सा– 1/9 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 11. वेलाराम पुत्र टीकमा हिस्सा – 1/9 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 12. सती पुत्री होतीराम उर्फ सामतीराम हिस्सा – 1/18 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 13. हेमाराम पुत्र टीकमा हिस्सा – 1/9 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 14. हरसनराम पुत्र कुईयाराम हिस्सा– 1/27 जाति – मेघवाल सा. देह खातेदार	
15	खेड़ाबोरटा	465	बारानी दोयम	निजी	1.3300	1116.00	0.1116	1. कमला पुत्री वरधाराम हिस्सा– 2/81 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 2. कांतिलाल पुत्र जोधाराम हिस्सा – 2/81 जाति – मेघवाल सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–2/81 (पूर्ण खाता) एक्सिस बैंक शाखा भीनमाल 3. गेपाराम पुत्र जगा हिस्सा– 10/81 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 4. गोपाराम पुत्र कलाराम हिस्सा – 10 /243 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 5. चुनीदेवी पनि वरधाराम हिस्सा– 2/81 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 6. तेजाराम पुत्र जगा हिस्सा–10/81 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 7. तलसी पुत्री जगा हिस्सा– 1/81 जाति – मेगवंशी सा. देह खातेदार 8. दाडमाराम चौहान पुत्र जोधाराम हिस्सा – 2/81 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–2/81 (पूर्ण खाता) एक्सिस बैंक शाखा भीनमाल 9. पारू पुत्री वरधाराम हिस्सा– 2/81 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 10. पीपाराम पुत्र जगा हिस्सा – 10 / 81 जाति – मेगवंशी सा. देह खातेदार 11. पोलाराम पुत्र जोधाराम हिस्सा – 2/81 जाति – मेघवाल सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–2/81 (पूर्ण खाता) एक्सिस बैंक शाखा भीनमाल 12. मतरादेवी पत्नि कलाराम हिस्सा– 10/243 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 13. मससराम पुत्र जगा हिस्सा – 10 / 81 जाति – मेगवंशी सा. देह खातेदार 14. मोमताराम पुत्र वरधाराम हिस्सा – 2/81 जाति – मेघवाल सा. देह खातेदार 15. रंगू देवी पत्नि स्व. पिता जोधाराम हिस्सा – 2/81 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–2/81 (पूर्ण खाता) एक्सिस बैंक शाखा भीनमाल 16. रताराम पुत्र जगा हिस्सा– 10/81 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 17. रमेशकुमार पुत्र कलाराम हिस्सा – 10 /243 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 18. लक्ष्मीदेवी पुत्री जोधाराम हिस्सा – 2/81 जाति – मेघवाल सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–2/81 (पूर्ण खाता) एक्सिस बैंक शाखा भीनमाल 19. शारदा पुत्री वरधाराम हिस्सा – 2/81 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार	
16	खेड़ाबोरटा	466	बारानी दोयम	निजी	0.5500	490.00	0.0490	1. कमला पुत्री वरधाराम हिस्सा – 2/81 जाति – मेघवाल सा. देह खातेदार 2. कांतिलाल पुत्र जोधाराम हिस्सा – 2/81 जाति – मेघवाल सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–2/81 (पूर्ण खाता) एक्सिस बैंक शाखा भीनमाल 3. गेपाराम पुत्र जगा हिस्सा– 10/81 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 4. गोपाराम पुत्र कलाराम हिस्सा– 10/243 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 5. चुनीदेवी पनि वरधाराम हिस्सा– 2/81 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 6. तेजाराम पुत्र जगा हिस्सा– 10/81 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 7. तलसी पुत्री जगा हिस्सा–1/81 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 8. दाडमाराम चौहान पुत्र जोधाराम हिस्सा– 2/81 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–2/81 (पूर्ण खाता) एक्सिस बैंक शाखा भीनमाल 9. पारू पुत्री वरधाराम हिस्सा – 2/81 जाति – मेघवाल सा. देह खातेदार 10. पीपाराम पुत्र जगा हिस्सा – 10 / 81 जाति – मेगवंशी सा. देह खातेदार 11. पोलाराम पुत्र जोधाराम हिस्सा – 2/81 जाति – मेघवाल सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–2/81 (पूर्ण खाता) एक्सिस बैंक शाखा भीनमाल 12. मतरादेवी पत्नि कलाराम हिस्सा – 10 /243 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 13. मससराम पुत्र जगा हिस्सा– 10/81 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 14. मोमताराम पुत्र वरधाराम हिस्सा – 2/81 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 15. रंगू देवी पत्नि स्व. पिता जोधाराम हिस्सा– 2/81 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–2/81 (पूर्ण खाता) एक्सिस बैंक शाखा भीनमाल 16. रताराम पुत्र जगा हिस्सा – 10/81 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 17. रमेशकुमार पुत्र कलाराम हिस्सा – 10 /243 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार	
17	खेड़ाबोरटा	20	बारानी प्रथम	निजी	0.1400	165.00	0.0165	1. परबतसिंह पुत्र जवारसिंह हिस्सा– पूर्ण जाति– राजपुत सा. देह खातेदार (पूर्ण खाता) राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक शाखा मोदरान	
18	खेड़ाबोरटा	469	बारानी दोयम	निजी	1.4100	120.00	0.0120	1. गुलाबचन्द पुत्र जेताराम हिस्सा – 1/4 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार2. जीवों पत्नि जेताराम हिस्सा– 1/4 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 3. डुंगरमल पुत्र जेताराम हिस्सा – 1/4 जाति – मेगवंशी सा. देह खातेदार 4. रताराम पुत्र जेताराम हिस्सा – 1/4 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार	
19	बोरटा	546	बारानी प्रथम	निजी	0.3300	200.00	0.0200	1. तखतसिंह पुत्र अमरसिंह हिस्सा– 1/2 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 2. देवीसिंह पुत्र अमरसिंह हिस्सा– 1/2 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार	
			कुल योग		**13.4700**	**8837.00**	**0.8837**		
1	भीमपुरा	270	बंजड़	सरकारी	12.8400	3816.00	0.3816	1. ग्राम पंचायत बोरटा हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	
			कुल योग		**12.8400**	**3816.00**	**0.3816**		
1	भीनमाल A	5659/6910	बारानी प्रथम	निजी	0.4300	1766.00	0.1766	1. शान्तिदेवी पत्नि किशोरमल हिस्सा– पूर्ण जाति– ओसवाल सा. देह खातेदार	
2	भीनमाल A	5659	चाही प्रथम	निजी	1.5500	224.00	0.0224	1. शान्तिदेवी पनि किशोरमल हिस्सा – पूर्ण जाति– ओसवाल सा. देह खातेदार,	
3	भीनमाल A	5707	बारानी प्रथम	निजी	0.8543	988.00	0.0988	1. धाराराम पुत्र थानाराम हिस्सा– पूर्ण जाति– जटिया सा. समदडी हाल भीनमाल खातेदार	पक्का निर्माण
4	भीनमाल A	5719	जाव प्रथम	निजी	0.1600	57.00	0.0057	1. गीगाराम पुत्र छोगा हिस्सा–5/28 जाति– माली सा. देह खातेदार 2. गोरखाराम पुत्र तगीया हिस्सा – 1/8 जाति– माली सा. देह खातेदार 3. पूनमाराम पुत्र तगीया हिस्सा– 1/8 जाति– माली सा. देह खातेदार 4. मलाराम पुत्र तगीया हिस्सा – 1/8 जाति– माली सा. देह खातेदार 5. रमेशकुमार पुत्र तगीया हिस्सा– 1/8 जाति– माली सा. देह खातेदार 6. लालाराम पुत्र छोगा हिस्सा – 1/7 जाति– माली सा. देह खातेदार 7. हंजारीमल पुत्र छोगा हिस्सा – 5 / 28 जाति माली सा. देह खातेदार	
5	भीनमाल A	5720	चाही प्रथम	निजी	0.6200	270.00	0.0270	1. गीगाराम पुत्र छोगा हिस्सा–5/28 जाति– माली सा. देह खातेदार 2. गोरखाराम पुत्र तगीया हिस्सा – 1/8 जाति– माली सा. देह खातेदार 3. पूनमाराम पुत्र तगीया हिस्सा – 1/8 जाति– माली सा.देह खातेदार 4. मलाराम पुत्र तगीया हिस्सा– 1/8 जाति– माली सा. देह खातेदार 5. रमेशकुमार पुत्र तगीया हिस्सा– 1/8 जाति– माली सा. देह खातेदार 6. लालाराम पुत्र छोगा हिस्सा – 1/7 जाति– माली सा. देह खातेदार 7. हंजारीमल पुत्र छोगा हिस्सा– 5/28 जाति– माली सा. देह खातेदार	
6	भीनमाल A	4526/1	गै.मु. आबादी	निजी	0.5900	972.00	0.0972	1. दीपककुमार पुत्र रमेशकुमार हिस्सा – 1/5 जाति– महाजन सा. देह खातेदार 2. पवन पत्नि रमेशकुमार हिस्सा – 1/5 जाति– महाजन सा. देह खातेदार 3. भरतकुमार पुत्र किशोरमल हिस्सा– 1/5 जाति– महाजन सा. देह खातेदार 4. महेन्द्रकुमार पुत्र माणकचन्द हिस्सा – 1/5 जाति– महाजन सा. देह खातेदार 5. सुमेरमल पुत्र हंजारीमल हिस्सा– 1/5 जाति– महाजन सा. देह खातेदार	पक्का निर्माण
7	भीनमाल A	4777	बारानी प्रथम	निजी	0.9600	440.00	0.0440	1. मंगलाराम पुत्र ताराराम हिस्सा – पूर्ण जाति – भील सा. देह खातेदार	
8	भीनमाल A	5661	बारानी प्रथम	निजी	0.9200	96.00	0.0096	1. शान्तिदेवी पत्नि किशोरमल हिस्सा– पूर्ण जाति– ओसवाल सा. देह खातेदार	मकान
9	भीनमाल A	4518	गै. मु. सड़क	सरकारी	1.2000	138.00	0.0138	1. सड़ेक हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	
10	भीनमाल A	4517	गैर मुमकीन	सरकारी	0.5500	127.00	0.0127	1. राजस्थान राज्य भंडार व्यवस्था विभाग शाखा भीनमाल हिस्सा– पूर्ण संस्था के लिए	पक्का निर्माण
11	भीनमाल A	4515	गैर मुमकीन	सरकारी	5.2900	213.00	0.0213	1. कृषि उपज मण्डी समिति भीनमाल हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	पक्का निर्माण
12	भीनमाल A	4516	बारानी प्रथम	सरकारी	0.4400	3686.00	0.3686	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	पक्का निर्माण
13	भीनमाल A	5708	बारानी प्रथम	सरकारी	0.3700	1515.00	0.1515	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	पक्का निर्माण
14	भीनमाल A	4848	गैर मुमकीन	सरकारी	12.9500	1200.00	0.1200	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	
15	भीनमाल A	4827	बारानी प्रथम	सरकारी	1.4500	720.00	0.0720	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	
16	भीनमाल A	4821	गै.मु. आबादी	सरकारी	0.3500	2024.00	0.2024	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	
17	भीनमाल A	4820	गै.मु. आबादी	सरकारी	0.4200	782.00	0.0782	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा– पूर्ण संस्था के लिए	
18	भीनमाल A	4818	गै.मु. रास्ता	सरकारी	0.1500	138.00	0.0138	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	
19	भीनमाल A	4816	गै.मु. आबादी	सरकारी	0.5000	1245.00	0.1245	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा– पूर्ण संस्था के लिए	
20	भीनमाल A	4781	गै.मु. आबादी	सरकारी	1.0600	1299.00	0.1299	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	पक्का निर्माण
21	भीनमाल A	4782	गै.मु. आबादी	सरकारी	0.0800	540.00	0.0540	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	
22	भीनमाल A	5166/6977	गै.मु. रास्ता	निजी	0.8000	146.00	0.0146	1. आनन्दीदेवी पत्नि लाभशंकर हिस्सा – 3/350 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 2. गायत्री पुत्री लाभशंकर हिस्सा– 3/350 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 3. जगदीश पुत्र भबूतमल हिस्सा – 1 /48 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 4. झीणीदेवी पत्नि पीराराम हिस्सा– 3/32 जाति– सुथार सा. देह खातेदार 5. देशकंवर पनि ईश्वरसिह हिस्सा – 1/16 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 6. पायल गुप्ता पनि कपिल गुप्ता हिस्सा– 1/16 जाति– अग्रवाल सा. देह खातेदार 7. बसन्तकुमार पुत्र लाभशंकर हिस्सा – 3 / 350 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 8. मदनलाल पुत्र प्रेमशंकर हिस्सा– 1/24 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 9. मनन अग्रवाल पुत्र मनोज गुप्ता हिस्सा – 539 / 2400 जाति– अग्रवाल सा. देह खातेदार 10. मनीषा पुत्री लाभशंकर हिस्सा– 3/350 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 11. मनोज गुप्ता पुत्र बंशीलाल गुप्ता हिस्सा – 17/150 जाति– अग्रवाल सा. देह खातेदार 12. मनोजकंवर पत्नि भवानीसिह हिस्सा – 1/16 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 13. माधुरी पुत्री लाभशंकर हिस्सा – 3/350 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 14. यतिन्द्रठाकुर पुत्र लाभशंकर हिस्सा – 3/350 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 15. रतनकंवर पत्नि अर्जुनसिह हिस्सा– 1/32 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 16. रवेन्द्र पुत्र दुर्गादत्त हिस्सा– 1/16 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 17. श्रीकांत पुत्र दुर्गादत्त हिस्सा – 1/16 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 18. शशिकला पुत्री लाभशंकर हिस्सा – 3/350 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 19. सुनीताकंवर पत्नि नारायणसिह हिस्सा– 13/160 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 20. हुक्मेश्वर पुत्र कनीराम हिस्सा – 1/48 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार	
23	भीनमाल A	5179	गै.मु. मुमकीन	सरकारी	4.7300	3504.00	0.3504	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा– पूर्ण संस्था के लिए	
24	भीनमाल A	5180/7155	बारानी प्रथम	सरकारी	0.4300	385.00	0.0385	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा– पूर्ण संस्था के लिए	
25	भीनमाल A	5709/7076	गै.मु. आबादी	सरकारी	1.0000	550.00	0.0550	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा– पूर्ण संस्था के लिए	पक्का निर्माण
26	भीनमाल A	5711	गै.मु. रास्ता	सरकारी	0.1000	28.00	0.0028	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा– पूर्ण संस्था के लिए	
27	भीनमाल A	5712	गै.मु. रास्ता	सरकारी	0.0600	6.00	0.0006	1. नगर पालिका भीनमाल आबादी हिस्सा– पूर्ण संस्था के लिए	
28	भीनमाल A	4819	बारानी प्रथम	निजी	0.4700	2166.00	0.2166	1. अन्नपुर्णा पुत्री उकचन्द हिस्सा – 1/30 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 2. आनन्द पुत्र उकचन्द हिस्सा– 1/30 जाति– श्रीमाली सा. देह खातेदार 3. उमा पुत्री दुर्गाशंकर हिस्सा– 1/28 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 4. गायत्री पुत्री उकचन्द हिस्सा– 1/30 जाति– श्रीमाली सा. देह खातेदार 5. गीता पुत्री दुर्गाशंकर हिस्सा – 1 / 28 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 6. गोदावरी पत्नि दुर्गाशंकर हिस्सा – 1 / 28 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 7. चम्पालाल पुत्र दुर्गाशंकर हिस्सा – 1 / 28 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 8. जयनारायण पुत्र दुर्गाशंकर हिस्सा– 1/28 जाति– श्रीमाली सा. देह खातेदार 9. नरोतमलाल पुत्र लादुराम हिस्सा – 1/4 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 10. रमेशकुमार पुत्र दुर्गाशंकर हिस्सा – 1 / 28 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 11. रामचन्द्र पुत्र दुर्गाशंकर हिस्सा – 1 / 28 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 12. लक्ष्मीनारायण दत्तक पुत्र जेठमल हिस्सा– 1/3 जाति– श्रीमाली सा. देह खातेदार 13. शान्तिदेवी पत्नि उकचन्द हिस्सा – 1/30 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 14. सन्तोषकुमार पुत्र उकचन्द हिस्सा – 1/30 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार	
29	भीनमाल A	4817	बारानी प्रथम	निजी	0.3800	320.00	0.0320	1. अन्नपुर्णा पुत्री उकचन्द हिस्सा – 1/30 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 2. आनन्द पुत्र उकचन्द हिस्सा– 1/30 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 3. उमा पुत्री दुर्गाशंकर हिस्सा– 1/28 जाति– श्रीमाली सा. देह खातेदार 4. गायत्री पुत्री उकचन्द हिस्सा – 1/30 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 5. गीता पुत्री दुर्गाशंकर हिस्सा – 1 / 28 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 6. गोदावरी पत्नि दुर्गाशंकर हिस्सा – 1 / 28 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 7. चम्पालाल पुत्र दुर्गाशंकर हिस्सा – 1 / 28 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 8. जयनारायण पुत्र दुर्गाशंकर हिस्सा – 1/ 28 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 9. नरोतमलाल पुत्र लादुराम हिस्सा – 1/4 जाति– श्रीमाली सा. देह खातेदार 10. रमेशकुमार पुत्र दुर्गाशंकर हिस्सा – 1 / 28 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 11. रामचन्द्र पुत्र दुर्गाशंकर हिस्सा – 1 / 28 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 12. लक्ष्मीनारायण दत्तक पुत्र जेठमल हिस्सा – 1/3 जाति–श्रीमाली सा. देह खातेदार 13. शान्तिदेवी पत्नि उकचन्द हिस्सा – 1/30 जाति – श्रीमाली सा. देह खातेदार 14. सन्तोषकुमार पुत्र उकचन्द हिस्सा – 1/30 जाति– श्रीमाली सा. देह खातेदार	
30	भीनमाल A	4783	बारानी प्रथम	निजी	0.3700	25.00	0.0025	1. मससराम पुत्र मन्जीजी हिस्सा – पूर्ण जाति – भील सा. धुलिया खातेदार	पक्का निर्माण
			कुल योग		**39.2343**	**25570.00**	**2.5570**		

क्रमशः

क्र. सं.	गाँव का नाम	खसरा नम्बर	भूमि की प्रकृति	भूमि का प्रकार	कुल रकबा (हेक्टेयर में)	अवाप्त रकबा (वर्ग मी. में)	अवाप्त रकबा हेक्टेयर में)	भूमि मालिक का विवरण	संरचनाओ का विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	भीनमाल C	4287	बारानी प्रथम	सरकारी	2.8000	512.56	0.0513	1. राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट कोर्पोरेशन लिमिटेड (रिको) जालोर हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	
2	भीनमाल C	7602/4286	बारानी प्रथम	सरकारी	3.8100	1044.00	0.1044	1. राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट कोर्पोरेशन लिमिटेड (रिको) जालोर हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	
3	भीनमाल C	4286/7182	बारानी प्रथम	सरकारी	0.1200	1200.00	0.1200	1. भेड ऊन प्रसार विभाग राज सरकार भीनमाल हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	
4	भीनमाल C	4273	गै.मु. आबादी	सरकारी	0.9700	477.00	0.0477	1. नगरपालिका भीनमाल आबादी हिस्सा– पूर्ण संस्था के लिए	
5	भीनमाल C	4272	आवासीय प्रयोजनार्थ	सरकारी	1.9600	435.00	0.0435	1. नगरपालिका भीनमाल आबादी हिस्सा– पूर्ण संस्था के लिए	
6	भीनमाल C	4267	बारानी प्रथम	सरकारी	3.2000	2056.00	0.2056	1. उर्मीलादेवी पुत्री चेलराज हिस्सा – 193/2880 जाति– महाजन सा. देह खातेदार 2. कान्तिलाल पुत्र चेलराज हिस्सा – 337/2880 जाति– ओसवाल सा.देह खातेदार 3. दिनेश दोशी पुत्र चेलराज दोशी हिस्सा – 337/2880 जाति– जैन सा. देह खातेदार 4. पुष्पादेवी पुत्री चेलराज हिस्सा – 193/2880 जाति– महाजन सा. देह खातेदार 5. मुकेश पुत्र घंवरचंद हिस्सा– 1/48000 जाति– महाजन सा. देह खातेदार 6. मंजूदेवी पुत्री चेलराज हिस्सा – 193/2880 जाति– महाजन सा. देह खातेदार 7. नाबालिग रोनक पुत्र रमेश कुमार संरक्षक संरक्षक–अंजना हिस्सा – 1/3 जाति– महाजन सा. देह खातेदार 8. संगीता दोशी पुत्री घेवरचन्द हिस्सा– 2633/16000 जाति– ओसवाल सा. देह खातेदार 9. सुरेखादेवी पुत्री चेलराज हिस्सा– 193/2880 जाति– महाजन सा. देह खातेदार	
7	भीनमाल C	4285	बारानी प्रथम	निजी	1.7700	7155.00	0.7155	1. गोविंद खिलेरी पुत्र देराम बिश्नोई हिस्सा – 1/8 जाति– विश्नोई मकान संख्या – 0, कॉलोनी– भागल भीम, क्षेत्र/स्थान– भागल भीम, शहर– भागल भीम, पिन कोड– 343029, ज़िला – जालौर, राज्य– राजस्थान खातेदार 2. देराम पुत्र नरिंगाराम हिस्सा – 17/ 24 जाति– विश्नोई सा. भालनी खातेदार 3. लादूराम पुत्र खेराजराम हिस्सा – 1/6 जाति– विश्नोई सा. भालनी खातेदार	
8	भीनमाल C	4280/7402	बारानी प्रथम	निजी	0.1530	120.00	0.0120	1. नरेन्द्र कुमार पुत्र प्रेमाराम हिस्सा– पूर्ण जाति– विश्नोई सा.कूका तहसीलबागो डा खातेदार	
9	भीनमाल C	4280/7401	बारानी प्रथम	निजी	0.3500	253.20	0.0253	1. पूनमाराम पुत्र किस्तुराराम हिस्सा – पूर्ण जाति– विश्नोई सा.कुका खातेदार,	
10	भीनमाल C	4280/7400	बारानी प्रथम	निजी	0.5355	391.20	0.0391	1. भगवानाराम पुत्र हरलाल हिस्सा – पूर्ण जाति– विश्नोई सा. देह खातेदार	
11	भीनमाल C	7625/4280	बारानी प्रथम	निजी	0.1913	150.00	0.0150	1. भगवानाराम पुत्र हरलाल हिस्सा– पूर्ण जाति– विश्नोई सा.देह खातेदार	
12	भीनमाल C	7624/4280	बारानी प्रथम	निजी	0.1702	15.00	0.0015	1. चंपा देवी पत्नि रणजीतराज परमार हिस्सा– 1/2 जाति– माली मकान संख्या – 0, कॉलोनी– भीनमाल, क्षेत्र/ स्थान– भीनमाल शहर–भीनमाल, पिन कोड– 343029, ज़िला – जालौर, राज्य– राजस्थान खातेदार 2. हर्ष परमार पुत्र रणजीतराज परमार हिस्सा– 1/2 जाति– माली मकान संख्या– 0, कॉलोनी – भीनमाल क्षेत्र/स्थान– भीनमाल शहर– भीनमाल . पिन कोड– 343029, ज़िला – जालौर,राज्य– राजस्थान खातेदार	
13	भीनमाल C	7622/4279	बारानी प्रथम	निजी	0.2123	123.00	0.0123	1. चंपा देवी पत्नि रणजीतराज परमार हिस्सा– 1/2 जाति– माली मकान संख्या – 0, कॉलोनी– भीनमाल, क्षेत्र/स्थान– भीनमाल, शहर– भीनमाल, पिन कोड– 343029, ज़िला –जालौर, राज्य– राजस्थान खातेदार 2. हर्ष परमार पुत्र रणजीतराज परमार हिस्सा– 1/2 जाति– माली मकान संख्या– 0, कॉलोनी – भीनमाल ৳ क्षेत्र / स्थान– भीनमाल, शहर– भीनमाल, पिन कोड– 343029, ज़िला – जालौर, राज्य– राजस्थान ৳ खातेदार	
14	भीनमाल C	7623/4279	बारानी प्रथम	निजी	0.1912	72.00	0.0072	1. रणजीतराज पुत्र जवाहरमल हिस्सा– पूर्ण जाति– माली मकान संख्या – 0, कॉलोनी – भीनमाल क्षेत्र/स्थान– भीनमाल शहर– भीनमाल, पिन कोड – 343029, ज़िला – जालौर, राज्य– राजस्थान खातेदार	
15	भीनमाल C	4279/7399	बारानी प्रथम	निजी	0.4150	171.00	0.0171	1. रमिलादेवी पत्नि महेन्द्रकुमार हिस्सा– पूर्ण जाति– पुरोहित सा. खाण्डादेवल तहसील जसवंतपुरा खातेदार	
16	भीनमाल C	4279/7398	बारानी प्रथम	निजी	0.2325	84.00	0.0084	1. झीणीदेवी पत्नि पीराराम हिस्सा– पूर्ण जाति– सुथार सा. देह खातेदार	
17	भीनमाल C	7398/1	बारानी प्रथम	निजी	0.1500	69.00	0.0069	1. रमिलादेवी पत्नि महेन्द्रकुमार हिस्सा– पूर्ण जाति– पुरोहित सा. खाण्डादेवल तहसील जसवंतपूरा खातेदार	
18	भीनमाल C	4279/7397	बारानी प्रथम	निजी	0.4590	177.00	0.0177	1. भगवानाराम पुत्र हरलाल हिस्सा– पूर्ण जाति– विश्नोई सा.देह खातेदार	
19	भीनमाल C	4266	गै.मु. नाड़ा	सरकारी	0.5000	420.00	0.0420	राज. सरकार	
20	भीनमाल C	4141	गैर मुमकिन	सरकारी	21.5300	2750.00	0.2750	1. नगरपालिका भीनमाल आबादी हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए,	
21	भीनमाल C	4263	बारानी प्रथम	निजी	8.0800	66.00	0.0066	1. खंगाराराम पुत्र कानाराम हिस्सा– 1/2 जाति– जाट सा. देह खातेदार 2. मुमलदेवी पत्नि खंगाराराम हिस्सा– 1/2 जाति– जाट सा. देह खातेदार	
22	भीनमाल C	4288	बारानी प्रथम	सरकारी	3.9700	2500.00	0.2500	1. राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डवलपमेंट कोर्पोरेशन लिमिटेड (रिको) जालोर हिस्सा – पूर्ण संस्था के लिए	
23	भीनमाल C	4146	गैर मुमकिन	सरकारी	2.5200	1000.00	0.1000	1. नगरपालिका भीनमाल आबादी हिस्सा– पूर्ण संस्था के लिए	
24	भीनमाल C	7603/4286	बारानी प्रथम	सरकारी	2.6700	1967.00	0.1967	1. ग्राम पंचायत गोचर हिस्सा– पूर्ण संस्था के लिए,	
			कुल योग		**56.9600**	**23207.96**	**2.3208**		
1	लेदरमेर	1071	बारानी प्रथम	निजी	0.6900	736.00	0.0736	1. कैलाश देवी पुत्री गोपाल हिस्सा 7/270 जाति पुरोहित सा. देह खातेदार 2. केसाराम पुत्र मोटा हिस्सा– 1/30 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 3. गिगीदेवी पत्नि अजा हिस्सा – 1/36 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 4. चन्द्रादेवी पुत्री जगताराम हिस्सा – 1/54 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 5. चम्पादेवी पुत्री अजा हिस्सा – 1/36 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 6. जबराराम पुत्र अजा हिस्सा– 1/36 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 7. जमना पत्नि वणवीराराम हिस्सा– 1/9 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 8. जोशना पुत्री जगताराम हिस्सा – 1/54 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 9. देवाराम पुत्र वणवीराराम हिस्सा– 1/9 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 10. देसु पुत्री मोटा हिस्सा– 1/30 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 11. दिनेशकुमार पुत्र अजा हिस्सा– 1/36 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 12. दीपिकादेवी पुत्री गोपाल हिस्सा – 7/270 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 13. प्यारीदेवी पत्नि गोपाल हिस्सा – 7/270 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 14. प्रदीप पुत्र गोपाल हिस्सा– 7/270 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 15. प्रबताराम पुत्र मोटा हिस्सा – 1/30 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 16. मुकेश पुत्र जगताराम हिस्सा– 7/54 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 17. मंजूदेवी पुत्री अजा हिस्सा – 1/36 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 18. मेहराराम पुत्र मोटा हिस्सा – 1/30 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 19. राजेश पुत्र गोपाल हिस्सा– 7/270 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 20. लक्ष्मीदेवी पुत्री जगताराम हिस्सा– 1/54 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 21. सूरजदेवी पुत्री जगताराम हिस्सा – 1/54 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 22. सांवलाराम पुत्र वणवीराराम हिस्सा – 1/9 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 23. सीतादेवी पत्नि मोटा हिस्सा– 1/30 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 24. सौराभ पुत्री अजा हिस्सा– 1/36 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार	
2	लेदरमेर	1072	बारानी प्रथम	निजी	0.6600	720.00	0.0720	1. गोपालसिंह पुत्र सुजानसिंह हिस्सा – पूर्ण जाति– राजपूत सा. बोरटा खातेदार	
3	लेदरमेर	1074	बारानी प्रथम	निजी	2.0400	1914.96	0.1915	1. छतरसिह पुत्र जगतसिह हिस्सा– 1/2 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–5/12 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा ADB भीनमाल 2. लालसिह पुत्र जगतसिह हिस्सा– 1/2 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–1/3 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल	
4	लेदरमेर	1088	बारानी प्रथम	निजी	1.2400	1224.00	0.1224	1. भलसिह पुत्र वरदसिह हिस्सा– 1/2 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–1/2 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 2. सोरमकंवर पत्नि भलसिंह हिस्सा– 1/2 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–1/2 (पूर्ण खाता) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा भीनमाल	
5	लेदरमेर	1089	बारानी प्रथम	निजी	0.6500	1341.00	0.1341	1. लुंगोदेवी पत्नि हीराराम हिस्सा – पूर्ण जाति–कुम्हार(प्रजापति) सा. देह खातेदार	
6	लेदरमेर	1098	बारानी प्रथम	निजी	0.7000	210.00	0.0210	1. अन्तरकंवर पत्नि अजीतसिह हिस्सा– 1/4 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 2. कपूरसिह पुत्र हकसिह हिस्सा– 1/10 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 3. नरपतसिह पुत्र हकसिह हिस्सा– 1/10 जाति– राजपूत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–1/10 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 4. मनोहरसिह पुत्र हकसिह हिस्सा – 1/10 जाति– राजपूत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–1/10 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 5. मानसिह पुत्र अजीतसिह हिस्सा – 1/4 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 6. रम्बा पत्नि हकसिह हिस्सा– 1/10 जाति– राजपूत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा – 1/10 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 7. सावलसिह पुत्र हकसिह हिस्सा – 1/10 जाति– राजपूत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–1/10 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल	
7	लेदरमेर	1101	बारानी प्रथम	निजी	0.5400	827.40	0.0827	1. चुनी पत्नि रावतीया हिस्सा–1/4 जाति – मेघवाल सा. देह खातेदार 2. पंचमदेवी पत्नि मसराराम हिस्सा – 1/2 जाति – मेघवाल सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–1/2 (पूर्ण खाता) यूको बैंक शाखा भीनमाल 3. मसराराम पुत्र रावतीया हिस्सा– 1/8 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 4. रमेशकुमार पुत्र रावतीया हिस्सा – 1/8 जाति – मेघवाल सा. देह खातेदार	
8	लेदरमेर	1102	बारानी प्रथम	निजी	1.3900	518.50	0.0519	1. अर्जूनसिंह पुत्र भोपसिह हिस्सा– 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 2. आसुसिह पुत्र सामतसिह हिस्सा– 1/12 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 3. ऐवनकंवर पुत्री भोपसिह हिस्सा – 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 4. केसरसिह पुत्र बलवन्तसिह हिस्सा– 1/60 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 5. गणपतसिह पुत्र बलवन्तसिह हिस्सा – 1 /60 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 6. चन्द्र पत्नि लाखसिह हिस्सा– 1/12 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 7. छैलसिंह पुत्र भोपसिह हिस्सा– 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 8. देशुकंवर पुत्री पीरसिंह हिस्सा– 1/72 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 9. नरपतसिह पुत्र बलवन्तसिह हिस्सा – 1/60 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 10. प्रकाशकंवर पुत्री डुंगरसिह हिस्सा– 1/180 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 11. प्रकाशसिंह पुत्र भवसिह हिस्सा– 1/2 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 12. प्रियंकाकंवर पुत्री डुंगरसिंह हिस्सा – 1/180 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 13. भंवरी पनि बलवन्तसिह हिस्सा – 1/60 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 14. मुकनसिह पुत्र पीरसिह हिस्सा– 1/18 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 15. मदनसिंह पुत्र भोपसिह हिस्सा– 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 16. रेखाकंवर पुत्री डुंगरसिंह हिस्सा – 1/180 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 17. रसालकंवर पुत्री भोपसिह हिस्सा – 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 18. वरदसिह पुत्र सामतसिह हिस्सा– 1/12 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 19. सकूकंवर पुत्री भोपसिह हिस्सा– 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 20. सुबटीकंवर पुत्री पीरसिंह हिस्सा– 1/72 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 21. हडमतसिंह पुत्र भोपसिह हिस्सा – 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार	
9	लेदरमेर	1103	बारानी प्रथम	निजी	1.4500	648.00	0.0648	1. अर्जूनसिंह पुत्र भोपसिह हिस्सा– 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 2. आसुसिह पुत्र सामतसिह हिस्सा – 1/12 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 3. ऐवनकंवर पुत्री भोपसिह हिस्सा– 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 4. केसरसिह पुत्र बलवन्तसिह हिस्सा– 1/60 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 5. गणपतसिह पुत्र बलवन्तसिह हिस्सा– 1 /60 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 6. चन्द्र पत्नि लाखसिह हिस्सा–1/12 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 7. छैलसिंह पुत्र भोपसिह हिस्सा – 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 8. देशुकंवर पुत्री पीरसिंह हिस्सा– 1/72 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 9. नरपतसिह पुत्र बलवन्तसिह हिस्सा – 1/60 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 10. प्रकाशकंवर पुत्री डुंगरसिंह हिस्सा – 1/180 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 11. प्रकाशसिंह पुत्र भवसिह हिस्सा– 1/2 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 12. प्रियंकाकंवर पुत्री डुंगरसिंह हिस्सा – 1/180 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 13. भंवरी पनि बलवन्तसिह हिस्सा– 1/60 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 14. मुकनसिह पुत्र पीरसिह हिस्सा– 1/18 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 15. मदनसिंह पुत्र भोपसिह हिस्सा – 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 16. रेखाकंवर पुत्री डुंगरसिह हिस्सा – 1/180 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 17. रसालकंवर पुत्री भोपसिह हिस्सा– 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 18. वरदसिह पुत्र सामतसिह हिस्सा – 1/12 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 19. सकूकंवर पुत्री भोपसिह हिस्सा– 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 20. सुबटीकंवर पुत्री पीरसिंह हिस्सा– 1/72 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 21. हडमतसिंह पुत्र भोपसिह हिस्सा – 1/84 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार	
10	लेदरमेर	1106	बारानी प्रथम	निजी	0.6600	1260.00	0.1260	1. अर्जुनसिंह पुत्र प्रतापसिंह हिस्सा – 2/33 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 2. किशोरसिह पुत्र जवारसिह हिस्सा– 2/33 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 3. खेतसिह पुत्र जयसिह हिस्सा – 2/33 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 4. चन्द्रकंवर पुत्री प्रतापसिंह हिस्सा– 2/33 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 5. जितनकंवर पुत्री जोगसिह हिस्सा – 2/231 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 6. ढेलीकंवर पुत्री बलवन्तसिह हिस्सा– 1/18 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 7. ताराकंवर पनि जोगसिह हिस्सा – 2/231 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 8. दीपसिह पुत्र जयसिह हिस्सा– 2/33 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 9. धरमी पत्नि जयसिह हिस्सा– 2/33 जाति– राजपूत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–2/33 (पूर्ण खाता) जालोर सहकार भूमि विकास बैंक लिमिटेड शाखा भीनमाल 10. नाथूसिंह पुत्र जोगसिह हिस्सा– 2/231 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 11. प्रकाशकंवर पुत्री जोगसिह हिस्सा– 2/231 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 12. पूरणसिंह पुत्र जोगसिह हिस्सा– 2/231 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 13. बचनसिह पुत्र चिमनसिह हिस्सा – 2/33 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 14. बलवन्तसिह पुत्र चिमनसिह हिस्सा – 2/33 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 15. भवानीसिंह पुत्र प्रतापसिंह हिस्सा– 2/33 जाति– राजपूत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–2/33 (पूर्ण खाता) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा भीनमाल 16. मंगलसिह पुत्र जयसिह हिस्सा – 2/33 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 17. महेन्द्रसिंह पुत्र डूंगरसिंह हिस्सा – 1/54 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 18. मोतु पत्नि प्रेमसिह हिस्सा–1/9 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 19. रिंकुकंवर पुत्री जोगसिह हिस्सा – 2/231 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 20. लाखसिह पुत्र प्रेमसिह हिस्सा– 1/9 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 21. विक्रमसिंह पुत्र डूंगरसिंह हिस्सा– 1/54 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 22. सूरजकंवर पत्नि डूंगरसिंह हिस्सा – 1/54 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार 23. हड़मतसिंह पुत्र जोगसिह हिस्सा – 2/231 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार	
11	लेदरमेर	1107	बारानी प्रथम	निजी	1.5000	918.00	0.0918	1. अणसी पत्नि मसराराम हिस्सा– 1/108 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 2. उषी पुत्री दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 3. छैलाराम पुत्र दला हिस्सा– 1/27 जाति – पुरोहित सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–1/27 (पूर्ण खाता) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा भीनमाल 4. डूंगाराम पुत्र दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 5. दरिया पत्नि नाथा हिस्सा– 1/12 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 6. प्रकाश पुत्र नाथा हिस्सा– 1/12 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 7. मदा पुत्री दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 8. नाबालिग मनाषा पुत्री मसराराम संरक्षक सरपरस्त माता – अणसी हिस्सा – 1/108 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 9. महेन्द्र पुत्र दला हिस्सा–1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 10. माफी पुत्री दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 11. राजा पुत्र नाथा हिस्सा–1/12 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 12. विकाश पुत्र नाथा हिस्सा– 1/12 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 13. शैतान पुत्र दला हिस्सा–1/27 जाति – पुरोहित सा. देह खातेदार 14. नाबालिग साक्षी पुत्री मसराराम संरक्षक सरपरस्त माता – अणसी हिस्सा – 1/108 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 15. नाबालिग सीमा पुत्री मसराराम संरक्षक सरपरस्त माता–अणसी हिस्सा – 1/108 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 16. हका पुत्र मोती हिस्सा–1/3 जाति – पुरोहित सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा – 1/3 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा भीनमाल ADB 17. हंजादेवी पनि दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार	
12	लेदरमेर	1112	बारानी प्रथम	निजी	0.6000	850.00	0.0850	1. जोयतसिह पुत्र लछुसिह हिस्सा– पूर्ण जाति– राजपूत सा. देह खातेदार	
13	लेदरमेर	1114	बारानी प्रथम	निजी	0.6400	2134.75	0.2135	1. उकसिह पुत्र लछुसिह हिस्सा – 1/12 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 2. जबरसिह पुत्र किशोरसिह हिस्सा – 2/9 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा – 2/9 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा भीनमाल ADB 3. जोयतसिह पुत्र लछुसिह हिस्सा– 1/12 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 4. दलपतसिह पुत्र किशोरसिह हिस्सा– 2/9 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 5. प्रतापसिह पुत्र किशोरसिह हिस्सा – 2/9 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 6. वेलसिह पुत्र लछुसिह हिस्सा– 1/12 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार 7. विजेसिह पुत्र लछुसिह हिस्सा– 1/12 जाति– राजपुत सा. देह खातेदार	
14	लेदरमेर	1153	बारानी प्रथम	निजी	1.6200	2158.80	0.2159	1. एवनकंवर पत्नि सुजानसिंह हिस्सा– पूर्ण जाति– राजपूत सा. देह खातेदार	
15	लेदरमेर	1154	बारानी प्रथम	निजी	1.1800	2820.00	0.2820	1. सुन्दरदेवी पत्नि नरसाराम हिस्सा– पूर्ण जाति– कुम्हार (प्रजापति) सा. देह खातेदार	
16	लेदरमेर	1155	बारानी प्रथम	निजी	0.7000	4425.50	0.4426	1. अणसी पत्नि मसराराम हिस्सा– 1/108 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 2. उषी पुत्री दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 3. छैलाराम पुत्र दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–1/27 (पूर्ण खाता) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा भीनमाल 4. डूंगाराम पुत्र दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 5. दरिया पत्नि नाथा हिस्सा– 1/12 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 6. प्रकाश पुत्र नाथा हिस्सा– 1/12 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 7. मदा पुत्री दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 8. नाबालिग मनाषा पुत्री मसराराम संरक्षक सरपरस्त माता – अणसी हिस्सा – 1 / 108 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 9. महेन्द्र पुत्र दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 10. माफी पुत्री दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 11. राजा पुत्र नाथा हिस्सा– 1/12 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 12. विकाश पुत्र नाथा हिस्सा– 1/12 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 13. शैतान पुत्र दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 14. नाबालिग साक्षी पुत्री मसराराम संरक्षक सरपरस्त माता – अणसी हिस्सा – 1/108 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 15. नाबालिग सीमा पुत्री मसराराम संरक्षक सरपरस्त माता – अणसी हिस्सा – 1 / 108 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 16. हका पुत्र मोती हिस्सा– 1/3 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा – 1/3 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा भीनमाल ADB 17. हंजादेवी पत्नि दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार	
17	लेदरमेर	1158	बारानी दोयम	निजी	1.0600	2929.50	0.2930	1. गणेशाराम पुत्र सवाजी हिस्सा – 1/2 जाति – भील सा. नासौली खातेदार 2. लाखाराम पुत्र सवाजी हिस्सा– 1/2 जाति – भील सा. नासौली खातेदार	
18	लेदरमेर	1166	बारानी दोयम	निजी	1.1600	350.00	0.0350	1. जगाराम पुत्र देवला हिस्सा 1/4 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 2. भूराराम पुत्र टीकमाजी हिस्सा– 1/2 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 3. मोरीदेवी पत्नि बगदाराम हिस्सा – 1/4 जाति – मेघवाल सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–1/4 (पूर्ण खाता) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा भीनमाल	
19	लेदरमेर	1200	गै.मु. रास्ता	सरकारी	1.0600	220.00	0.0220	1.राजस्थान सरकार	
20	लेदरमेर	1283	बारानी दोयम	निजी	0.4000	1339.00	0.1339	1. दलाराम पुत्र रणछोडाराम हिस्सा– पूर्ण जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार	
21	लेदरमेर	1282	बारानी दोयम	निजी	0.3500	1365.00	0.1365	1. धूका पुत्र प्रबला हिस्सा– पूर्ण जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार	
22	लेदरमेर	1281	बारानी दोयम	निजी	0.5400	806.00	0.0806	1. भवरीकंवर पत्नि जेरुपसिह हिस्सा– पूर्ण जाति– राजपुत सा. देह खातेदार राहिन (पूर्ण खाता) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा भीनमाल	
23	लेदरमेर	1249	बारानी दोयम	निजी	1.2900	1725.00	0.1725	1. वीरा पुत्र रूघनाथा हिस्सा– पूर्ण जाति– रेबारी सा. देह खातेदार	
24	लेदरमेर	1248	बारानी दोयम	निजी	1.0200	1098.00	0.1098	1. अंतरीकंवर पत्नि छोगसिह हिस्सा– 1/12 जाति– राजपुत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–1/12 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 2. अन्दरकंवर पुत्री जबरसिंह हिस्सा– 1/22 जाति– राजपूत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–1/22 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 3. उम्मेदसिंह पुत्र जबरसिंह हिस्सा– 1/22 जाति– राजपूत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा – 1/22 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 4. कमला पुत्री जबरसिंह हिस्सा– 1/22 जाति– राजपूत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–1/22 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 5. कालूसिंह पुत्र जबरसिंह हिस्सा– 1/22 जाति– राजपूत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–1/22 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 6. खीमसिंह पुत्र जबरसिंह हिस्सा– 1/22 जाति– राजपूत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–1/22 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 7. चन्दनसिंह पुत्र जबरसिंह हिस्सा– 1/22 जाति– राजपूत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–1/22 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 8. जोकमकंवर पुत्री जबरसिंह हिस्सा– 1/22 जाति– राजपूत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–1/22 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 9. टमकाकंवर पुत्री छोगसिह हिस्सा – 1/12 जाति– राजपुत सा. देह खातेदारराहिन हिस्सा–1/12 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल	क्रमशः

क्र. सं.	गाँव का नाम	खसरा नम्बर	भूमि की प्रकृति	भूमि का प्रकार	कुल रकबा (हेक्टेयर में)	अवाप्त रकबा (वर्ग मी. में)	अवाप्त रकबा हेक्टेयर में)	भूमि मालिक का विवरण	संरचनाओ का विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
								10. दलपतसिंह पुत्र जबरसिंह हिस्सा– 1/22 जाति– राजपूत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/22 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 11. पंकूकंवर पुत्री छोगसिह हिस्सा– 1/12 जाति– राजपुत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/12 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 12. पदमसिंह पुत्र छोगसिह हिस्सा– 1/12 जाति– राजपुत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/12 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 13. भागू पुत्री जबरसिंह हिस्सा– 1/22 जाति– राजपूत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/22 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 14. मदनसिंह पुत्र छोगसिह हिस्सा– 1/12 जाति– राजपुत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/12 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 15. मफरीकंवर पुत्री जबरसिंह हिस्सा– 1/22 जाति– राजपूत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/22 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 16. वचनोकंवर पत्नि जबरसिंह हिस्सा – 1/22 जाति– राजपूत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/22 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 17. सांवलसिंह पुत्र छोगसिह हिस्सा – 1/12 जाति– राजपुत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/12 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल	
25	लेदरमेर	1194	बारानी दोयम	निजी	0.9600	2640.00	0.2640	1. नरपतसिह पुत्र सतसिह हिस्सा– 1/2 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार राहिन स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 2. मंगलसिह पुत्र सतसिह हिस्सा– 1/2 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार	
26	लेदरमेर	1182	बारानी दोयम	निजी	2.7800	2000.00	0.2000	1. चुनी देवी पत्नि सताराम हिस्सा – 1/3 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 2. पारस भाई पुत्र सताराम हिस्सा – 1/3 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 3. मंजु पुत्री सताराम हिस्सा– 1/3 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार	
27	लेदरमेर	1180	बारानी प्रथम	निजी	0.6300	1054.00	0.1054	1. आसीनखां पुत्र अकबर हिस्सा– 1/9 जाति– कोटवाल सा. देह खातेदार 2. उमरखां पुत्र अकबर हिस्सा– 1/9 जाति– कोटवाल सा. देह खातेदार 3. गफूरखां पुत्र अकबर हिस्सा– 1/9 जाति– कोटवाल सा. देह खातेदार 4. फोजेखां पुत्र अकबर हिस्सा–1/9 जाति– कोटवाल सा. देह खातेदार 5. बरकतखां पुत्र अकबर हिस्सा – 1/9 जाति– कोटवाल सा. देह खातेदार 6. भवरी पुत्री अकबर हिस्सा– 1/9 जाति– कोटवाल सा. देह खातेदार 7. मफरी पुत्री अकबर हिस्सा– 1/9 जाति– कोटवाल सा. देह खातेदार 8. सोरम पुत्री अकबर हिस्सा– 1/9 जाति– कोटवाल सा. देह खातेदार 9. हुआबानो पत्नि अकबर हिस्सा – 1/9 जाति– कोटवाल सा. देह खातेदार	
28	लेदरमेर	1685/1173	बारानी प्रथम	निजी	0.2400	280.50	0.0281	1. कालीदेवी पत्नि खेताराम हिस्सा – पूर्ण जाति– मेघवाल सा. खानपुर खातेदार	
29	लेदरमेर	1173	बारानी प्रथम	निजी	0.2300	347.14	0.0347	1. फगलूराम पुत्र बाबरा हिस्सा – पूर्ण जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार	
30	लेदरमेर	1686/1173	बारानी प्रथम	निजी	0.2400	379.10	0.0379	1. सुबटीदेवी पत्नि फगलूराम हिस्सा– पूर्ण जाति– मेघवाल सा. खानपुर खातेदार	
31	लेदरमेर	1687/1173	बारानी प्रथम	निजी	0.2300	402.90	0.0403	1. हीराराम पुत्र फगलूराम हिस्सा– पूर्ण जाति– मेघवाल सा. खानपुर खातेदार	
32	लेदरमेर	1688/1173	बारानी प्रथम	निजी	0.2300	450.50	0.0451	1. छगनाराम पुत्र बाबराराम हिस्सा – पूर्ण जाति– मेघवाल सा. खानपुर खातेदार	
33	लेदरमेर	1172	बारानी सोयम	निजी	1.0900	2540.00	0.2540	1. अदराराम पुत्र केसीया हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 2. ईकली पुत्री खंगारा हिस्सा– 1/4 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 3. कमला पुत्री हंसाराम हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 4. कस्तूराराम पुत्र लूंगी उर्फ लवगो हिस्सा – 1/12 जाति–मेघवाल सा. देह खातेदार 5. जतनो पुत्री जोयता हिस्सा– 1/36 जाति – मेगवंशी सा. देह खातेदार 6. जामताराम पुत्र हंसाराम हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 7. दलाराम पुत्र हंसाराम हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 8. दिनेशकुमार पुत्र हंसाराम हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 9. दौलाराम पुत्र जोयता हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 10. पारसाराम पुत्र केसीया हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 11. बाबूराम पुत्र लूंगी उर्फ लवगो हिस्सा– 1/12 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 12. मंगलाराम पुत्र केसीया हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 13. मणीदेवी पत्नि हंसाराम हिस्सा – 1 / 36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 14. रेखाराम पुत्र केसीया हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 15. रमेशकुमार पुत्र हंसाराम हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 16. राधादेवी पत्नि जोयता हिस्सा – 1 / 36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 17. लेहरी पत्नि केसीया हिस्सा – 1 / 36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 18. शान्ता पुत्री जोयता हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 19. सती पुत्री जोयता हिस्सा–1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 20. सन्ती पुत्री जोयता हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 21. समेराराम पुत्र लूंगी उर्फ लवगो हिस्सा – 1/12 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 22. हीमताराम पुत्र केसीया हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार	
34	लेदरमेर	1171	बारानी सोयम	सरकारी	3.8800	3952.00	0.3952	1.राज. सरकार	
35	लेदरमेर	1157	बारानी दोयम	निजी	0.5100	145.00	0.0145	1. अदराराम पुत्र केसीया हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 2. ईकली पुत्री खंगारा हिस्सा– 1/4 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 3. कमला पुत्री हंसाराम हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 4. कस्तूराराम पुत्र लूंगी उर्फ लवगो हिस्सा– 1/12 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 5. जतनो पुत्री जोयता हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 6. जामताराम पुत्र हंसाराम हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 7. दलाराम पुत्र हंसाराम हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 8. दिनेशकुमार पुत्र हंसाराम हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 9. दौलाराम पुत्र जोयता हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 10. पारसाराम पुत्र केसीया हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 11. बाबूराम पुत्र लूंगी उर्फ लवगो हिस्सा– 1/12 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 12. मंगलाराम पुत्र केसीया हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार	

क्र. सं.	गाँव का नाम	खसरा नम्बर	भूमि की प्रकृति	भूमि का प्रकार	कुल रकबा (हेक्टेयर में)	अवाप्त रकबा (वर्ग मी. में)	अवाप्त रकबा हेक्टेयर में)	भूमि मालिक का विवरण	संरचनाओ का विवरण
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
								13. मणीदेवी पत्नि हंसाराम हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 14. रेखाराम पुत्र केसीया हिस्सा – 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 15. रमेशकुमार पुत्र हंसाराम हिस्सा – 1/ 36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 16. राधादेवी पत्नि जोयता हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 17. लेहरी पत्नि केसीया हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 18. शान्ता पुत्री जोयता हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 19. सती पुत्री जोयता हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 20. सन्ती पुत्री जोयता हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार 21. समेराराम पुत्र लूंगी उर्फ लवगो हिस्सा– 1/12 जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार 22. हीमताराम पुत्र केसीया हिस्सा– 1/36 जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार	
36	लेदरमेर	1070	बारानी प्रथम	निजी	1.3500	180.00	0.0180	1. अणसी पनि मसराराम हिस्सा – 1/108 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 2. उषी पुत्री दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 3. छैलाराम पुत्र दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/27 (पूर्ण खाता) यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शाखा भीनमाल 4. डूंगाराम पुत्र दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 5. दरिया पत्नि नाथा हिस्सा– 1/12 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 6. प्रकाश पुत्र नाथा हिस्सा– 1/12 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 7. मदा पुत्री दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 8. नाबालिग मनाषा पुत्री मसराराम सरंक्षक सरपरस्त माता – अणसी हिस्सा – 1/108 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 9. महेन्द्र पुत्र दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 10. माफी पुत्री दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 11. राजा पुत्र नाथा हिस्सा– 1/12 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 12. विकाश पुत्र नाथा हिस्सा– 1/12 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 13. शैतान पुत्र दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 14. नाबालिग साक्षी पुत्री मसराराम सरंक्षक सरपरस्त माता – अणसी हिस्सा – 1/108 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 15. नाबालिग सीमा पुत्री मसराराम सरंक्षक सरपरस्त माता – अणसी हिस्सा – 1/108 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार 16. हका पुत्र मोती हिस्सा– 1/3 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा – 1/3 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा भीनमाल ADB 17. हंजादेवी पत्नि दला हिस्सा– 1/27 जाति– पुरोहित सा. देह खातेदार	
37	लेदरमेर	1108	बारानी प्रथम	निजी	0.7800	549.00	0.0549	1. सोना पुत्र रणछोडा हिस्सा– पूर्ण जाति– मेघवाल सा. देह खातेदार	
38	लेदरमेर	1109	बारानी प्रथम	निजी	0.6500	531.00	0.0531	1. हेमाराम पुत्र रणछोडाराम हिस्सा– पूर्ण जाति– मेगवंशी सा. देह खातेदार	
39	लेदरमेर	1184	बारानी दोयम	निजी	3.1200	250.00	0.0250	1. ऐवनकंवर पत्नि सुखसिह हिस्सा– पूर्ण जाति– राजपूत सा. भीनमाल खातेदार	
40	लेदरमेर	1199	चाही प्रथम जाव प्रथम	निजी	1.3600	200.00	0.0200	1. जितनकंवर पुत्री जोगसिह हिस्सा– 1/28 जाति– राजपूत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/28 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 2. जोरसिह पुत्र बलवन्तसिह हिस्सा – 1/4 जाति– राजपूत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/4 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 3. ताराकंवर पत्नि जोगसिह हिस्सा– 1/28 जाति– राजपूत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा – 1/28 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 4. नाथूसिंह पुत्र जोगसिह हिस्सा– 1/28 जाति– राजपूत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/28 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 5. प्रकाशकंवर पुत्री जोगसिह हिस्सा– 1/28 जाति– राजपूत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/28 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 6. पूरणसिंह पुत्र जोगसिह हिस्सा– 1/28 जाति– राजपूत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/28 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 7. बलवन्तसिह पुत्र चिमनसिह हिस्सा– 1/4 जाति– राजपूत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/4 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 8. रिंकुकंवर पुत्री जोगसिह हिस्सा– 1/28 जाति– राजपूत सा. देह खातेदाररहिन हिस्सा–1/28 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 9. हडमतसिह पुत्र जोगसिह हिस्सा– 2/7 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार	
41	लेदरमेर	1196	चाही प्रथम जाव प्रथम	निजी	1.7200	342.00	0.0342	1. जितनकंवर पुत्री जोगसिह हिस्सा– 1/28 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–1/28 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 2. जोरसिह पुत्र बलवन्तसिह हिस्सा– 1/4 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा – 1/4 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 3. ताराकंवर पत्नि जोगसिह हिस्सा– 1/28 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–1/28 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 4. नाथूसिंह पुत्र जोगसिह हिस्सा– 1/28 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–1/28 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 5. प्रकाशकंवर पुत्री जोगसिह हिस्सा– 1/28 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–1/28 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 6. पूरणसिंह पुत्र जोगसिह हिस्सा– 1/28 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–1/28 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 7. बलवन्तसिह पुत्र चिमनसिह हिस्सा – 1/4 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–1/4 (पूर्ण खाता) स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एंड जयपुर शाखा भीनमाल 8. रिंकुकंवर पुत्री जोगसिह हिस्सा– 1/28 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार राहिन हिस्सा–1/28 (पूर्ण खाता) पंजाब नेशनल बैंक शाखा भीनमाल 9. हडमतसिह पुत्र जोगसिह हिस्सा– 2/7 जाति– राजपूत सा. देह खातेदार	
			कुल योग		43.1400	48782.55	4.8783		

[फा.सं. उपरे/मुख्यालय/एस एण्ड सी/443599200–भाग–19] राजीव श्रीवास्तव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें 1126-CR/25

भड़ला में युवकों की पिटाई का मामला, थाने के बाहर धरना शुरू

बाप, (नि.सं.)। पोकरण तहसील के अवाय गांव के दो युवकों को चोरी के शक में अगवा कर भड़ला में पिटाई करने का मामला लगातार गरमाता जा रहा है। 6 सितम्बर देर देर रात घटी इस घटना के विरोध में मंगलवार को ग्रामीण बाप थाने के बाहर एकत्रित हो गए और धरना शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से पीड़ित परिवार और समाज में रोष व्याप्त है।

अवाय निवासी गेनाराम मेघवाल ने रिपोर्ट दी थी कि 6 सितम्बर की रात करीब 2 बजे वह अपने साथी मदनलाल भील के साथ घर लौट रहा था, तभी भड़ला क्षेत्र में एनटीपीसी प्लांट के कुछ कार्मिकों और अधिकारियों ने उन्हें जबरन गाड़ी में बैठाकर प्लांट ले जाकर बंधक बना लिया। पूरी रात बेल्ट और डंडों से पिटाई की गई, जातिसूचक गालियां दी गईं। सुबह दोनों को बाप थाने लाकर छोड़ दिया गया। घटना का वीडियो वायरल होने से ग्रामीणों में आक्रोश और बढ़ गया। नाचना, पोकरण, कोलायत, जोधपुर, फलोदी, जैसलमेर, रिड़मलसर, आऊ से बड़ी संख्या मे लोग बाप पहुंचे।

मंगलवार को धरने के दौरान ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के समक्ष 15 सूत्रीय मांगें रखीं। इनमें फलोदी अधिकारी को बर्खास्त करने, ईमानदार अधिकारी से निष्पक्ष जांच कराने, बिना मेडिकल जांच जेल भेजने वाले पुलिसकर्मियों को निलंबित करने, आरोपियों पर राजद्रोह व हत्या प्रयास की धाराएं जोड़ने, विक्रम सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड का ठेका निरस्त कर ब्लैकलिस्ट करने, पीड़ितों को 10–10 लाख की सहायता व कंपनी में स्थायी नौकरी देने, आरोपियों के वाहनों को जब्त करने तथा सिक्योरिटी फर्म में स्थानीय युवाओं को रोजगार देने जैसी मांगें शामिल हैं। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों का रिश्तेदार पुलिसकर्मी समंदर सिंह अवाय उन्हें बचाने और पीड़ितों को धमकाने में शामिल है। उसकी तत्काल बर्खास्तगी की मांग भी की गई। इसके अलावा आरोपियों व पुलिस अधिकारियों की संपत्ति की जांच कर जप्त करने की बात भी रखी गई। घटना को लेकर पुलिस प्रशासन और ग्रामीणों के बीच अब तक दो बार वार्ता हो चुकी है, लेकिन दोनों विफल रही हैं। वार्ता विफल होने के बाद धरना जारी है। प्रदर्शनकारी ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। आरएसी व पुलिस जाब्ता तैनात रहा – धरने में बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने एहतियात के तौर पर फलोदी सर्कल के सभी थाना पुलिस को बाप बुला लिया। इसके अलावा आरएसी के जवानो को भी बाप बुलाया गया है।

मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार, दो गाड़ियां सीज

बाप, के भड़ला क्षेत्र में दो युवकों को अगवा कर जातिसूचक शब्दों से अपमानित करने और बेरहमी से पिटाई करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त एक स्विफ्ट कार और बोलेरो कैंपर वाहन को भी सीज किया गया है। अवाय निवासी गेनाराम मेघवाल ने बाप पुलिस थाना में रिपोर्ट देकर बताया कि 6 सितंबर की रात करीब दो बजे वह अपने साथी मदनलाल के साथ रोला से अवाय गांव जा रहा था। इसी दौरान आरोपियों ने उन्हें घेर लिया और जातिसूचक शब्दों से अपमानित किया। दोनों को जबरन गाड़ी में डालकर ले जाया गया, जहां बेल्ट, लाठी और डंडों से पिटाई की गई। पीड़ितों ने बताया कि घटना का वीडियो भी बनाया गया और उन्हें प्लांट में बंधक बनाकर पूरी रात मारपीट की गई। मारपीट का विडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक फलौदी कुंदन कंवरिया ने निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक फलौदी ब्रजराजसिंह चारण के सुपरविजन में वृताधिकारी अचलसिंह देवड़ा और बाप थानाधिकारी रमेश ढाका ने कार्रवाई करते हुए जयराजसिंह पुत्र सुमेरसिंह निवासी डेगाना जिला नागौर, विजयसिंह पुत्र जबरसिंह निवासी फलसुण्ड जिला जैसलमेर, सुमेर सिंह पुत्र भोमसिंह निवासी रामदेवरा जिला जैसलमेर, कुलदीपसिंह पुत्र जयसिंह निवासी जोडकिया जिला हनुमानगढ तथा भवानीसिंह पुत्र करणीसिंह निवासी बाला थाना हदा जिला बीकानेर को गिरफ्तार कर लिया। एसपी कुंवरिया ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सुरक्षा कंपनी में गार्ड की नौकरी करते हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में चोरी के संदेह में युवकों से मारपीट करना स्वीकार किया है।

ग्रेनाइट एसोसिएशन ने उठाया सड़कों की मरम्मत का बीड़ा

जालोर,(का.सं.)। जालोर जिला मुख्यालय पर बारिश से जगह जगह सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई है वहीं सड़के क्षतिग्रस्त होने से आए दिन कई जगह लोग हादसा का शिकार हो रहे हैं। वही नगर परिषद व जिला प्रशासन द्वारा क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत को लेकर किसी प्रकार से कोई ठोस कदम नहीं उठाने से आमजन की समस्याओं को देखते हुए ग्रेनाइट एसोसिएशन जालौर ने शहर की सड़कों को सुधारने के लिए मंगलवार को कार्य शुरू किया। जालोर में गत कुछ दिनों से मानसून की सक्रियता के चलते मूसलाधार बारिश होने से सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई। जिसके चलते आमजन को सड़कों पर चलना दुभर हो गया। वहीं शहर की सबसे व्यस्ततम मार्ग एस आर पेट्रोल पम्प से लेकर हरिदेव जोशी सर्कल , आहोर चौराहे , शिवाजी नगर , राजेंद्र नगर सहित शहर के निचले इलाको की सड़क बारिश से टूट गई थी। जिसके बाद क्षतिग्रस्त सड़कों से आए दिन कई लोग गिरकर चोटीले हो चुके हैं। जिला प्रशासन व नगर परिषद शहर में जगह–जगह क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत को लेकर किसी प्रकार से कोई ठोस कदम नहीं उठाने से आमजन के लिए क्षतिग्रस्त सडके परेशानी का सबब बनी हुई थी। ऐसे में जालोर ग्रेनाइट एसोसिएशन क्षतिग्रस्त सड़कों की मरमत को लेकर आगे आया तथा मंगलवार को जेसीबी तथा ट्रैक्टर लगाकर जगह–जगह क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू किया।

कार्यालय नगरपरिषद, जालोर (राजस्थान)

हॉस्पीटल चौराहा, रेल्वे स्टेशन रोड़, जालोर-343001
दुरभाष नम्बर 02973-222270 व Mail id - mailto:mcjalore.lsg@rajasthan.gov.in & npjaloreraj@gmail.com

आज़ादी का अमृत महोत्सव

क्रमांकः/नपजा/स्टोर / दशहरा / निविदा/2025/4020 दिनांकः 09/1/2025

निविदा सूचना 01/2025-26

सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में नगरपरिषद जालोर द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दशहरा पर्व पर (02.10.2025) गुरुवार को निम्नलिखित सामग्री कय एवं कार्यों हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। अतः इच्छुक मान्यता प्राप्त ठेकेदारों/फर्मों से दिनांक 16.09.2025 को दोपहर 01 बजे मोहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है, प्राप्त निविदायें उसी दिन सांय 05 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्र उसी दिन समय 10 से 01 बजे तक विकय किये जायेगें।

आंशिक अथवा पूर्णतः निविदा स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार निविदा स्वीकृत अधिकारी को होगा। निविदा की जानकारी विभाग की वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in/ पर देखी तथा डाउनलोड की जा सकती है।

NIB NO. DLB2526A5585

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (लाखों में)	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क
1	रावण का पुतला बांस व बांस की खपच्चियों का 35 फीट ऊचाई (छतरी, किलगी, सहित) उसी के अनुरूप दस मुह, हाथ पांव, धनुष तीर, तरकश, तलवार, सहित मोटाई 10-15 फीट तक। मेघनाद का पुतला बांस व बास की खपच्चियों का 30 फीट ऊचाई उसी, अनुरूप एक मुंह, हाथ, पांव धनुष तीर-कमान, तरकश सहित मोटाई 07-15 फीट तक। कुम्भकरण का पुतला बांस व बास की खपच्चियों का 30 फीट ऊचाई उसी, अनुरूप एक मुंह, हाथ, पांव धनुष तीर-कमान, तरकश सहित मोटाई 07-15 फीट तक। कम्पलीट कार्य तीनों पुतलों के अन्दर डालनें हेतु तेज आवाज वाले बडी साईज के बारूद, एवं 10000 लडी के हार-10 नंग व 2000 लडी के हार-15 नंग।	02.00	4000.00	1000.00
2	रावण दहन से पूर्व मेला स्थल पर भव्य आतिशबाजी और अनुभवी सौरगर द्वारा आतिशबाजी प्रदर्शन कार्य।	02.00	4000.00	1000.00
3	श्रीराम, श्रीलक्ष्मण की झांकियां तैयार कर वाहनों में बैण्ड व लानें का कार्य। नासिक ढोल के साथ गाजे-बाजे से रावण दहन के स्थान पर	60000/-	1200.00	1000.00

निविदा की शर्तें :-

1 . थरोहर राशि जरियें डिमाण्ड ड्राफ्ट या नकद जरियें जगा ही स्वीकार की जायेगी एवं प्रत्येक आईटम की थरोहर अलग-अलग जमा करानी होगी।
2. डाक द्वारा सशर्त निविदा अमान्य रहेगी।
3. दरें एफओआर एवं समस्त करों सहित दी जायें।
4. सर्वाधिकार निम्नहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित होगा।
5. जीएसटी सहित दरें मान्य होगी।
6. अन्य शर्तें कार्यालय नगरपरिषद में देखी जा सकेगी।
7. निविदा बिना कोई कारण बतायें आंशिक पूर्णतः अस्वीकृत करनें का अधिकार निम्नहस्ताक्षरकर्ता के पास निहित रहेगा।
8. निविदादाता द्वारा पेन कार्ड, एवं बारूद लाईसेन्स (जो वर्तमान 2025 में प्रभावी हो प्रस्तुत करनें पर ही निविदा कॉपी दी जायेगी।

(राजेश मेवाडा) प्रशासक नगर परिषद, जालोर

(दिलीप माथुर) आयुक्त नगर परिषद, जालोर

मंत्री खराड़ी से भील समाज के छात्रावास की मांग

जालोर ,(कास)। भाजपा एसटी मोर्चा का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को जयपुर में कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी से उनके सरकारी आवास पर मिला। इस दौरान समाज के प्रतिनिधियों ने शिक्षा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री से आग्रह किया कि भील समाज के विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रत्येक जिला मुख्यालय पर छात्रावास की स्थापना की जाए। उनका कहना था कि इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के होनहार छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने समाज की इस मांग को सकारात्मक रूप से लेते हुए कहा कि सरकार स्तर पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

मुलाकात के दौरान जालोर भाजपा एसटी मोर्चा जिला महामंत्री मनोहर राणा, पाली भाजपा एसटी मोर्चा प्रवक्ता राजाराम, सिरोही जिला परिषद सदस्य अर्जुन राम भील, भाजपा सदस्य सालारामपुर सहित कई जने मौजूद रहे।

जसवंतपुरा महाविद्यालय के लिए राशि मंजूर

रानीवाड़ा, (नि.सं.)। शिक्षा के क्षेत्र में जसवन्तपुरा उपखण्ड मुख्यालय के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। पूर्व विधायक एवं पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष नारायणसिंह देवल की अथक मेहनत और दूरदर्शी सोच के चलते प्रदेश सरकार ने राजकीय महाविद्यालय जसवन्तपुरा के भवन निर्माण व अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए 4 करोड़ 50 लाख रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष भंवरसिंह राजपुरा ने बताया कि पूर्व विधायक देवल ने ही अपने प्रयासों से पिछले बजट में जसवन्तपुरा उपखण्ड मुख्यालय पर महाविद्यालय की स्वीकृति दिलवाई थी, जिसका संचालन इस सत्र से प्रारंभ हो चुका है।

सरस डेयरी ऑफिस में गंगाजल छिड़कने के मामले में अनिश्चितकालीन धरना जारी

मीणा समाज और डेयरी से जुड़े लोगों में घटना के बाद से आक्रोश फैल गया था

- **प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह छुआछूत और भेदभाव की मिसाल है, जो डेयरी जैसे सहकारी संस्थान में बर्दाश्त नहीं की जाएगी**
- **सीकर-झुंझुनूं जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ (पलसाना) में चेयरमैन जीतराम मील का विरोध बढ़ता जा रहा है**

सीकर, (निसं)। ऑफिस में गंगाजल छिड़कने के मामले में सीकर-झुंझुनूं जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ (पलसाना) में चेयरमैन जीतराम मील का विरोध बढ़ता जा रहा है। मीणा समाज और डेयरी से जुड़े लोगों ने सोमवार को डेयरी के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया था, जो मंगलवार को भी जारी है।

जानकारी के अनुसार सरस डेयरी (पलसाना) के एमडी कमलेश मीणा के तबादले के बाद चेयरमैन जीतराम मील ने एकादशी पर ऑफिस में गंगाजल का छिड़काव किया था। इसका वीडियो सामने आया था। वीडियो में चेयरमैन एमडी की कुर्सी और कार्यालय में गंगाजल छिड़क रहे थे। इस घटना के बाद से मीणा समाज के लोगों में आक्रोश फैल गया। इसके चलते डेयरी से जुड़े दुग्ध उत्पादक, किसान और समाज के लोग धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह छुआछूत और भेदभाव की मिसाल है, जो डेयरी जैसे सहकारी संस्थान में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

वहीं, सोमवार शाम को धरनास्थल पर पहुंचे दांतारामगढ़ विधायक वीरेंद्र सिंह ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। विधायक ने कहा कि यदि समय रहते आरोपियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो वे इस मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे। विधायक ने कहाकि डेयरी में न छुआछूत चलेगी, न मिलावट और न ही भ्रष्टाचार। यदि उत्पादों में मिलावट पाई गई तो हम सड़कों पर उतरेंगे और खुद जांच करेंगे। जिम्मेदारों को अपनी गलतियां सुधार लेनी चाहिए। वीरेंद्र सिंह ने कहा कि यह डेयरी उनके पिता चौधरी नारायण सिंह की मेहनत और प्रयासों से स्थापित हुई थी, लेकिन पिछले दो-तीन सालों से डेयरी में भ्रष्टाचार और मिलावट की शिकायतें लगातार आ रही है। इसके कारण डेयरी विवादों में बनी हुई है। इतना ही नहीं, वे खुद अब सरस के उत्पादों के बजाय निजी डेयरियों का दूध-दही इस्तेमाल कर रहे हैं। विधायक ने एमडी कमलेश कुमार मीणा के तबादले के बाद हुई इस घटना को शर्मनाक बताते हुए कहा कि सरकारी कर्मचारियों की ऐसी हरकतें असहनीय है।

जिला परिषद सदस्य जयंत निठरवाल ने कहा कि डेयरी प्रबंधन से अपील है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं, वरना आंदोलन और तेज होगा। वहीं, प्रदर्शनकारियों का कहना है कि जब तक आरोपी चेयरमैन समेत सभी जिम्मेदारों के खिलाफ विभागीय जांच और कार्रवाई नहीं होती, धरना जारी रहेगा।

50 लाख की पंजाब निर्मित शराब पकड़ी

पाली, (नि.सं.)। पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर द्वारा करीबन 50 लाख कीमत की पंजाब निर्मित बियर के कुल 620 कार्टन बरामद तथा आरोपी गिरफ्तार कर शराब तस्करी में प्रयुक्त गैस टेंकर जब्त किया। पुलिस अधीक्षक पाली आदर्श सिद्धू आईपीएस ने बताया की जिला पाली में शराब तस्करी व एनडीपीएस तस्करी के रोकथाम व लोकल एवं स्पेशल एक्ट कार्यवाही का विशेष अभियान चलाया जाकर सख्त निगरानी शुरू की गई थी जिसके परिणाम स्वरूप विपिन शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पाली के निर्देशन में 8 सितम्बर को एक गैस का टेंकर शराब परिवहन करते हुए को जब्त किया। पुलिस ने नेशनल हाईवे 162 पर नया गांव पुलिया के पास सर्विस रोड पर चालक देराजराम के कब्जे से टेंकर में से अवैध पंजाब निर्मित बियर के 620 कार्टन के जब्त किये। मुलजिम द्वारा टेंकर में गैस की आड में अवैध शराब की तस्करी करना पाया गया।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा0 नि0 वि0 खण्ड निवाई

क्रमांक:EE Newai/2025-26/डी- 2403-11 दिनांक : 22.08.2025

निविदा निरस्तीकरण आदेश

इस कार्यालय के पत्रांक 1916-25 दिनांक 25.07.2025 द्वारा निविदा सूचना संख्या 13/2025-26 आमन्त्रित की गई थी। उक्त निविदा में क्र.सं. 01, 02, 03, 04, 05 एवं 06 पर उल्लेखित कार्यों में किसी भी संवेदक द्वारा भाग नहीं लिये जाने के कारण उक्त निविदा को निरस्त किया जाता है।

RO. No. DIPR/10929-04.08.2025

(गौत्तम मीणा)
अधिशाषी अभियन्ता
सार्वजनिक निर्माण विभाग
खण्ड निवाई

DIPR/C/12573/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DN, DAUSA

PWD Dak Banglow Campus Dausa
दूरभाष-01427-223025, E-mail: eedausa.pwd@rajasthan.gov.in

No. Date:

Corrigendum. No. 01

With reference to Nit No. 14 Year 2025-26 issued by this office for the works. All the prospective bidder are hereby informed that department has extend the Time Period of bid submission due to technical issue as follows.

Particulars	Original Date	Revised
Bid Submission Closing Date	14.08.2025 to 28.08.2025	14.08.2025 to 15.09.2025
BID Opening Date	29.08.2025	16.09.2025

Other Terms and Conditions of NIT shall remain the same as before.
UBN NO:-1. PWD2526WOB09808, 2. PWD2526WOB 09810, 3. PWD2526WOB 09812 4. PWD2526WOB 09815, 5. PWD2526WOB 09816, 6. PWD2526WOB 09817

Executive Engineer
P.W.D.Dn. Dausa

DIPR/C/12692/2025

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/132 & 134 Date :- 01/09/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 35/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 157.12 लाख (03 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	05.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 29.09.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	05.09.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 29.09.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	01.10.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526SLOB00241, 242 & 243

अधिशाषी अभियन्ता - विद्युत
उदयपुर विकास प्राधिकरण

राज.संवाद/सी/25/9519

शराब ठेके पर रंगदारी मांगी, दो जने गिरफ्तार

- **पूर्व में भी एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया जस चुका है, जांच में जुटी पुलिस**

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने शराब ठेके पर सेल्समैन को धमकी देकर रंगदारी वसूलने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान देशराज और रोहित के रूप में हुई है।

मामले की जांच कर रहे विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल ने बताया कि राजेंद्र कुमार मीणा पुत्र जगदीश मीणा निवासी बागड़ियों की ढाणी तन सताना ने मामला दर्ज करवाया था कि मैं जय भवानी वाइंस मेड की पालड़ी तिराहे वाली दुकान पर सेल्समैन का काम करता हूं। 21 अगस्त को में दुकान पर बैठा था। उसी समय सोनू कुमार, कार्तिक, बॉबी दुकान के सामने आकर खड़े हो गए और कहने लगे कि आज के बाद मेड की दुकान चलानी है तो हर महीने 50 हजार रुपए रंगदारी देनी होगी। साथ ही हमें वह हमारी टीम को मुफ्त में शराब भी उपलब्ध करवानी होगी। अगर तुम लोगों ने रंगदारी व शराब नहीं दी तो तुम्हें जान से मार देंगे। वहीं मेरे साथ मारपीट करने लगे व गल्ला लूटने की भी कोशिश की। इनसे हमें जान और माल का खतरा है, जिस पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपूतली बहरोड देवेंद्र कुमार विश्नोई द्वारा पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्तमान में वांछित अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत त्वरित कार्यवाही करने के निर्देशों की पालना में अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मेहनत व लगन से कार्य करते हुए आसूचना संकलन कर गहनता से तलाश करते हुए देशराज उर्फ कार्तिक पुत्र मुक्तिलाल निवासी झाड़ोदिया की ढाणी तन मैड, रोहित कुमार उर्फ बॉबी पुत्र स्व. श्यामलाल निवासी निवासी झाड़ोदिया की ढाणी तन मैड को गिरफ्तार किया गया है। वहीं पूर्व में भी सोहनलाल उर्फ सोनू उर्फ मुक्तिलाल निवासी झाड़ोदिया की ढाणी तन मैड को गिरफ्तार किया जा चुका है।

हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल लाइन हाजिर

- **अपराधियों के साथ फोटो वायरल हुआ था**

जोधपुर, (कासं)। जिला पश्चिम की स्पेशल टीम में लगे हेड कांस्टेबल और एक कांस्टेबल को लाइन हाजिर के आदेश मंगलवार को जारी किए गए हैं। इनकी फोटो सोशल मीडिया पर अपराधियों के साथ वायरल हुई थी। जिस पर डीसीपी वेस्ट ने गंभीरता से लिया और आदेश जारी किए। मामले में अब जांच एडीसीपी वेस्ट को सौंपी गई है। पुलिस उपायुक्त पश्चिम विनीत कुमार बंसल ने बताया कि डीएसटी वेस्ट में लगे हेड कांस्टेबल ओमाराम डांगी एवं कांस्टेबल भगाराम को लाइन हाजिर किया गया है। इनकी फोटो अपराधियों के साथ वायरल हुई थी। हालांकि फोटो पुरानी थी। जांच उच्चाधिकारी को सौंपी गई है।

दो बाइकों की टक्कर में सरकारी शिक्षक की मौत

सीकर, (निसं)। सीकर जिले के पलसाना में सोमवार देर रात एक्सीडेंट में एक सरकारी शिक्षक की मौत हो गई। टीचर सड़क पर एक घंटे तक तड़पते रहे। वहां से गुजर रही रोडवेज बस के कंडक्टर-ड्राइवर ने उन्हें हॉस्पिटल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार सोमवार देर रात खंडेला रोड पर दो बाइकों की भीषण भिड़ंत हो गई, जिसमें एक सरकारी टीचर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद घायल अवस्था में सड़क पर तड़पते रहे टीचर को रोडवेज बस के स्टाफ ने पलसाना के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

टीचर शंकर लाल (45) निवासी अमरपुरा अलोदा (सीकर) गढ़वालों की ढाणी के पास बाइक से जा रहे थे। इस दौरान सामने से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने शंकर लाल की बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गए और सड़क पर गिर गए। काफी समय तक शंकर लाल सड़क पर ही पड़े रहे। हादसे के बाद वहां से गुजर रही कोटपूतली डिपो की रोडवेज बस के ड्राइवर को सड़क पर एक व्यक्ति पड़ा दिखा, जिसके बाद उसने बस को रोका और कंडक्टर व यात्रियों की हेल्प से टीचर शंकर लाल को पलसाना हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने टीचर को मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस को घटना की सूचना दी गई। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस के अनुसार मौके पर सिर्फ एक ही बाइक बरामद हुई है, जबकि दूसरी बाइक के टूटे-फूटे पार्ट्स बिखरे पड़े थे। फिलहाल खाटूश्यामजी सदर थाना बाइक समेत उस पर सवार की तलाश में जुट गई है। वहीं मृतक टीचर के परिजनों ने बताया कि शंकर लाल सरकारी टीचर थे और रेटा स्कूल में पढ़ाते थे।

मिलावट की आशंका पर दुकानों से सैम्पल लिये

भीलवाड़ा, (निसं)। मिलावट की आशंका पर सवाईपुर और चांवडिया चौराहा स्थित दुकानों से अलग-अलग सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा है।

भीलवाड़ा सीएमएचओ डॉ. संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं ड्रग कंट्रोल राजस्थान एवं कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले में चलाए जा रहे "शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक कुमार यादव की ओर से सवाईपुर क्षेत्र के खाद्य निर्माण इकाइयों का सघन निरीक्षण करते हुए मिलावट की शंका होने पर कृष्णा डेयरी कोटा रोड सवाईपुर से मावा और पनीर का, दीपक ऑयल मिल चावंडिया चौराया बन का खेड़ा से मूंगफली तेल का एवं सांवरिया ट्रेडिंग कंपनी सवाईपुर से मसूर दाल और मिर्ची पाउडर का खाद्य नमूना लिया गया है। प्रयोग शाला से खाद्य नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर कार्यवाही की जाएगी।

MBM UNIVERSITY, JODHPUR

No. : MBMU/OIC/2025-26/769 Date :- 04/09/2025

NOTICE INVITING BID

Bids are invited from interested eligible and experienced vendors/suppliers for the supply/provision of the following items/services at MBM University, Jodhpur. All other particulars of the bid may be visited on the portal sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in and www.mbm.ac.in.

1. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00034 Dining Table and Benches for hostel at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹12,25,000/- rupees and last date of bid submission 15.09.2025, 12:00 Noon.
2. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00035 Furniture Items for HRD Centre at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹14,60,000 and last date of bid submission 15.09.2025, 12:00 Noon.
3. Bids vide UBN No: MBM2526GSOB00036 Supply Printer and Computer at M B M University, Jodhpur. with estimated amount ₹2,63,000 and last date of bid submission 10.09.2025 12:00 Noon.
4. Bids vide UBN No: MBM2526GLOB00037 Drawing Table and Stools at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹11.60 Lakhs and last date of bid submission 15.09.2025 12:00 Noon.
5. Bids vide UBN No: MBM2526GSOB00038 Procurement of Ceiling Fans at MBM University, Jodhpur with estimated amount ₹10.00 Lakhs and last date of bid submission 15.09.2025 12:00 Noon.

OIC-Central Store
MBM University

Raj.Samwad/C/25/9522

घड़सना तहसीलदार और कानूनगो के खिलाफ शिकायत दी

- **इंतकाल के लिए 15 हजार रुपए मांगने का आरोप, एसीबी ने मामला दर्ज किया**
- **रावला के एक किसान ने एसीबी चौकी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी थी**

अनूपगढ, (निसं)। यहां एसीबी ने घड़साना की तहसीलदार बबीता और ऑफिस कानूनगो के खिलाफ रिश्वत मांगने का मामला दर्ज किया है। रावला के एक किसान ने एसीबी चौकी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पवन मीणा को शिकायत दी थी।

शिकायत में बताया कि किसान के पिता के नाम चक 15 आरजेडी में 21 बीघा जमीन दर्ज है। पिता ने 20 सितंबर 2023 को देहांत से पहले रजिस्टर वसीयत किसान और उसके भतीजे के नाम कर दी थी। किसान ने फरवरी 2025 में इंतकाल दर्ज करवाने के लिए तहसीलदार को प्रार्थना पत्र दिया। तहसील में पदस्थापित ऑफिस कानूनगो रेशम सिंह ने इंतकाल के लिए 2 हजार रुपए प्रति बीघा के हिसाब से रिश्वत मांगी। एसीबी के डीएसपी भूपेंद्र सोनी ने बताया कि शिकायत के सत्यापन में रेशम सिंह और तहसीलदार बबीता की रिकॉर्डिंग की गई। पहले 20 हजार रुपए की मांग की गई, बाद में 15 हजार रुपए में तय हुई। जांच में किसान की शिकायत सही पाई गई। डीएसपी ने बताया कि किसान की शिकायत सही पाए जाने पर 23 मई 2025 को श्रीगंगानगर एसीबी के द्वारा तहसीलदार बबीता और कानूनगो रेशम सिंह को ट्रैप करने के लिए जाल बिछाया गया। पीड़ित किसान को तहसील कार्यालय में भेजा गया, मगर रेशम सिंह के द्वारा परिवादी को शाम 4 बजे आने के लिए कहा गया। जब परिवादी शाम को वापिस गया तो रेशम सिंह और तहसीलदार बबीता को शक हो गया तो उन्होंने बिना रुपए लिए विरासत इंतकाल दर्ज करने के लिए सम्बन्धित पटवारी को निर्देशित कर दिया। डीएसपी भूपेंद्र सोनी ने बताया कि हालांकि ट्रैप की कार्रवाई सफल नही हो पाई। मगर शिकायत का सत्यापन होने के बाद आवश्यक कार्रवाई करने के बाद आज तहसीलदार बबीता और रेशम सिंह के खिलाफ 15 हजार रुपए विरासत इंतकाल दर्ज करने की मांग का मुकदमा दर्ज किया गया है।

कार्यालय भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर

फोन न0 05644-230688 वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur.com
क्रमांकः-भविप्रा/नीलामी/2025/12761 दिनांकः 04.09.2025

ई-ऑक्शन के माध्यम से भूखण्ड खरीदने का सुनहरा अवसर

भरतपुर विकास प्राधिकरण भरतपुर द्वारा विभिन्न योजनाओं में आवासीय एवं व्यावसायिक भूखण्ड ई-ऑक्शन द्वारा नीलाम किये जा रहे है,

(नवरात्री एवं दीपावली के शुभ अवसर पर भव्य ई-नीलामी)

क्र. सं.	योजना का नाम	भूखण्ड संख्या	साईज फुट व मीटर में	क्षेत्रफल व.ग./ व.मी.	आरक्षित दर प्रति व.ग./व.मी. (लीज हेतु)	अमानत राशि (ई.एम.डी.)	ई-ऑक्शन प्रारम्भ करने की दर (प्रति व.ग./व.मी.)
1	2	3	4	5	6	7	8
नीलामी दिनांक : - 24 से 25 सितम्बर 2025							
1.	बिल्डिंग मैटेरियल योजना संख्या-14 (व्यावसायिक)	TYPE-A 47,48,49	10X30	300.00 व.मी.	14000 व.मी.	120000	40,000.00 प्रति व.मी.
2.		TYPE-A 52,54	10X30	300.00 व.मी.	14000 व.मी.	120000	40,000.00 प्रति व.मी.
3.		TYPE-A 133	10X20	200.00 व.मी.	14000 व.मी.	70000	35,000.00 प्रति व.मी.
4.		TYPE-B 30,32,33,34	06X20	120.00 व.मी.	14000 व.मी.	39600	33,000.00 प्रति व.मी.
5.		TYPE-B 55, 56, 57,58, 59, 60, 61	06X20	120.00 व.मी.	14000 व.मी.	39600	33,000.00 प्रति व.मी.
6.		TYPE-B 77	10X20	200.00 व.मी.	14000 व.मी.	66000	33,000.00 प्रति व.मी.
7.	एसपीएम नगर योजना (आवासीय)	847, 848, 849, 850	18'X35'	70.00 व.ग.	11000 व.ग.	47600	68,000.00 प्रति व.ग.
8.	ट्रांसपोर्ट नगर योजना (व्यावसायिक)	75	25'X80'	222.22 व.ग.	17000 व.ग.	155554	70,000.00 प्रति व.ग.
9.		1 (CORNER)	30'X80'	266.66 व.ग.	17000 व.ग.	333325	1,25,000.00 प्रति व.ग.
10.	सैक्टर नं0-03 (आवासीय)	24 CORNER	58X69	444.67 व.ग.	11000 व.ग.	400203	90,000.00 प्रति व.ग.
नीलामी दिनांक : - 07 से 08 अक्टूबर 2025							
11	बिल्डिंग मैटेरियल योजना संख्या-14 (व्यावसायिक)	TYPE-C 65, 90, 91, 92, 93, 96, 97	4.50X15	67.50 व.मी.	14000 व.मी.	27000	40,000.00 प्रति व.मी.
12		TYPE-C 167, 168,169, 170, 172, 173, 175	03X10	30.00 व.मी.	14000 व.मी.	22500	75,000.00 प्रति व.मी.
13		TYPE-C 272	03X03	9.00 व.मी.	14000 व.मी.	9900	1,10,000.00 प्रति व.मी.
14		TYPE-C 296, 303, 308, 310	03X03	9.00 व.मी.	14000 व.मी.	9900	1,10,000.00 प्रति व.मी.
15		TYPE-C 119	4.50X15	67.50 व.मी.	14000 व.मी.	27000	40,000.00 प्रति व.मी.
16	सैक्टर नं0-03 (व्यावसायिक)	59, 60	3X6	18.00 व.मी.	22000 व.मी.	45180	2,51,000.00 प्रति व.मी.
17		62, 64	3X6	18.00 व.मी.	22000 व.मी.	45180	2,51,000.00 प्रति व.मी.
18		75 CORNER	2.30X6	13.80 व.मी.	22000 व.मी.	31740	2,30,000.00 प्रति व.मी.
19	एसपीजैड योजना (आवासीय)	B-9 Corner	10X18	180.00 व.मी.	10500 व.मी.	99000	55,000.00 प्रति व.मी.
20		B-145 Corner	7.6X9	68.40 व.मी.	10500 व.मी.	34200	50,000.00 प्रति व.मी.
21		B-160 Corner	7.6 X 9	68.40 व.मी.	10500 व.मी.	34200	50,000.00 प्रति व.मी.
22		C-66 Corner	10X12	120.00 व.मी.	10500 व.मी.	78000	65,000.00 प्रति व.मी.
23		D-38 Corner	9.5X15	142.50 व.मी.	10500 व.मी.	86925	61,000.00 प्रति व.मी.
24	एसपीजैड योजना (व्यावसायिक)	A 6-7 Corner	18.6X20	372.00 व.मी.	21000 व.मी.	180420	48,500.00 प्रति व.मी.

1. क.स. 1 से 24 के भूखण्डों हेतु रजिस्ट्रेशन, अमानत राशि, पहचान पत्र अपलोड करने की कार्यवाही दिनांक 11.09.2025 को प्रातः 10 बजे सेसारणी मे अंकित बोली प्रारम्भ किये जाने की तिथि से एक दिवस पूर्व सांय 6 बजे तक की जावेगी।
2. आमजन को सूचित किया जाता है कि अगर नीलामी में रखे गये भूखण्डों पर किसी न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश जारी किया गया हो तो नीलामी से पूर्व मय साक्ष्य के प्राधिकरण कार्यालय में प्रस्तुत करें।
3. ई-ऑक्शन की पूर्ण जानकारी व शर्ते प्राधिकरण कार्यालय में एवं sso.rajasthan→Urban services→Citizen service→E-Auction के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है।

अन्य शर्ते एवं नियम

1. अमानत राशि ऑनलाईन नीलामी में भाग लेने वाला व्यक्ति को कॉलम संख्या 7 में अंकित राशि (नियमानुसार) राशि अमानत के रूप में जमा करा नीलामी में भाग ले सकेगा। सफल बोली दाता की अमानत राशि विक्रय मूल्य में समायोजन की जायेगी एवं असफल बोलीदाता की अमानत राशि पुर्नभुगतान कर दी जायेगी।
2. उच्चतम बोलीदाता को बोली की 15 प्रतिशत राशि नीलामी दिनांक से 3 कार्यदिवस दिवस में जमा करानी होगी। उक्त राशि जमा नहीं कराने की स्थिति में बोलीदाता की जमा अमानत राशि प्राधिकरण पक्ष में जब्त की जाकर बोली स्वतः ही निरस्त समझी जायेगी।
3. ऑनलाईन नीलामी की दर स्वीकृति पश्चात सफल बोलीदाता को बोली की 35 प्रतिशत राशि को नीलामी दिनांक से 120 दिवस में जमा करानी होगी।
4. सफल बोलीदाता को बोली की शेष 50 प्रतिशत राशि ऑनलाईन नीलामी दिनांक से 180 दिवस में जमा करानी होगी।
5. प्रत्येक भूखण्ड की नीलामी पर 1 प्रतिशत नीलामी कमीशन पृथक से देय होगा।
6. यदि सफल बोलीदाता मांगपत्र जारी दिनांक से 15 दिवस में समस्त राशि का जमा करता है तो बोली राशि में 1 प्रतिशत की छूट प्रदान की जायेगी।
7. यदि बोलीदाता बढाई गई अवधि में राशि जमा कराने में असफल रहता है तो जमा 15 प्रतिशत राशि स्वतः ही प्राधिकरण पक्ष में जब्त हो जायेगी स्वतः ही निरस्त मानी जायेगी।
8. बोलीदाता को पेन कार्ड की प्रति जमा करानी होगी।
9. ऑनलाईन बोली 100/- रूपये प्रति वर्गगज/वर्गमीटर के गुणांक में ही स्वीकार की जायेगी।
10. नगरीय कर/लीज राशि योजना की आरक्षित दर की 2.5 प्रतिशत आवासीय एवं 5 प्रतिशत व्यावसायिक प्रतिवर्ष देय होगी।
11. 300 वर्ग मीटर से अधिक के आवासीय भूखण्ड पर 10/- प्रति वर्ग मीटर एवं सभी व्यावसायिक भूखण्डों पर 25 प्रति वर्गमीटर की दर से पृथक से बी.एस.यू.पी फण्ड देय होगा।
12. भूखण्ड मौके पर जैसी स्थिति में है उसी स्थिति में नीलाम किया जायेगा व क्षेत्रफल में परिवर्तन हो सकता है, बोलीदाताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे बोली प्रक्रिया में भाग लेने से पहले प्रस्तावित भूखंड की साइट का दौरा अवश्य करें।
13. नीलामी में विक्रय किये जाने वाले भूखण्डों पर उचित प्रतिस्पर्धा होने की स्थिति में एवं उचित दर प्राप्त होने पर ही नीलामी समिति द्वारा भूखण्ड आवंटन की अनुशंसा योग्य माना जायेगा।
14. उच्चतम बोली को स्वीकार/अस्वीकार (बिना किसी कारण) करने का अंतिम अधिकार प्राधिकरण अध्यक्ष में निहित है।
15. शर्ते भरतपुर विकास प्राधिकरण के अनुसार मान्य होंगी।
16. अमानत राशि व मांग पत्र ऑनलाईन पॉर्टल कें माध्यम से ही देय है।
17. 50 लाख अथवा इससे अधिक मूल्य के आवासों/भूखण्ड पर आयकर का प्रावधान 194-IA के अनुसार केता को कुल भूखण्ड की राशि का एक प्रतिशत टीडीएस राशि जमा करानी होगी।
18. नीलामी में भाग लेने वाले बोलीदाता को SSO ID के माध्यम से लॉगइन कर अरबन सर्विसेज में अपनी प्रोफाईल बनाकर ही भाग लेना होगा एवं धरोहर राशि भी ऑनलाईन जमा करानी होगी। धरोहर राशि जमा कराने के पश्चात ही ऑनलाईन बोली लगाई जा सकेगी।
19. मौकानुसार भूखण्ड की साईज में परिवर्तन होने पर प्राप्त दर अनुसार राशि घटाई व बढाई जा सकेगी तथा गोलाई/त्रिज्या में आने वाले क्षेत्र की राशि कम नही की जायेगी।
20. ऑनलाईन नीलामी प्रक्रिया में अंतिम 5 मिनट में किसी भी आवास/भूखण्ड पर बोली लगने पर बोली का समय स्वत 5 मिनट बढ जायेगा।
21. आमजन को सूचित किया जाता है कि अगर नीलामी में रखे गये भूखण्डों पर किसी न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश जारी किया गया हो तो नीलामी से पूर्व मय साक्ष्य के प्राधिकरण कार्यालय में प्रस्तुत करें।
22. भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर किसी भी प्रकार की इन्टरनेट नेटवर्क संबंधी समस्या के लिए जबाव देय नहीं होगा।

राज.संवाद/सी/25/9547 सचिव आयुक्त

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, उदयपुर

क्रमांक :- प.46/अअउ/वि.बो/बिड/2024-25/राजकाज नं. 17637692 दिनांक :- 09/09/2025

निविदा सूचना संख्या -04/2025-26 (NIB No. AGM2526A0145)

राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड खण्ड उदयपुर के अन्तर्गत जिला उदयपुर, राजसमन्द एवं सलुम्बर में विभिन्न निर्माण एवं मरम्मत कार्यो की ऑनलाईन निविदाएँ ई-प्रोक्युरमेन्ट www.eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से उपयुक्त कार्य हेतु दिनांक 03.10.2025 तक आमंत्रित की जाती है। बिड से सम्बन्धित विस्तृत विवरण वेबसाइट www.rsamb.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in (NIB No AGM 2526A0145 & UBN No. AGM2526WLRC00544 to 547) पर भी देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/9543 अधिशाषी अभियन्ता

DR. BHIMRAO AMBEDKAR LAW UNIVERSITY

(A State Funded University of Rajasthan), Plot No. 8, Dehni Kalan, JDA Institution Scheme, Bagru, Tehsil : Sanganer, Dist. : Jaipur-303007, (Rajasthan), E-Mail : registrar@alujaipur.ac.in

F.No. :- 5(4)Exam-Secy./ALU/2025-26/2687 Date :- 04/09/2025

NOTICE INVITING E-BID

E-Bids for hiring of services for "Marking fictitious roll number on answer books, double punching of flaps & its tearing, scanning of answer books and preparation of database for onscreen evaluation work." are invited from interested bidders up to 29/09/2025 time 2:00 pm. Other particulars of bid may be visited on procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in & www.alujaipur.ac.in university website. Approximate value of the procurement is Rs. 240 lakhs.

UBN : ALU2526SLOB00006

Raj.Samwad/C/25/9521 REGISTRAR

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD ELECTRICAL DIVISION BARAN

S.No. 491 **Notice Inviting Bid** Date 29.08.25

(NIT No 13/2025-26)

Bids for 01 Electrical work at Baran are invited from interested bidders up to 06.00 PM of 12.09.2025 (Friday) Other particulars of bid may be visited on the procurement portalhttp://eproc.rajasthan.gov.in.http://sppp.rj.nic.in) of the Rajasthan State. The approximate value of the procurement is Rs 125.55 Lac

1. PWD2526WSOB11324

(Rachit Sharma)
Executive Engineer
PWD Elect. Dn Baran

DIPR/C/12923/2025

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)

E-Mail : nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड़, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक : नपबा/निर्माण/2025/4911-13 दिनांक : 04.09.2025

ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 50/2025-26

नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखें। कार्यो की लागत 4.25 लाख रूपये से 19.84 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :-

1. DLB2526WSOB16710, 2. DLB2526WSOB16712, 3. DLB2526WSOB16713

राज.संवाद/सी/25/9505 आयुक्त, नगर परिषद बारां

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (वि.श्रै.) रामगंजमंडी जिला-कोटा

क्रमांक :- 828 - 38 दिनांक :- 04/09/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 2/2025-26

कृषि उपज मण्डी समिति रामगंजमंडी में सुरक्षा व्यवस्था ठेका हेतु सुरक्षा कर्मियों की आपूर्ति का कार्य के अन्तर्गत पंजीकृत संवेदकों/सहकारी संस्थाओं/स्वयंसेवी संस्थाओं/भूतपूर्व सैनिक सहकारी संस्थाओं से ठेका पद्धति पर ऑन लाईन निविदा ई-प्रोक्यूरमेंट (www.eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से दिनांक 20.09.2025 को सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in agriculture.rajasthan.gov.in department website पर भी देखी जा सकती है।

UBIN : DAM2526SLOB00749

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, रामगंजमंडी

राज.संवाद/सी/25/9531

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (वि.श्रै.) रामगंजमंडी जिला-कोटा

क्रमांक :- 861 - 871 दिनांक :- 04/09/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 3/2025-26

कृषि उपज मण्डी समिति रामगंजमंडी में सफाई व्यवस्था ठेका हेतु सफाईकर्ता की आपूर्ति का कार्य के अन्तर्गत पंजीकृत संवेदकों/सहकारी संस्थाओं/स्वयंसेवी संस्थाओं/भूतपूर्व सैनिक सहकारी संस्थाओं से ठेका पद्धति पर ऑन लाईन निविदा ई-प्रोक्यूरमेंट (www.eproc.rajasthan.gov.in) के माध्यम से दिनांक 20.09.2025 को सांय 6.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in agriculture.rajasthan.gov.in department website पर भी देखी जा सकती है।

UBIN : DAM2526SLOB00755

सचिव
कृषि उपज मण्डी समिति, रामगंजमंडी

राज.संवाद/सी/25/9530

मूसलाधार बारिश के बीच भारतीय सेना ने 21 ग्रामीणों को बचाया

जयपुर/बाड़मेर। गोल्डन कटार डिवीजन के सैनिकों ने त्वरित और समन्वित मानवीय प्रयास से 7 और 8 सितंबर को बाड़मेर जिले के दसूरिया गांव की महिलाओं और बच्चों सहित 21 ग्रामीणों को सफलतापूर्वक बचाया।

ले. कर्नल निखिल धवन, जन संपर्क अधिकारी (रक्षा) जयपुर के अनुसार यह अभियान बाखासर के सरपंच भंवर लाल बामणिया के तत्काल अनुरोध पर शुरू किया गया था। रैप्टर ब्रिगेड की एक इन्फैंट्री बटालियन की क्विक रिएक्शन टीम ने शीघ्रता से प्रभावित गाँव में पहुँचकर प्रतिकूल मौसम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद 12 लोगों को बचाया। इसके बाद, उसी ब्रिगेड की एक आर्म्ड रेजिमेंट के जवानों ने बचाव अभियान में भाग लिया और इस संयुक्त प्रयास के परिणामस्वरूप 9 और ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला गया, इस प्रकार से कुल 21 लोगों को बचाया गया। यह अभियान एसडीआरएफ, राजस्थान के सहयोग व समन्वय से संचालित किया गया।इस तुरंत और समय पर तीव्र कार्यवाही के परिणामस्वरूप बहुमूल्य जीवन बचाए गए, जो भारतीय सेना के दृढ़ संकल्प और धैर्य को दर्शाता है।

गोल्डन कटार डिवीजन के सैनिकों ने दसूरिया गांव की महिलाओं और बच्चों सहित 21 ग्रामीणों को बचाया।

दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की सजा

- **कोर्ट ने 50 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है**

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां 13 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के दोषी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई है। यह फैसला पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत संख्या 2 ने सुनाया। दोषी हरमन सिंह की उम्र 19 साल से भी कम है। पुलिस जांच में सामने आया था कि घटना के समय दोषी की उम्र 18 साल 28 दिन थी। इसके लिए दोषी के स्कूल के रिकॉर्ड की जांच की गई थी।

एसपीपी हरवीर सिंह बराड़ ने बताया कि दोषी हरमन सिंह को पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4(2) के तहत 20 साल के कारावास के अलावा 50 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड नहीं भरने पर छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इसके अलावा बीएनएस की धारा 137(2) के तहत तीन साल के कठोर कारावास और दस हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। अदम अदायगी छह माह होगी। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी। दोषी के खिलाफ थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की के परिजन ने केस दर्ज करवाया था। रामसिंहपुर थाने में 15 जनवरी 2025 को नाबालिग लड़की के अपहरण का केस दर्ज हुआ। पुलिस जांच में सामने आया कि दोषी हरमन सिंह पीड़िता को अपने रिश्तेदार के घर ले गया और बार-बार दुष्कर्म किया। इसके बाद पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में भी केस दर्ज हुआ। सबूत के तौर जब्त की गई चादर की एफएसएल रिपोर्ट में दुष्कर्म की पुष्टि हुई थी।

मैं किस दर्द से गुजरा हूं ये कोई नहीं समझ सकता। मेरा एक पांव पूरी तरह से चलना बंद हो गया था, मुझे एक पांव में लकवा मार गया था। मेरी स्पाइन की सर्जरी हुई थी और मेरी कमर पर एक रॉड डाली गई थी, वो एक बहुत ही दर्दनाक और खतरनाक अनुभव था। - श्रेयस अय्यर

भारतीय खिलाड़ी, अपने चोट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

लुइस सुआरेज

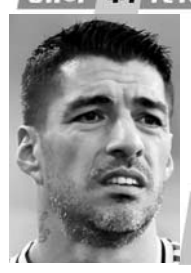

इंटर मियामी के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज पर मेजर लीग सॉकर ने तीन मैचों का अतिरिक्त प्रतिबंध लगा दिया है। लीग ने सोमवार को बताया कि लीग कप के फाइनल में सिएटल साउंडर्स के एक कर्मचारी पर थूकने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है। सुआरेज़, जिन्हें पहले काटने और नस्लीय दुर्व्यवहार के लिए निलंबन का सामना करना पड़ा था, ने सोशल मीडिया पर माफी मांगी और अपने कृत्य को हताशा से उपजी एक ''गलती'' बताया। उन्होंने लिखा, ''यह वह छवि नहीं है जो मैं अपने परिवार या अपने क्लब के सामने पेश करना चाहता हूँ।''

क्या आप जानते हैं ?... टीम इंडिया ने एशिया कप इतिहास में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 10 मैच जीते हैं। भारत को टूर्नामेंट में पाकिस्तान के विरुद्ध 6 बार हार का सामना करना पड़ा।

खिलाड़ियों की इमेज राइट्स को लेकर आईसीसी और डब्ल्यूसीए के बीच हो सकता है टकराव

नई दिल्ली, 9 सितंबर। आईसीसी और वर्ल्ड क्रिकेटर्स एसोसिएशन के बीच खिलाड़ियों की इमेज लाइसेंसिंग राइट्स लेकर विवाद शुरू हो सकता है। पूरा मामला एक नए मोबाइल क्रिकेट गेम से जुड़ा है जिसे आईसीसी जल्द लॉन्च करने की योजना बना रहा है। आईसीसी ने अप्रैल में पहली बार इस योजना के बारे में अपने सदस्यों को जानकारी दी थी। इसके बाद जुलाई में सिंगापुर में हुई एजीएम में कुछ सदस्य बोर्डों ने यह इच्छा जताई कि वे इन अधिकारों के मामले में सीधे अपने खिलाड़ियों से बात करना चाहते हैं।

डब्ल्यूसीए खिलाड़ियों का वैश्विक संगठन है और वे इसे एक ''उल्लंघन'' बता रहा है। यह उस समझौते के संदर्भ में है,जो उसने आईसीसी के साथ किया था। उन्होंने आईसीसी और ''कुछ'' सदस्य बोर्डों पर खिलाड़ियों के नाम, छवि और समानता के अधिकार सहमति से तय शर्तों से परे अपने पास रखने का आरोप लगाया है।

आईसीसी की यह योजना खेल को विकसित करने के लिए है ताकि 2028-2031 चक्र में प्रसारण अधिकारों की क़ीमत में संभावित गिरावट की भरपाई हो सके। भारत में मोबाइल गेमिंग एक तेजी से बढ़ता हुआ बाजार है। 2024 में कई रिपोर्ट्स ने इसकी क़ीमत लगभग 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर आंकी थी। इसी वजह से आईसीसी इसमें उतरना चाहता है।

डब्ल्यूसीए पहले ही इस क्षेत्र में आ चुका है और उसने तीन कंपनियों के साथ लाइसेंसिंग समझौते किए हैं, जिनमें रियल क्रिकेट भी शामिल है। यह सौदा अगस्त 2024 में घोषित किया गया था। डब्ल्यूसीए का रियल क्रिकेट के साथ समझौता 250 से अधिक पेशेवर क्रिकेटरों के नाम, छवि और समानता को शामिल करेगा।

लेकिन अन्य मोबाइल गेमिंग समझौतों से खिलाड़ियों को मिलने वाली सालाना रॉयल्टी की भुगतान प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। डब्ल्यूसीए का दावा है कि भारत में कई कंपनियां खिलाड़ियों के अधिकारों का इस्तेमाल बिना अनुमति और बिना उन्हें राजस्व दिए कर रही हैं और इन्हीं राजस्व अधिकारों की रक्षा और पालन कराने के लिए डब्ल्यूसीए काफी गंभीर है।

डब्ल्यूसीए से जुड़े 20 में से 15 शीर्ष देशों (भारत और पाकिस्तान इसमें शामिल नहीं हैं, क्योंकि उनके यहां खिलाड़ियों का संगठन नहीं है) के लगभग 600 खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए, वैश्विक खिलाड़ियों के संगठन ने उन्हें चेतावनी दी कि वे आईसीसी या सदस्य बोर्डों से मोबाइल गेम को लेकर किसी भी अधिकार पर बातचीत न करें। 12 अगस्त को खिलाड़ियों को लिखे ईमेल में, जिसे ईएसपीएन क्रिकइंफो ने देखा है, डब्ल्यूसीए के सीईओ टॉम मोफ़ैट ने कहा, ''आईसीसी /राष्ट्रीय संस्थाएं आपके नाम, छवि और समानता पर आधारित एक वैश्विक मोबाइल गेम विकसित करने की कोशिश कर रही हैं, बिना खिलाड़ियों से सामूहिक रूप से शर्तें तय किए।''

''संक्षेप में कहें, तो ऐसा लगता है कि आईसीसी वैश्विक स्तर पर आपके अधिकारों का इस्तेमाल और बिक्री करना चाहता है और नहीं चाहता कि आप और आपके साथी सामूहिक रूप से यह तय करें कि आपके अधिकारों का इस्तेमाल कैसे होगा और उसके लिए आपको भुगतान कैसे मिलेगा।'' डब्ल्यूसीए ने इस मामले पर आईसीसी से भी संवाद किया है।

मोफ़ैट ने खिलाड़ियों से कहा कि आईसीसी दरअसल उस समझौते का उल्लंघन कर रहा है जो उसने डब्ल्यूसीए के साथ किया था, जिसमें खिलाड़ियों की छवि का आईसीसी और उसके व्यावसायिक साझेदारों द्वारा अधिकृत इस्तेमाल शामिल था। यह दोनों संगठनों के बीच बार-बार उठने वाला मुद्दा रहा है।

हांगकांग की आधी टीम 43 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटी

अबू धाबी, 9 सितंबर। अफगानिस्तान और हांगकांग के बीच एशिया कप 2025 का पहला मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच से ही इस बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट की शुरुआत हुई है। कागजों पर भले ही अफगानिस्तान की टीम मजबूत नजर आ रही है, लेकिन हांगकांग की नजरें भी प्रभाव छोड़ने पर टिकी होंगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए हांगकांग की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही है और उसने 43 रन के स्कोर पर पांच विकेट गंवा दिए हैं। बाबर हयात हालांकि क्रीज पर टिके हुए हैं। हांगकांग ने पहले सलामी बल्लेबाज अंशुमान राथ का विकेट गंवाया जो खाता खोले बिना आउट हुए। इसके बाद अजमातुल्लाह ने जीशान अली को आउट किया जो पांच रन

बनाकर पवेलियन लौटे। फिर निजाकत खान रन आउट हुए जो खाता भी नहीं खोल सके। वहीं, कल्हान चल्लू भी चार रन बनाकर रन आउट हुए। बाबर ने किंचित शाह के साथ मिलकर टीम को संभालने की कोशिश की और दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 21 रन जोड़े, लेकिन नूर अहमद ने किंचित को आउट कर हांगकांग को एक और झटका दिया। किंचित छह रन बनाकर आउट हुए।सेदिकुल्लाह अटल (नाबाद 73) और अजमतउल्लाह ओमरजई (52) की आतिशी अर्धशतकीय पारियों की दम पर अफगानिस्तान ने मंगलवार को एशिया कप ट्वाप बी पहले मैच में हांगकांग को जीत के लिए 189 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी, लेकिन ओमरजई और सेदिकुल्लाह ने शानदार बल्लेबाजी की जिससे टीम चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने में सफल रही।

एशिया कप में यूएई के खिलाफ भारत कोहली-रोहित युग के बाद करेगा आगाज

दुबई, 9 सितंबर। जब भारत कल दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप के अपने पहले मैच में मैदान पर उतरेगा, तो यह महज एक अभियान की शुरुआत से कहीं बढ़कर होगा। यह भारतीय क्रिकेट में एक नए अध्याय की शुरुआत होगी - विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा के 2024 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद संन्यास लेने के उपरांत पहला बड़ा टूर्नामेंट। एक दशक से भी ज्यादा समय तक, इस तिकड़ी ने भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट में दबदबे को आकार दिया। कोहली की उपलब्धियों की तलाश, रोहित के सहज छक्के और जडेजा की ऑलराउंड प्रतिभा ने भारतीय टी20 क्रिकेट की रीढ़ बनाई। विश्व कप जीत के बाद उनका एक साथ बाहर होना प्रतीकात्मक और भूचाल लाने वाला था। अब, युवा क्रिकेटरों की एक नई पीढ़ी भारत को शीर्ष पर बनाए रखने की ज़िम्मेदारी उठा रही है। सूर्यकुमार यादव, जो अब कप्तान हैं, भारत के नए दर्शन - निडर बल्लेबाज़ी - के प्रतीक हैं। वह एक ऐसी टीम का नेतृत्व करेंगे जिसमें विस्फोटक प्रतिभा और उभरती हुई निरंतरता का मिश्रण होगा। उप-कप्तान शुभमन गिल एक साल से भी ज्यादा समय बाद टी20 में वापसी कर रहे हैं और शीर्ष पर अपनी जगह फिर से हासिल करने के लिए बेताब हैं। दूसरी तरफ अभिषेक शर्मा होंगे, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 54 गेंदों में 135 रनों की तूफानी पारी खेलकर न सिर्फ़ रिकॉर्ड तोड़े, बल्कि खुद को भारत का अगला बिग-हिटिंग सनसनी भी घोषित कर दिया।

पंत भारत लौटे, मुंबई में विशेषज्ञ से मिले

मुंबई, 9 सितम्बर। ऋषभ पंत भारत वापस आ गए हैं और जल्द ही पुनर्वास के लिए बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) जाएंगे। 23 जुलाई को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान अपने दाहिने पैर में फ्रैक्चर के बाद इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने पिछले कुछ दिनों से विशेषज्ञों से सलाह ली है।

हालांकि आकलन के विवरण का अभी भी इंतजार है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि सभी प्रारूपों के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक, पंत (27), अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की अगली घरेलू श्रृंखला में वापसी का लक्ष्य बना रहे हैं। अगर ऐसा नहीं होता है, तो अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला एक वास्तविक संभावना लगती है।

पता चला है कि पंत पिछले कुछ दिन मुंबई में चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श के

लिए बिता रहे थे। इंग्लैंड से सीधे यहां आने के बाद, उन्होंने अपने चोटिल पैर की स्थिति की जांचके लिए जांच कराई, माना जा रहा है कि उस पर अभी भी पट्टियाँ बंधी हुई हैं। समझा जाता है कि शहर के डॉक्टरों ने उन्हें पुनर्वास के लिए सीओई में लौटने के लिए समय-सीमा दी है।

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के मैनचेस्टर (चौथे) टेस्ट के पहले दिन क्रिस वोक्स की गेंद पंत के पैर में लग गई, जिससे उन्हें दर्द के कारण मैदान छोड़ना पड़ा। चोट लगने के समय वह 37 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। अगले दिन, सभी को आश्चर्यचकित करते हुए, वह अपने पैर पर पूरी पट्टियां बांधकर वापस लौटे और टीम के लिए कुछ बहुमूल्य रन जोड़े। इस दौरान, टीम के उप-कप्तान पंत ने अपना अर्धशतक (54) भी पूरा किया।

हालांकि, चोट के कारण, उन्हें ओवल में पांचवां और अंतिम टेस्ट मैच छोड़ना पड़ा, जिसे भारत ने जीतकर श्रृंखला बराबर कर दी। पंत सीरीज खत्म होने के बाद इंग्लैंड में ही रुके रहे और माना जा रहा है कि कुछ दिन पहले ही भारत लौटे हैं। चोट लगने के बाद से ही, पंत अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी रिकवरी के बारे में अपडेट पोस्ट करते रहे हैं।

पिच की स्थिति चयन का मार्गदर्शन करेगी : मोर्कल

दुबई, 9 सितंबर। भारतीय क्रिकेट टीम ने संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एशिया कप के पहले मैच के लिए अपनी अंतिम एकादश पर अभी तक कोई फैसला नहीं किया है, और गेंदबाजी संयोजन और पिच की स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। गेंदबाजी कोच मोर्न मोर्कल ने संकेत दिया है कि टीम पूरी तरह तैयार है, लेकिन अंतिम चयन इस बात पर निर्भर करेगा कि मैच के दिन दुबई की पिच कैसी रहती है, जिसमें तेज और स्पिन दोनों विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

मोर्कल ने इस बात पर जोर दिया कि इस साल की परिस्थितियाँ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान भारत के पिछले दौरे से अलग हैं, जहां चार-तरफा स्पिन आक्रमण का सफलतापूर्वक इस्तेमाल किया गया था। मोर्कल ने कहा, ''हमें देखना होगा कि विकेट कैसा खेलता है। पहले, इस सतह पर काफी क्रिकेट खेला गया था और यह थका हुआ लग रहा था, लेकिन इस बार मैदान पर काफी घास है। आज रात, हम पिच का पहला मुआयना करेंगे और उसके अनुसार योजना बनाएंगे।'' मोर्कल ने जोर देकर कहा कि टीम सभी रणनीतिक विकल्प खुले रखे हुए है और टीम सतह का मूल्यांकन करने के बाद अंतिम निर्णय लेगी। अगर भारत एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को शामिल करता है, तो बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह नई गेंद के साथ जसप्रीत बुमराह का साथ दे सकते हैं, जबकि हर्षित राणा और अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या अन्य संभावित विकल्प हैं।

स्पिन के मोर्चे पर, वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और कुलदीप यादव दावेदारी में हैं। मोर्कल ने कुलदीप के रवैये और पेशेवर रवैये की प्रशंसा करते हुए कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट श्रृंखला में सीमित खेल समय के बावजूद, बाएं हाथ का यह स्पिनर कड़ी मेहनत कर रहा है।

राजधानी

अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों का राष्ट्रीय अधिवेशन आज से शुरू

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर में अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकों के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन 10 सितंबर से बिरला ऑडिटोरियम में किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण आयोजन का उद्घाटन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा करेंगे। अधिवेशन का समापन 11 सितंबर को राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के मार्गदर्शन से होगा। यह अधिवेशन सहकार भारती और सहकारिता विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देशभर के अर्बन को-ऑपरेटिव बैंकर्स, विशेषज्ञ और नीति निर्धारक हिस्सा लेंगे। आयोजन की तैयारियों का सोमवार को सहकारिता मंत्री गौतम दक और सहकार भारती के राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने निरीक्षण किया और सेवा सदन में बैठक कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

सहकार भारती के प्रदेश मंत्री मनोज शर्मा और अधिवेशन के सह-व्यवस्था प्रमुख हनुमान प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि अधिवेशन में सात प्रमुख सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें साइबर सुरक्षा, डिजिटल बैंकिंग, डेटा एनालिटिक्स, जोखिम प्रबंधन, सुशासन, वन टाइम सेटलमेंट, अम्ब्रेला संगठन की अवधारणा, एक्ट और सहकारी बैंकों में चार्टर्ड अकाउंटेंट की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञ उद्बोधन देंगे। इस अधिवेशन में सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदय जोशी, राष्ट्रीय महामंत्री दीपक चौरसिया, राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय पांचपौर, आरबीआई निदेशक सतीश मराठे सहित देश के कई वरिष्ठ सहकारी नेता और बैंकिंग विशेषज्ञ हिस्सा लेंगे।

विधानसभा में ''कैमरा विवाद'' गर्माया

विपक्ष की सीटों के ऊपर लगाए गए अतिरिक्त कैमरों को लेकर कांग्रेस ने सदन में हंगामा और विरोध किया

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा में सोमवार को उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब कांग्रेस विधायकों ने विपक्ष की तरफ अतिरिक्त कैमरे लगाए जाने को लेकर कड़ा विरोध जताया। विपक्ष ने इसे ''निजता का हनन'' बताया और सरकार पर विपक्ष की निगरानी करने का आरोप लगाया। वहीं, भाजपा विधायकों ने पलटवार करते हुए इसे कुकृत्यों को छिपाने की कोशिश करार दिया।

विधानसभा में जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई, कांग्रेस विधायकों ने सदन में विपक्षी बेन्चों के ऊपर लगाए गए अतिरिक्त कैमरों का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि इन कैमरों के जरिए विपक्ष के विधायकों की व्यक्तिगत बातचीत रिकॉर्ड की जा रही है और उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। टीकाराम जूली ने कहा, यह केवल निगरानी नहीं, बल्कि हमारे निजता के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। सदन में हमारे ऊपर कैमरे लगा दिए गए हैं, हमारी बातचीत रिकॉर्ड की जा रही है। अगर सब कुछ पारदर्शी रखना है तो फिर इन कैमरों की फुटेज यूट्यूब पर लाइव क्यों नहीं की जाती? वहीं कांग्रेस विधायक राजेंद्र पारीक ने सवाल उठाया कि आखिर ये अतिरिक्त कैमरे किसकी अनुमति से लगाए गए। उन्होंने कहा, यह केवल विपक्ष का नहीं, पूरे सदन की गरिमा का प्रश्न है। ऐसी परंपरा शुरू करना बेहद खतरनाक है। स्पीकर की अनुमति के बिना ऐसा नहीं हो सकता। इस पूरे घटनाक्रम पर भाजपा विधायक गोपाल शर्मा ने तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, निजता तो एक बहाना है, कांग्रेस विधायक सदन में धरना देते हैं, पैर दबवाते हैं, और रात में कुकृत्य की कोशिश करते हैं। कैमरे लगाने का विरोध इसलिए है कि वे अपने आचरण को छिपा सकें।वहीं, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कैमरा लगाने को लेकर विपक्ष के तर्कों को खारिज करते हुए कहा, सदन कोई बेडरूम या बाथरूम नहीं है।

सिविल इंजिनियरिंग की फर्जी डिग्री दिलाने वाला गिरफ्तार

जयपुर । स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने कार्रवाई करते हुए सिविल इंजिनियरिंग की फर्जी डिग्री दिलवाने के मामले में एक आरोपित को जयपुर से गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि एसओजी की टीम ने सिविल इंजिनियरिंग की फर्जी डिग्री दिलवाने वाले सागर दौलतानी को सिन्धी कैम्प जयपुर से गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि एसओजी ने आदित्य यादव को पूर्व में गिरफ्तार किया गया था। जिसने 12वीं के बाद पढाई नहीं की थी, किन्तु कालोरयक्ष यूनिवर्सिटी (वर्तमान में साबरमती विश्वविद्यालय) अहमदाबाद से फर्जी बीटेक सिविल इंजीनियरिंग की डिग्री खरीदी थी।

निकाय-पंचायत चुनावों को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

जयपुर (विसं)। प्रदेश में निकाय और पंचायत चुनावों की तिथि घोषित न किए जाने को लेकर कांग्रेस का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। सोमवार को विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस विधायकों ने इस मुद्दे को लेकर प्रदर्शन किया और राज्य सरकार पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया। सुबह 10:30 बजे कांग्रेस विधायक विधायक आवास पर एकत्रित हुए, जहाँ से वे नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में पोस्टर-बैनर लेकर विधानसभा परिसर पहुंचे। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायकों ने ''संविधान बचाओ'', ''चुनाव कराओ'' जैसे नारे लगाए और सरकार से तुरंत निकाय व पंचायत चुनाव कराने की मांग की।

कांग्रेस विधायकों ने अपने हाथों में जो पोस्टर लिए थे, उनमें लिखा था ''मैं भजनलाल हूं, मैं निकाय और पंचायत चुनाव 5 साल पर नहीं करवाऊंगा'', जो राज्य सरकार के प्रति व्यंग्यात्मक विरोध का संकेत था। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायकों ने संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ कर संविधान की रक्षा की शपथ भी ली। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि 73वें और 74वें संविधान संशोधन के तहत हर 5 साल में पंचायत और निकाय चुनाव कराना अनिवार्य है। लेकिन राज्य सरकार इस संवैधानिक प्रावधान की अनदेखी कर रही है। उन्होंने कहा, ''हमने कई बार सरकार से चुनाव कराने की मांग की।

कर्नाटक के दल ने जयपुर में किया वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का अवलोकन

जयपुर । नगर निगम हैरिटेज के कचरा प्रबंधन व्यवस्था को अब देशभर में सराहना मिल रही है। जयपुर की कचरा मुक्त बनाने में हेरिटेज निगम के विभिन्न प्लांट सहायक सिद्ध हो रहे है।

मंगलवार को कर्नाटक राज्य के टाऊन पंचायत बेलूर की इंजीनियरिंग विंग ने लंगड़ियावास स्थित वेस्ट टू एनर्जी प्लांट का अवलोकन किया। इस दौरान प्रतिनिधि दल ने प्लांट की सारी प्रक्रिया को जाना। हेरिटेज निगम प्रोजेक्ट अधिशाषी अभियंता मुकेश कुमार ने बताया कि वेस्ट टू एनर्जी प्लांट में प्रतिदिन एक हजार टन कचरे को री ड्यूज कर 12 मेगावाट बिजली बनाई जा रही है। इसमें डोर टू डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था के तहत नगर निगम हूपर के माध्यम से कचरे को प्लांट तक पहुंचाया जाता है। जहां प्रक्रिया के तहत कचरे को रि ड्यूज कर ऊर्जा में परिवर्तित किया जा रहा है। इस प्लांट को जिंदल पावर कंपनी के द्वारा संचालित किया जा रहा है।

निरीक्षण के दौरान बेल्लूर आए दल के कुल 17 अधिकारियों का दल शामिल रहा। इस दौरान हेरिटेज निगम महापौर के विशेषाधिकारी सुनील कुमार यादव ने निरीक्षण कर कर्नाटक से आए प्रतिनिधि दल को प्लांट के संबंध में जानकारी दी।

यूपीएससी अभ्यर्थी ने दी गंभीर बीमारी को मात

जयपुर। नारायणा अस्पताल जयपुर के कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. शुभम शर्मा और उनकी टीम ने एक असाधारण उपलब्धि हासिल की, जब 22 वर्षीय यूपीएससी अभ्यर्थी ने एक्यूट रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम और उससे जुड़ी गंभीर जटिलताओं को मात देकर नया जीवन पाया। मरीज की स्थिति इतनी गंभीर थी कि उन्हें आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहना पड़ा, वेंटिलेटर सपोर्ट, प्रोनिंग पोज़िशन और लगातार निगरानी की आवश्यकता पड़ी। हालात तब बिगड़े जब उन्हें प्न्यूमोमीडियास्टिनम और दोनों फेफड़ों में न्यूमोथोरैक्स फेफड़ों में हवा भर जाना, जिससे उसमें सिकुडन जाती है, जैसी जटिलताएँ हो गईं। लगातार पाँच दिन तक दवाइयों का असर न होने पर चिकित्सकीय टीम ने नया उपचार शुरू किया। विशेषज्ञों की सतत निगरानी और देखभाल से धीरे-धीरे फेफड़े स्वस्थ होने लगे।

विद्यार्थियों को सुरक्षित भवनों में पढ़ाने की व्यवस्था का रोडमैप पेश करे सरकार : हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को कहा है कि वह रोडमैप पेश कर विद्यार्थियों को पढाने के लिए जल्दी से जल्दी उचित और उपयुक्त भवन मुहैया कराने की जानकारी दे। इसके साथ ही अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के सचिवों को निर्देश दिए हैं कि वे अध्ययन के काम आ रही स्कूलों और पढाई के लिए राज्य सरकार की ओर से की गई वैकल्पिक व्यवस्था का 15 सितंबर से 18 सितंबर के बीच रेंडम सर्वे कर अदालत में इसकी रिपोर्ट पेश करे। प्राधिकरण सचिव इस दौरान ग्रामीण क्षेत्र के दूर-दराज वाली स्कूलों का विशेष ध्यान रखें। इस दौरान अदालत ने संबंधित कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों सहित जिला शिक्षा अधिकारियों को उचित व्यवस्था करने को कहा है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत मामले में 19 सितंबर को सुनवाई करेगी।

सुनवाई के दौरान अदालती आदेश की पालना में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने प्रमुख शिक्षा सचिव का शपथ पत्र पेश किया। महाधिवक्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि प्रदेश की कई जर्जर स्कूल चिन्हित कर वहां अध्ययनरत विद्यार्थियों को वैकल्पिक स्थानों पर पढाया जा रहा है। इस पर अदालत ने कहा कि अब बच्चे टीन शेड के नीचे पढ रहे हैं, यह स्थिति ठीक नहीं है। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा की स्कूल भवनों की उचित व्यवस्था करने की क्या व्यवस्था है। इसके साथ ही अदालत ने इस संबंध में राज्य सरकार को रोडमैप पेश कर कोर्ट को इसकी जानकारी देने को कहा है। वहीं अदालत ने मौजूदा हालातों को जानने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के सचिवों को निरीक्षण कर रिपोर्ट पेश करने को कहा है। गौरतलब है कि झालावाड की एक स्कूल का भवन गिरने से विद्यार्थियों की मौत के बाद अदालत ने मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था। वहीं गत सुनवाई पर अदालत ने जर्जर भवनों में पढाने पर रोक लगाते हुए राज्य सरकार को विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को कहा था। वहीं प्रमुख शिक्षा सचिव से वैकल्पिक व्यवस्था की जानकारी पेश करने को कहा था।

- **अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों के सचिवों को भी मौका निरीक्षण के निर्देश दिए**

समाज कल्याण सप्ताह 1 अक्टूबर से

जयपुर (कासं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग हर वर्ष की तरह आगामी 1 से 7 अक्टूबर तक प्रदेश भर में समाज कल्याण सप्ताह मनाएगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार समाज कल्याण सप्ताह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जातियों, जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, विशेष योग्यजन, महिलाओं एवं बच्चों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने के साथ-साथ सामाजिक बुराइयों एवं कुरीतियों के विरूद्ध जनचेतना जाग्रत करना है। गहलोत ने बताया कि सप्ताह के दौरान आयोजित की जाने वाली गतिविधियों को दिवसों में बांटा गया है।

राजस्थान में धर्मांतरण विरोधी विधेयक पर सियासी संग्राम

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा में पेश किए गए धर्मांतरण विरोधी विधेयक को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा सरकार के मंत्रियों और विधायकों ने इसे राज्य की संस्कृति और धार्मिक समरसता की रक्षा का ''ऐतिहासिक फैसला'' बताया है। वहीं, विपक्षी कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने और बहस से बचने के आरोप लगाए गए।

- **सरकार ने बताया ऐतिहासिक कदम, कांग्रेस पर लगाए तुष्टिकरण के आरोप**

राज्य सरकार के मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस विधेयक को लाकर लाखों धर्मप्रेमियों की भावनाओं का सम्मान किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीब, दलित, आदिवासी और महिलाओं को डराकर, लालच देकर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था, जिसे रोकने के लिए यह कठोर कानून लाया गया है। बेढम ने कहा कि कांग्रेस विधायकों ने दिल्ली के नेताओं के इशारे पर सदन में चर्चा से किनारा किया, जिससे साफ होता है कि पार्टी तुष्टिकरण की नीति पर चल रही है। उन्होंने कहा कि अलवर और बांसवाड़ा जैसे जिलों में जबरन धर्मांतरण और लव जिहाद की घटनाएं चिंताजनक हैं।

इस विधेयक में कड़े प्रावधान शामिल हैं- जबरन धर्मांतरण पर 7 से 14 साल की सजा, जबकि दलित, महिला या दिव्यांग को निशाना बनाए जाने पर 20 साल तक की सजा और आजीवन कारावास तक का प्रावधान है। इसके अलावा, अवैध संपत्ति के जरिये धर्म परिवर्तन कराने वालों पर बुलडोजर कार्रवाई का भी प्रावधान जोड़ा गया है।

मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि कांग्रेस ने सिर्फ वोटबैंक की राजनीति के चलते इस विधेयक पर बहस से बचने का फैसला लिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के चार मुस्लिम विधायक इस कानून का विरोध कर रहे थे। मंत्री राज्यवर्धन सिंह ने कहा कि यह कानून हर धर्म की रक्षा के लिए है और अब कोई भी व्यक्ति किसी अन्य धर्म में जबरन धर्म परिवर्तन नहीं करा सकेगा। वहीं, विधायक महंत प्रतापपुरी ने सिरोही और जैसलमेर में हुई लव जिहाद की घटनाओं का ज़िक्र करते हुए कहा कि अब ऐसी घटनाओं पर सख्त रोक लगेगी।

भाजपा विधायक बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि कांग्रेस ने इस विधेयक पर चर्चा से भागकर यह साबित कर दिया कि वह हिन्दू विरोधी मानसिकता से ग्रस्त है। उन्होंने दावा किया कि राज्य की जनता इस कानून की लंबे समय से मांग कर रही थी।

भरतपुर रेल टर्मिनल के लिए उपयुक्त स्थान का चयन जल्दी करें-मुख्यमंत्री

उत्तर-पश्चिम रेलवे अधिकारियों को रतलाम-डूंगरपुर परियोजना की भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया तेज करने के निर्देश

जयपुर, 9 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान में रेलवे नेटवर्क का सुदृढ़ ीकरण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। राज्य में रेलवे परियोजनाओं के विस्तार से न केवल आवागमन सुविधाजनक होगा, बल्कि स्थानीय उद्योग, कृषि और रोजगार को भी नई ऊर्जा मिलेगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय में मंगलवार को आयोजित समीक्षा बैठक में शर्मा ने रतलाम-डूंगरपुर वाया बांसवाड़ा नई रेल परियोजना और भरतपुर में प्रस्तावित नवीन रेल टर्मिनल की प्रगति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि भरतपुर रेल टर्मिनल के निर्माण से किसानों, व्यापारियों और औद्योगिक इकाइयों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि टर्मिनल के लिए उपयुक्त स्थल का चयन संयुक्त निरीक्षण के आधार पर जल्द किया जाए, जिससे परियोजना की गति प्रभावित न हो।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को रतलाम-डूंगरपुर वाया बांसवाड़ा नई रेल परियोजना और भरतपुर में प्रस्तावित नवीन रेल टर्मिनल प्रगति की समीक्षा की।

- **मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने मंगलवार को सीएमओ में दोनों परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की।**

शर्मा ने उत्तर-पश्चिम रेलवे के अधिकारियों से रतलाम-डूंगरपुर परियोजना की वस्तुस्थिति पर विस्तृत जानकारी ली और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग पर भी विशेष जोर देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित, राज्य सरकार और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में संबंधित जिलों के कलेक्टर भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

गोविन्द पारीक मुख्यमंत्री के ओएसडी बने

गोविंद पारीक

- **लम्बे समय तक राजकीय सेवा में रहने के बावजूद वे विवादों से दूर रहे हैं।**

जयपुर, 9 सितम्बर (कासं)। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त पूर्व निदेशक डॉ. गोविंद पारीक को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विशेषाधिकारी (ओ.एस.डी.) नियुक्त किया गया है।

ज्ञातव्य है कि गोविंद पारीक ने अपने लंबे कार्यकाल में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में उल्लेखनीय सेवाएं दी हैं। वे सबसे लंबे समय तक जयपुर के सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी रहे। विशेष बात यह रही कि लंबे समय तक राजकीय सेवा देने के बावजूद, वे विवादों से दूर रहे और हर सरकार में उन्हें सम्मानजनक पदों पर कार्य करने का अवसर मिला। पत्रकारों को साथ लेकर चलने और सरकार की नीतियों व योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार करने की उनकी शैली सराही जाती रही है। पारीक दूरदर्शन और आकाशवाणी केन्द्र में भी लंबे समय तक उद्घोषक के रूप में सक्रिय रहे। डॉ. पारीक ने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अलावा, हरदेव जोशी पत्रकारिता विश्वविद्यालय में गेस्ट फैकल्टी के रूप में भी सैकड़ों नवागुंतक पत्रकारों को प्रशिक्षित करने का भी सराहनीय कार्य किया।

एन. डी. ए. के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समिति (बीआरएस) ने भी चुनाव का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। पार्टी ने कहा कि यह निर्णय राज्य के किसानों की "यूरिया की कमी की पीड़ा" के कारण लिया गया है।

पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने कहा, "पिछले 20 दिनों से बीआरएस राज्य और केन्द्र सरकारों को यूरिया की कमी के बारे में चेतावनी दे रही है। इसके बावजूद उनकी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। तेलंगाना के 71 लाख किसानों के साथ एकजुटता दिखाने और उक्त विरोध के रूप में बीआरएस ने उपराष्ट्रपति चुनाव में भाग नहीं लेने का निर्णय लिया है। अगर नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) का विकल्प होता, तो हम वही चुनते।"

बीआरएस के पास राज्यसभा में चार सांसद हैं दामोदर राव दिवकोंडा रेड्डी, बी. पार्थसारथी रेड्डी, के.आर. सुरेश रेड्डी, और रवि चंद्र वड्डिराजु। लोकसभा में पार्टी का कोई सांसद नहीं है। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) ने भी उप-राष्ट्रपति चुनाव में भाग नहीं लिया। पार्टी ने कहा कि केन्द्र सरकार और पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार से उन्हें राज्य में आई "अभूतपूर्व बाढ़" से निपटने में कोई सहायता नहीं मिली। पार्टी ने 'एक्स' पर लिखा, "पंजाब और पंजाबी हमेशा हर संकट की घड़ी में राष्ट्र के साथ खड़े रहे हैं। लेकिन आज स्वयं पंजाबी अप्रत्याशित बाढ़ के कारण एक गंभीर संकट से जूझ रहे हैं। राज्य का लगभग एक-तिहाई हिस्सा पानी में डूबा हुआ है, घर और फसलें पूरी तरह से नष्ट हो चुकी हैं।" "न तो राज्य सरकार और न ही केन्द्र सरकार ने किसी भी तरह से पंजाबी जनता की सहायता की है। इस संकट से आम पंजाबी और विशेष रूप से सिक्ख बिना किसी सरकारी मदद के लड़ रहे हैं।" पूर्व केन्द्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल एसएसडी की एकमात्र सांसद हैं।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदाता मंडल में कुल 788 सदस्य हैं, राज्यसभा के 245 और लोकसभा के 543 सदस्य। राज्यसभा के 12 मनोनीत सदस्य भी मतदान के पात्र हैं।

वर्तमान में, राज्यसभा की 6 सीटें और लोकसभा की 1 सीट रिक्त होने के कारण, कुल 781 सदस्य मतदाता मंडल में शामिल हैं। इस चुनाव में बहुमत का आंकड़ा 391 है। एनडीए के पास लोकसभा में 293 सांसद और राज्यसभा में 129 सदस्य हैं, जबकि विपक्षी इंडिया गठबंधन को लगभग 325 सांसदों का समर्थन प्राप्त है।

विपक्ष ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरह भाजपा को मदद करने के लिए मतदान से अलग रहे।

राहुल गांधी, जो मलेशिया में विदेश दौरे पर थे, समय पर लौट आए और उन्होंने वोट डाला। लोकसभा और राज्यसभा के सभी विपक्षी सांसदों ने भी वोट दिया। भले ही भाजपा ने अपने उम्मीदवार को जिता लिया हो, लेकिन पिछली बार की तुलना में उसके घटते वोट उसकी स्थिति का अलग ही संदेश दे रहे हैं। कई दल भाजपा से दूरी बना रहे हैं और कुछ मजबूरी में उसके साथ बने हुए हैं। तेलुगु देशम पार्टी और भाजपा के बीच गहरे मतभेद की खबरें पार्टी नेताओं ने दी हैं। यह विवाद जल्द ही खुलकर सामने आ सकता है।

ब्लूटूथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बीएस चौहान ने कहा कि आरोपी ने संगठित नकल गिरोह में शामिल होकर परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग किया है इसलिए उसे जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने से इन्कार कर दिया है।

नेपाल में जन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अब नेपाल की सेना इस बेकाबू हिंसा को रोकने और किसी वैकल्पिक सरकार की व्यवस्था करने की कोशिश कर रही है। यह जनविरोध अचानक भले ही प्रतीत होता हो, लेकिन यह वर्षों से बनते आ रहे असंतोष का विस्फोट है, जिसकी जड़ें नेपाल के राजा और उनके परिवार की सामूहिक हत्या और उसके बाद की अव्यवस्था में हैं।

देश में समय-समय पर विरोध प्रदर्शन होते रहे हैं, लेकिन युवा पीढ़ी सत्ता के लिए हो रही परिवारवादी राजनीति और भ्रष्टाचार से थक चुकी थी। घटनाओं ने तब करवट ली, जब युवा वर्ग का धैर्य जवाब दे गया। सरकारी नेताओं और उनके परिवारों की स्विट्ज़रलैंड, ब्रिटेन और दुबई में मौज-मस्ती की तस्वीरों ने आग में घी डाल दिया। जैनरेशन ज़ी कहलाने वाली इस युवा पीढ़ी ने सोशल मीडिया के माध्यम से विरोध शुरू किया, लेकिन सरकार ने इस पर कठोर दमनात्मक कार्रवाई की, जिसमें उन्नीस प्रोफेसरों की मृत्यु हो गई। इससे जनआक्रोश और अधिक उग्र हो गया। प्रदर्शनकारियों ने हर प्रकार के सरकारी प्रतीकों को निशाना बनाया। सरकारी दफ्तरों को जलाया गया, नेपाल के सुप्रीम कोर्ट को भी नहीं बख्शा गया। मंत्रालयों पर हमला कर उन्हें तोड़ा-फोड़ा गया, और कुछ मामलों में नेताओं को निर्दयता से मार डाला गया। पूर्व राजनीतिक नेताओं से लेकर वर्तमान सरकार के सदस्यों तक, सभी पर हमले हुए हैं,नेपाल की संसद को प्रदर्शनकारियों ने अपने कब्जे में ले लिया है।

नेपाल के प्र.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आंदोलनकारियों ने राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल के आवास समेत कई मंत्रियों के घरों को निशाना बनाया, जिनमें मंत्री गुरुङ का घर भी शामिल था। कई कैबिनेट मंत्रियों ने या तो इस्तीफा दे दिया या फिर इस्तीफे की घोषणा की, यह कहते हुए कि सरकार प्रदर्शनकारियों की समस्याओं को नज़रअंदाज़ कर रही है। नेपाल कैबिनेट में प्रधानमंत्री सहित कुल 25 मंत्री हैं।

गृह मंत्री रमेश लेखक, जो गठबंधन सरकार में नेपाली कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व करते थे, ने सोमवार को हुई हिंसक झड़पों के बाद नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दे दिया। मंगलवार को कृषि मंत्री रामनाथ अधिकारी ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। स्वास्थ्य मंत्री प्रदीप पौडेल ने एन.टीवी को बताया कि वे भी इस्तीफा देंगे क्योंकि "ऐसे हालात में सरकार में बने रहना संभव नहीं है।" इसी तरह, युवा एवं खेल मंत्री तेजू लाल चौधरी और जल मंत्री प्रदीप यादव ने भी इस्तीफा दिया। चौधरी ने बताया कि सरकार को युवाओं की समस्याओं की जानकारी थी, लेकिन उसने उन्हें नज़रअंदाज़ किया। सांसद असीम शाह ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नेता शेखर कोइराला ने अपने करीबी मंत्रियों को इस्तीफा देने का निर्देश दिया है। दिन की शुरुआत में काठमांडू जिला प्रशासन कार्यालय ने राजधानी में सुबह 8:30 बजे से अगले आदेश तक कर्फ्यू की घोषणा की थी। काठमांडू, ललितपुर और भक्तपुर जिलों में कर्फ्यू लागू किया गया।

शुक्रवार को सरकार के साथ पंजीकरण न कराने के कारण 26 सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। सोमवार को काठमांडू में भारी विरोध प्रदर्शन हुए, जब हजारों युवाओं, जिनमें स्कूली छात्र भी शामिल थे, ने "जैन ज़ी" के बैनर तले संसद के सामने जोरदार प्रदर्शन किया और सरकार विरोधी नारे लगाए, जिसमें तत्काल प्रतिबंध हटाने की मांग की गई।

एयर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हवाई अड्डे को बंद किये जाने के मद्देनजर काठमांडू के लिए और वहां से आने वाली अपनी सभी उड़ानें फिलहाल निलंबित कर दी हैं। काठमांडू के लिए सेवा देने वाली तीसरी कंपनी स्पाइसजेट ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

पंजाब के लिए 1600 करोड़ रु. की मदद का एलान किया मोदी ने

चंडीगढ़ , 09 सितंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए 1,600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने बाढ़ प्रभावित पंजाब में प्रत्येक मृतक के परिजन को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। पीएम मोदी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया, जो 1988 के बाद से सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है।

पंजाब और उसके पड़ोसी हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के लिए एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे पीएम मोदी ने हवाई सर्वेक्षण करने के बाद राज्य के सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में से एक गुरदासपुर पहुंचे। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश का दौरा किया। उन्होंने राज्य में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति का जायजा लिया। गुरदासपुर में पीएम मोदी ने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने स्थिति की समीक्षा के लिए गुरदासपुर में एक आधिकारिक बैठक की अध्यक्षता की। पंजाब में विनाशकारी बाढ़ के कारण मरने वालों की संख्या 51 हो गई है। जबकि 1.84 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। पंजाब सरकार ने राज्य में आई बाढ़ के कारण 13,000 करोड़ रुपये से अधिक के नुकसान का अनुमान लगाया है।

'धर्म परिवर्तन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सत्ता पक्ष ने निर्दलीय विधायकों के समर्थन से ध्वनिमत से विधेयक पारित करा लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार ने इसे जन भावनाओं का सम्मान और समाज की रक्षा का संकल्प करार दिया है। मंत्री जवाहर सिंह बेढ़ म ने कहा कि प्रदेश में धर्मांतरण के मामलों की लगातार शिकायतें मिल रही थीं, खासकर बांसवाड़ा, अलवर जैसे जिलों से। इसलिए सरकार ने कठोर कानून लाकर इस पर निर्णायक कार्रवाई करने का रास्ता चुना है।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा जैसे राज्यों के बाद अब राजस्थान भी उन राज्यों की सूची में शामिल हो गया है, जहां जबरन धर्म परिवर्तन को रोकने के लिए कठोर कानूनी प्रावधान प्रभावी रूप से लागू हो चुके हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908